जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 3 नवम्बर, 2024

KEDIA सेजस्थान

महा दिवाली

एक बार वीडियो देखिए
धाँसू लगे तो ही लीजिए

वीडियो देखने के लिए QR कोड स्कैन करें

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

आज मध्य रात्रि 15 लाख रेट बढ़ेगी !

कल करोड़ों में मिलेगी कोठी !

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	63.45 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	70.50 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	77.55 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	84.60 LACS	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	98.70 LACS	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.41 CRORE	50,000

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

POSSESSION: DEC. 2025

बड़ी-बड़ी कोठी, बड़े-बड़े फ्लैट

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

सात सागरों में जल की अपेक्षा मानव के नेत्रों से कहीं अधिक आंसू बह चुके हैं। –बुद्ध

प्राकृतिक जलवायु समाधान के बिना पारिस्थितिक तंत्रों को बचा पाना संभव नहीं है

वन प्रतिरोधक क्षमता का तात्पर्य है कि वन किस हद तक प्राकृतिक आपदाओं, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभावों से उबर सकते हैं। यह क्षमता उन वनों को परिभाषित करती है जो संकटों का सामना कर पुन: अपनी पारिस्थितिकीय स्थिति को बनाए रखते हैं। प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न मानदंडों का उपयोग किया जाता है जैसे जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं। प्रतिरोधक क्षमता वाले उष्णकटिबंधीय वन वे हैं जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे तूफान, सूखा, आग आदि के बाद भी तेजी से पुन: स्थिर हो जाते हैं। इसके उदाहरण के रूप में अमेज़नवर्षावन को देखा जा सकता है जो कई दशकों से कई प्रकार के संकटों का सामना करते हुए भी अपने जैव विविधता को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं। इन वनों की पहचान करने के लिए वैज्ञानिक विभिन्न संकेतकों का उपयोग करते हैं जैसे वनस्पति का घनत्व, प्रजातियों की विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यक्षमता।

वन प्रतिरोधक क्षमता का महत्व कई कारणों से है। सबसे पहले, यह वन संरक्षण में सहायक होती है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण करने से अन्य वनों की तुलना में इनकी जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखना आसान होता है। वन बहाली में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, क्योंकि प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और यह तेजी से पुन: स्थिर हो जाते हैं। प्रतिरोधक वनों का महत्व कई पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए भी होता है। ये वन जल चक्र को संतुलित रखते हैं, मिट्टी के क्षरण को रोकते हैं और स्थानीय जलवायु को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही, प्रतिरोधक वनों में फूलों और जीवों की विविधता अधिक होती है, जिससे जैव विविधता को संरक्षित करने में मदद मिलती है। कार्बन अवशोषण में भी प्रतिरोधक वनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। ये वन अधिक कार्बन को अवशोषित कर वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु समाधान के रूप में महत्वपूर्ण है।

स्थिरता की दृष्टि से भी प्रतिरोधक वन महत्वपूर्ण होते हैं। ये वन न केवल पर्यावरण को संरक्षित करते हैं बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। इसके अलावा, पर्यटन के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण होती है। वे वन संरक्षण और बहाली में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

वनों और वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बचाना एक प्राकृतिक जलवायु समाधान है। ये वन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा, ये स्थानीय समुदायों की आजीविका को भी समर्थन प्रदान करते हैं। इसलिए, इन वनों का संरक्षण और बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता, जिसे पारिस्थितिक प्रतिरोधक क्षमता के रूप में भी समझा जाता है, वन पारिस्थितिक तंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। यह वन पारिस्थितिकी तंत्र की उस क्षमता को दर्शाती है जो उसे प्राकृतिक और मानवजनित खतरों से उबरने में सक्षम बनाती है। जैसा कि पहले कहा गया है, इसमें तूफान, सूखा, आग, कीट संक्रमण और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। प्रतिरोधक क्षमता के बिना, वन पारिस्थितिकी तंत्र इन खतरों के सामने अस्थिर हो सकते हैं और अपनी पारिस्थितिकीय कार्यक्षमताओं को खो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अमेज़न के वर्षावन जो कि विश्व के सबसे बड़े उष्णकटिबंधीय वनों में से एक है, ने कई प्राकृतिक और मानवजनित खतरों का सामना किया है। इसके बावजूद, अपनी जैव विविधता को संरक्षित रखा है और यही इसकी उच्च प्रतिरोधक क्षमता का संकेत है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना।

प्रतिरोधक क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक मानदंडों का उपयोग किया जाता है। इनमें जैव विविधता, वनस्पति संरचना, और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं शामिल हैं। जैव विविधता प्रतिरोधक क्षमता का एक महत्वपूर्ण संकेतक है क्योंकि विविध प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। वनस्पति संरचना भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक सुसंगठित वन संरचना पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, एक अध्ययन ने दिखाया कि उच्च जैव विविधता वाले वन सूखा के प्रभावों से तेजी से उबरते हैं।

प्रतिरोधक वनों का संरक्षण वन पारिस्थितिकी तंत्र के स्थायित्व को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संरक्षण न केवल जैव विविधता को बनाए रखता है बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बनाए रखता है जो मानव जीवन के लिए आवश्यक हैं। वन बहाली के संदर्भ में, प्रतिरोधक वनों को बहाल करने के लिए कम संसाधनों की आवश्यकता होती है और ये तेजी से पुन: स्थिर हो जाते हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की बात करते हैं। एक उदाहरण के रूप में, मध्य अमेरिका के कुछ क्षेत्रों में वन बहाली परियोजनाओं ने दिखाया है कि उच्च प्रतिरोधकता वाले वन तेजी से पुन: स्थिर हो जाते हैं और अधिक कार्बन का अवशोषण करते हैं।

कार्बन अवशोषण की दृष्टि से, प्रतिरोधक वन जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये वन अधिक मात्रा में कार्बन को अवशोषित करते हैं और इसे दीर्घकालिक रूप से संग्रहीत करते हैं। यह कार्बन अवशोषण प्रक्रिया वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने में मदद करती है, जिससे ग्रीनहाउस गैसों का प्रभाव कम होता है। एक अध्ययन के अनुसार, उष्णकटिबंधीय वनों में कार्बन संग्रहण की क्षमता उच्च होती है, विशेषकर जब वे उच्च जैव विविधता वाले होते हैं। इस प्रकार, प्रतिरोधक वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने में एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

स्थानीय समुदायों की आजीविका के संदर्भ में भी प्रतिरोधक वनों का महत्व अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये वन स्थानीय समुदायों को खाद्य, जल, और औषधीय पौधों की आपूर्ति करते हैं। उदाहरण के लिए, दक्षिण-पूर्व एशिया के वनों में रहने वाले समुदाय अपनी आजीविका के लिए वनों पर निर्भर होते हैं। इसके अलावा, पर्यटन भी इन वनों से जुड़ा हुआ है, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है। प्रतिरोधक वनों का संरक्षण स्थानीय समुदायों को स्थायी आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है।

उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के कई तरीके हैं। सबसे पहले, जैव विविधता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। विभिन्न प्रजातियों की उपस्थिति वन को विभिन्न संकटों से उबरने में सक्षम बनाती है। दूसरा तरीका है वनस्पति संरचना को बनाए रखना, जिससे वन की स्थिरता बढ़ती है। तीसरा तरीका है स्थानीय समुदायों की भागीदारी को बढ़ावा देना। स्थानीय समुदाय वन संरक्षण और बहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाना महत्वपूर्ण है ताकि लोग वनों के महत्व को समझ सकें और उनके संरक्षण में सक्रिय भाग ले सकें।

अंत में, उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। वैज्ञानिकों, स्थानीय समुदायों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा। वन संरक्षण और बहाली के लिए नीतियों का निर्माण और उनका कार्यान्वयन आवश्यक है। इसके साथ ही, पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता भी महत्वपूर्ण है, जिससे लोग वनों के महत्व कोसमझ सकें और उनके संरक्षण में भाग ले सकें। इस प्रकार, हम एक स्थायी और संतुलित पर्यावरण की ओर बढ़ सकते हैं, जिसमें वनों का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

वन प्रतिरोधक क्षमता एक महत्वपूर्ण अवधारणा है जो वन पारिस्थितिक तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता और स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। प्रतिरोधक क्षमता का महत्व न केवल पर्यावरणीय दृष्टिकोण से बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी है। जैव विविधता, वनस्पति संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रतिरोधक क्षमता के मुख्य घटक हैं। उष्णकटिबंधीय वनों का संरक्षण और बहाली जलवायु परिवर्तन को कम करने, जैव विविधता को बनाए रखने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को समर्थन प्रदान करने में महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों और नीतियों के माध्यम से हम उष्णकटिबंधीय वनों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं और एक स्थायी भविष्य की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

वन प्रतिरोधक क्षमता उष्णकटिबंधीय वन पारिस्थितिक तंत्र में विनाशकारी परिवर्तनों से बचाव कर सकती है। परिवर्तन सामान्य है, लेकिन यह अचानक और कठोर विपरीत स्थिति में परिवर्तित हो सकता है। हालांकि विभिन्न घटनाएँ ऐसे परिवर्तनों को उत्प्रेरित कर सकती हैं, अध्ययन बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता की हानि आमतौर पर वैकल्पिक स्थिति की ओर ले जाती है। इसका मतलब है कि ऐसे पारिस्थितिक तंत्रों के सतत प्रबंधन की रणनीतियों को प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने पर केंद्रित होना चाहिए। प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा देना न केवल पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और स्थानीय समुदायों की आजीविका को सुरक्षित रखने में भी मदद करेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

अमेरिकी लोकतंत्र से हम क्या सीख सकते हैं?

राजेश्वरसिंह

वर्तमान समय में सारी दुनिया की निगाह संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव पर है और सभी बडी बेसब्री से उक्त चुनाव के नतीजों का इन्तजार कर रहें है। उक्त चुनाव की प्रक्रिया और उससे जुडे हुए विभिन्न पहलुओं के ध्यानपूर्वक अध्ययन और अवलोकन के उपरान्त हम आसानी से इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते है कि अमेरिकी लोकतन्त्र की अनेकानेक विशिष्टताओं का अनुकरण व अनुसरण न केवल भारत वरन् विश्व की समस्त लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्थाओं के लिए लाभप्रद और हितकारी सिद्ध हो सकता है।

अमेरिकी लोकतन्त्र की सबसे पहली विशेषता हैं, राजनीतिक दलों में आन्तरिक प्रजातन्त्र, जिसके चलते दलों की स्थानीय व राज्यस्तरीय इकाइयों की न केवल राष्ट्रपति, वरन् सीनेट, प्रतिनिधि सभा व अन्य राजनीतिक पदों के प्रत्याशी चयन में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक भूमिका होती है। इस हेतु प्रत्याशियों को खुली सार्वजनिक बहस में सहभागिता के माध्यम से न केवल अपनी काबिलियत सिद्ध करनी पडती हैं वरन् विभिन्न सार्वजनिक महत्व के मुद्दों पर अपनी सुचिन्तित व सुविचारित राय को भी स्पष्ट करना होता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्याशी चयन हेतु जिम्मेदार प्रतिनिधियों व बाद में समस्त मतदाताओं को प्रत्याशी की योग्यता, अध्ययन शीलता एवं वक्तृत्व क्षमता का सम्यक व समुचित आंकलन कर अपनी राय बनाने का सुअवसर प्राप्त होता है। लोकतन्त्र नीति निर्माण एवं नीति क्रियान्वयन में जन सहभागिता को सुनिश्चित करने एवं मतभेदों की सक्रियता के माध्यम से मतैक्य तक पहुँचने की प्रक्रिया का ही संस्थागत स्वरूप है अत: राजनीतिक नेताओं को अपने मन्तव्य व दृष्टिकोण को सुस्पष्ट, तार्किक व सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुतीकरण में दक्ष होना ही चाहिए और पद विशेष हेतु उनकी सक्षमता का आंकलन भी वस्तुत: इसी आधार पर होना चाहिए। भारत की स्थिति से तुलना करने पर हम पाते है कि यहाँ प्रत्याशी चयन में राजनीतिक दलों की स्थानीय एवं राज्यस्तरीय इकाइयों की भूमिका अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण हैं और खुली सार्वजनिक बहस के माध्यम से संभावित प्रत्याशी की क्षमता व योग्यता के आकलन का मौका तो यहाँ मिलता ही नहीं क्योंकि विभिन्न लोकमहत्व के मुद्दों पर सार्वजनिक बहस की परम्परा प्रारंभ से ही हमारे देश में नहीं है जो कि दुनिया के सबसे बडे लोकतन्त्र के लिए निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। वस्तुत: अपनी विचाराधारा के अनुरूप लोकनीति का निर्माण व लोकशिक्षण राजनीतिक दलो का प्रमुखतम दायित्व है अत: सार्वजनिक बहस का सबसे बडा सुपरिणाम यह होगा कि जनसामान्य को विभिन्न मुद्दो पर राजनैतिक दलों के मंतव्य व दृष्टिकोण से अवगत होने का मौक़ा मिलेगा और वे अपने मताधिकार का उपयोग सोच समझ कर कर सकेंगे। इसके अलावा राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र क़ायम करने के लिए नियमित समयांतराल पर सांगठनिक चुनाव, कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर, मुखपत्र का प्रकाशन इत्यादि भी आवश्यक है।

अमेरिकी लोकतंत्र की दूसरी प्रमुख विशेषता राजनीतिक नेतृत्व का क्रमिक विकास है। राष्ट्रपति पद पर पूर्व में पदस्थापित रहे राजनेताओं व वर्तमान प्रत्याशियों के राजनीतिक करियर ठाफ का ध्यानपूर्वक अवलोकन करने पर यह पता चलता है कि वे लोग पूर्व में मेयर, स्टेट सीनेटर, गवर्नर, नेशनल सीनेटर इत्यादि पदों पर सफलतापूर्वक कार्य कर चुके हैं। स्थानीय व राज्य स्तर पर राजनीतिक भूमिकाओं के निर्वहन से अर्जित अनुभव उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ज़िम्मेदारी के निर्वहन के लिए आवश्यक अनुभव व आत्मविश्वास प्रदान करता हैं। भारत में भी संसद एवं विधानसभा चुनाव लड़ने से पूर्व पंचायती राज संस्थाओं अथवा नगरीय निकायों में कार्य करने का पूर्वानुभव होने की शर्त आरोपित की जा सकती है ताकि स्थानीय स्तर पर अर्जित राजनीतिक व प्रशासनिक अनुभव राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर शासकीय भूमिकाओं का निर्वहन करते समय जनाकांक्षाओ के अनुरूप लोकनीति निर्माण व क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध हो सके।

अमेरिकी लोकतंत्र की तीसरी प्रमुख विशेषता राष्ट्रपति पद पर दो कार्यकाल की अधिकतम अवधि का सीमारोपण हैं। इससे न केवल व्यक्तिविशेष पर अत्यधिक निर्भरता की प्रवृत्ति विकसित नहीं होती वरन् हर चार या आठ साल के बाद नए व्यक्ति को नयी सोच, नये विचार एवं नई नीतियों के साथ आने का एवं उन्हें क्रियान्वित करने का मौक़ा भी मिलता है। वस्तुत: भारत में भी दो कार्यकाल अथवा कुल दस साल की समय सीमा को पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद एवं नगरीय निकाय तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यकारी प्रमुखों पर समान रूप से लागू करने पर गंभीरता पूर्वक विचार होना चाहिए, साथ ही यह नियम दलों की स्थानीय, जिला एवं राज्य स्तरीय इकाइयों व राष्ट्रीय निकायों के प्रमुखों पर भी लागू होना चाहिए।

अमेरिकी लोकतंत्र की चौथी प्रमुख विशेषता वहाँ की संसद (कांग्रेस) के उच्च सदन (सीनेट) की संरचना है जिसमें सभी राज्यों को क्षेत्रफल अथवा जनसंख्या की विषमता के बावजूद समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया है जो कि संघवाद के सिद्धान्त के सर्वथा अनुकूल है। इससे सीनेट के सदस्य राष्ट्रीय स्तर पर संबंधित राज्य के हितों के ज़िम्मेदार एवं मुखर प्रवक्ता के रूप में अपनी भूमिका का प्रभावी निर्वहन करते हैं। इसके विपरीत भारत में राज्यसभा यथार्थ में राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों की प्रतिनिधि सभा के तौर पर कार्य नहीं करती। सत्य तो यह है कि संसद के दोनों ही सदनों की संरचना व कार्यप्रणाली में अब कोई मौलिक और तात्विक अंतर शेष नहीं रह गया है।

–राजेश्वरसिंह,
आइएएस (सेवानिवृत्त)

बीकानेर में होने लगा सर्दी का अहसास, न्यूनतम तापमान 21 डिग्री तक पहुंचा

सुबह-सवेरे ठंडी हवाओं से सर्दी का एहसास होने लगा है

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में मौसम बदल गया है। दीपावली पर बीकानेर का न्यूनतम तापमान गिरने का सिलसिला एक बार फिर शुरू हो गया है। दो दिन पहले तक पारा 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, उसमें तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। वहीं न्यूनतम तापमान में भी दो डिग्री सेल्सियस से ज्यादा गिरावट का एहसास हो रहा है। सुबह-सवेरे ठंडी हवाओं से सर्दी का एहसास होने लगा है।

बीकानेर में पिछले दिनों सर्दी ने आहट दी थी। इसके बाद फिर पारा चढ़ना शुरू हो गया। बुधवार को बीकानेर में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इसके बाद गुरुवार को ये गिरकर 35 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। वहीं न्यूनतम तापमान 23 से कम होकर 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आएगी।

■ दिसम्बर और जनवरी में बीकानेर का पारा शून्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, इस बार भी तेज सर्दी पड़ने की आशंका है

10 नवम्बर तक बीकानेर में न्यूनतम तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी हो सकती है। ऐसे में लोगों को सुबह जल्दी गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ सकता है। हालांकि दोपहर में सूर्यदेव अपना असर दिखाते रहेंगे।

बीकानेर कार्तिक पूर्णिमा पर कोलायत में कपिल मुनि सरोवर पर होने वाले मेले के बाद सर्दी शुरू होती है। इस बार भी कमोबेश ऐसा ही होने जा रहा है। वैसे सर्दी का सर्वाधिक असर नवंबर के अंतिम दिनों में शुरू होगा। दिसम्बर और जनवरी में बीकानेर का पारा शून्य से दो-तीन डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इस बार भी काफी सर्दी पड़ने की आशंका है।

उल्लास-रोशनी का पर्व दीपावली हर्षोल्लास से मनाया

नागौर में दीपावली पर बाजारों में रोशनी की गई।

नागौर, (निसं)। शहरभर में रोशनी का पर्व व उमंग उल्लास के साथ मनाया गया। शहरवासियों ने शुभ मुहूर्त में अपने घरों और प्रतिष्ठानों में लक्ष्मी पूजन कर सुख समृद्धि की मंगल कामना की। साथ ही पटाखे और रंग बिरंगी आतिशबाजी से आसमान सरोबार हो उठा। मंदिरों से लेकर घर पूरी तरह रंग बिरंगी आकर्षक रोशनी से जगमगा उठे। महिलाओं बच्चों और युवाओं ने जमकर आतिशबाजी का आनंद लिया।

दीपावली के दिन सुबह से शहर के मुख्य बाजारों में खरीदारी करने के लिए अच्छी खासी भीड़ रही। शहर वासियों ने घरेलू साज सज्जा,मांडने, दीपक, लक्ष्मी पूजन सामठी, फल फूल, सुंदर वस्त्र, मिठाई , खरीदते नजर आए। साथ ही शहर वासियों ने कपड़े और वाहन भी खरीदे। बाजारों में पटाखे की अस्थाई दुकानों पर भी शहर वासी पटाखे खरीदते नजर आए। दीपावली को शाम को शहरवासियों ने सुंदर वस्त्र पहनकर शुभ मुहूर्त में घरों में दीप प्रज्वलित किये। इसके बाद इसके बाद शुभ मुहूर्त में भगवान गणेशजी, लक्ष्मी जी सरस्वती देवी, भगवान कुबेर से सुख समृद्धि की कामना के साथ पूजन किया। लक्ष्मी पूजन के पश्चात शहरवासी अपने परिवारों के साथ बाजार की रोशनी देखने गए।

शहर के गांधी चौक, तिगरी बाजार, सदर बाजार, सर्राफा बाजार, किले की ढाल सहित अनेक जगह आकर्षक सजावट और रोशनी की गई। बंजारों की रोशनी आकर्षण का केंद्र रही। शहर के मुख्य बाजार रोशनी से गुलजार नजर आ रहे थे। शहर में दीपावली के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुचारु करने के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा वहीं शहरवासियों ने शुक्रवार को सुबह गोवर्धन पूजा कर सुख समृद्धि की कामना की इसके पश्चात महिला, पुरुष, और बच्चों ने सुंदर परिधान पहनकर अपने रिश्तेदारों के घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी।

मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

घरों में गोबर से गोवर्धन बनाने के साथ महिलाओं ने पूजा की।

भीलवाड़ा, (निसं)। दिवाली के बाद कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट प्रसादी का आयोजन हुआ। शनिवार की सुबह घर घर में गोबर से भगवान गोवर्धन बनाने के साथ ही महिलाएं गाय की पूजा में जुट गई। कई मंदिरों में अन्नकूट महोत्सव भी आज मनाया जाता है।

ऐसी मान्यता है कि इंद्र के कोप से हो रही वर्षा से गोकुलवासियों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी दिव्य शक्ति से विशाल गोवर्धन पर्वत को छोटी अंगुली पर उठाया था। भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय गोवर्धन पर्वत की तभी से पूजा की जाती है। इंद्र को जब पता चला कि कृष्ण ही विष्णु अवतार हैं, तब उन्होंने उनसे माफी मांगी, इसके बाद श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजा के लिए कहा और इसे अन्नकुट पर्व के रूप में मनाया जाने लगा। वेदों के अनुसार, इस दिन वरुण, इंद्र, अग्नि की पूजा की जाती है। साथ में गायों का श्रृंगार करके उनकी आरती की जाती है और उन्हें फल मिठाइयाँ खिलाई जाती हैं। गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बनाई जाती है। इसके बाद उसकी पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य से उपासना की जाती है। इस दिन एक ही रसोई से घर के हर सदस्य का भोजन बनता है। भोजन में विविध प्रकार के पकवान बनाए जाते हैं। सुबह के वक्त शरीर पर तेल मलकर स्नान करने और घर के मुख्य द्वार पर गाय के गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाने, गोबर का गोवर्धन पर्वत बनाकर ग्वाल बाल, पेड़ पौधों की आकृति बनाने का विधान है। मध्य में भगवान कृष्ण की मूर्ति भी कई जगह रखी जाती है इसके बाद भगवान कृष्ण, ग्वाल-बाल,और गोवर्धन पर्वत का पूजन कर उन्हें पकवान और पंचामृत का भोग लगाया जाता है।

राशिफल रविवार 3 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र सोमवार प्रात: 8:04 तक, सौभाग्य योग दिन 11:39 तक, बालव करण प्रात: 9:14 तक, चन्द्रमा वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, भैरव दूज, यम द्वितीया, विश्वकर्मा दिवस, चित्रगुप्त पूजा, कलम दवात पूजा (बिहार) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:04 से 9:26 तक, लाभ-अमृत 9:26 से 12:10 तक, शुभ 1:32 से 2:55 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:39

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

वृष
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

कुंभ
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 92 प्रभात जयपुर, रविवार 3 नवम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Siachen, Meghdoot, Trishul and Lord Shiva

Balbir felt that we were reincarnations of *Lord Shiva's Trishul*, who have emerged in Leh Airfield, to vanquish the enemy.

Heart Attack Test in minutes

Yummy Tales Of Tummy

There's nothing quite like biting into a light, moist cake with a tender crumb.

बड़े आकार के, फल पर निर्भर रहने वाले, टूकन, डस्की लैगड ग्वान, जेकस और कर्ल क्रैस्टेड जे तथा अन्य पक्षी जमीन पर बीज बिखेर कर जंगलों को नया जीवन देने में सहयोग करते हैं। ऐसा करके वो जंगल की कार्बन स्टोरेज की क्षमता 38 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं, बशर्ते वनों की कटाई ना हो। जर्नल नेचर क्लाईमेट चेन्ज में प्रकाशित यह अध्ययन स्विस फैडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी ज्यूरिख की क्रोथर लैब के वैज्ञानिकों ने किया है। शोध की सहलेखक डैनियल लील रामोस, जो साओ पाओलो युनिवर्सिटी की इकॉलजिस्ट हैं, ने कहा "वनों की कटाई में कमी और वनों का पुनः विकास, वातावरण से कार्बन को कम करने और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने में अहम् भूमिका निभा सकते हैं। डैनियल कहती हैं कि एमेज़ॉन और एटलांटिक के जंगलों में पौधों की अधिकांश प्रजातियाँ अपने बीजों को दूर तक बिखेरने (प्रकीर्णन) के लिए जीव जंतुओं पर निर्भर रहती हैं। बीजों को दूर तक ले जाकर जमीन पर बिखेरने में पक्षी भी अहम् भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, हमारे शोध का उद्देश्य नैचुरल रीजनरेशन और कार्बन सोखने की क्षमता बढ़ाने में फल खाने वाले पक्षियों के योगदान की गणना करना था। शोधकर्ताओं ने हालिया वर्षों में एटलांटिक फॉरेस्ट में एकत्रित डेटा का विश्लेषण किया। शोध के अनुसार फल खाने वाले सभी पक्षी वनों को पुनः विकसित करने में अहम् भूमिका निभाते हैं। लेकिन बड़े पक्षियों में, जो बड़े फल खा सकते हैं, अंतर यह है कि इनके द्वारा बिखेरे गए बीजों से बड़े पेड़ बनते हैं। रामोस ने कहा, बड़े वृक्षों में कार्बन सोखने की क्षमता ज्यादा होती है। ये वृक्ष देर से बढ़ते हैं पर घने होते हैं। तथापि, शोध कहते हैं कि बंजर वनों में पक्षियों का मूवमैंट कम होता है, जिससे बीजों के फैलने व कार्बन अवशोषण की क्षमता कम हो जाती है। इस तरह के क्षेत्र में जंगल विखंडित होते हैं और फॉरेस्ट पैच एक दूसरे से बहुत दूर होते हैं। ऐसे में पक्षियों को एक से दूसरे पैच जाने के लिए लम्बी उड़ान भरनी पड़ती है, जिससे पक्षियों को परभक्षियों व मौसम के दुष्प्रभाव से सामना करना पड़ता है। मुख्य शोध लेखक कैरोलाइना ने कहा, पक्षी बीजों को अच्छी तरह से बिखेरे इसके लिए जरुरी है कि कम से कम 40 प्रतिशत फॉरेस्ट कवर कायम रखा जाए तथा जंगल के दो खंडों की दूरी 133 मीटर से अधिक ना हो।

पांच नवम्बर को चुनाव होना है, हैरिस मात्र एक प्रतिशत वोट से आगे हैं

अमेरिका के बारे में प्रचलित है, दस प्रतिशत वोटर अंतिम दो दिनों में अपना मानस बदल लेते हैं

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। ताजा फोर्ब्स पोल बता रहा है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद की डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को रिपब्लिकन प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रॅम्प पर मामूली सी एक पॉइन्ट की बढ़त मिल रही है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि अमेरिका के चुनावों का नतीजा अनिश्चित है तथा अंतिम परिणामों का निर्णय आखिरी क्षणों में ही होगा।

फोर्ब्स पोल के अनुसार 5 नवम्बर को होने वाले चुनाव से मात्र चन्द रोज़ पहले सांख्यिकीय रूप से मुकाबला बराबर का है तथा ऐसी संभावना है कि दस में से एक मतदाता आखिरी क्षण में अपना मानस बदल सकता है।

पिछले सप्ताह के फोर्ब्स सर्वे के अनुसार, ट्रम्प 49 प्रतिशत तथा हैरिस 48 प्रतिशत पर थीं। इसके अलावा, पोल बताता है कि हैरिस युद्धक्षेत्र बने 7 महत्वपूर्ण राज्यों में 48 प्रतिशत की तुलना में, 49 प्रतिशत से आगे हैं। ये सात राज्य चुनाव परिणाम तय कर सकते हैं। करीब 10 प्रतिशत संभावित मतदाता तथा 16 प्रतिशत रजिस्टर्ड वोटर अभी तक अनिश्चय की स्थिति में हैं, जिसका अर्थ यह निकलता है कि ये वोटर किसी भी पक्ष में शिफ्ट हो सकते हैं।

फोर्ब्स पोल उसी दिन जारी हुआ था, जिस दिन ट्रम्प ने, हैरिस के साथ इन्टरव्यू के संबंध में, सी.बी.एस. न्यूज के खिलाफ 10 अरब डॉलर का केस दायर किया था। अक्टूबर के आरम्भ में यह इंटरव्यू "60 मिनट" टेलीकास्ट हुआ था।

ट्रम्प ने इस इन्टरव्यू को भ्रामक बताया है। मुकदमे में कहा गया है कि सी.बी.एस. द्वारा टेलीकास्ट किये गये इन्टरव्यू में इजराइल-हमास संघर्ष के बारे में हैरिस दो भिन्न बयान हैं।

ट्रम्प ने अपने प्रचार के दौरान इस मुद्दे को लेकर सी.बी.एस. की आलोचना की है तथा धमकी दी है कि अगर उनकी जीत होती है तो उसका नैटवर्क लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा। सी.बी.एस. ने कहा है कि ट्रम्प ने अपना 60 मिनट का निर्धारित इन्टरव्यू निरस्त कर दिया था। सी.बी.एस. न्यूज के प्रवक्ता ने ट्रम्प के दावों को गलत बताया है तथा दृढ़तापूर्वक कहा है कि मुकदमा मैरिट-विहीन है तथा सी.बी.एस. इसके खिलाफ जोरदार बचाव प्रस्तुत करेगा।

इस बीच, हैरिस की आर्थिक योजना ने बड़ी संख्या में विशेषज्ञों, जिसमें अर्थशास्त्री, अग्रणी व्यवसायी तथा नीति-विश्लेषक शामिल हैं, का ध्यान अपनी ओर खींचा है। कई अर्थशास्त्रियों ने हैरिस की उन व्यापक आर्थिक रणनीतियों के महत्व पर जोर दिया है, जो असमानता, श्रम शक्ति विकास तथा टिकाऊ ग्रोथ को मद्देनजर रखती है।

विभिन्न उद्योगों के एग्ज़ीक्यूटिव यह मानते हैं कि हैरिस का इस आर्थिक योजना का फोकस नवाचार तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर है। प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा स्वच्छ ऊर्जा में निवेश किया जाना बहुत महत्वपूर्ण हैं।

नीति-विश्लेषक प्राय: इस प्रकार की आर्थिक योजनाओं बड़े निहितार्थों पर फोकस करते हैं। "विशाल आर्थिक रणनीति वैश्विक स्थिरता का प्राण-तत्व होती हैं तथा उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए नज़ीर प्रस्तुत करते हैं।"

बड़ी और भारी-भरकम अमेरिकन आर्थिक योजना अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिकन अर्थव्यवस्था वैश्विक बाजारों को बहुत ज्यादा प्रभावित करती है। मजबूत अमेरिकन अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर, जिसमें भारत जैसे देश शामिल हैं, वस्तुओं और सेवाओं की मांग में वृद्धि करती है। अमेरिका की बढ़ी हुई आर्थिक ग्रोथ भारतीय व्यवसायों के लिए उन्नत व्यापारिक संबंधों की ओर ले जाती है तथा उनके लिए बेहतर अवसर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसलिए परिणामों के बारे में कुछ दावे से कहना सम्भव नहीं लग रहा है और चुनाव नतीजों में भारी उलटफेर हो सकता है। नवीनतम फोर्ब्स पोल के अनुसार हैरिस को 49 प्रतिशत और ट्रम्प को 48 प्रतिशत वोटर्स का समर्थन प्राप्त है।
- इसी बीच हैरिस की आर्थिक योजना ने बड़ी संख्या में आर्थिक विशेषज्ञों, उद्योगपतियों आदि का ध्यान खींचा है।
- विशेषज्ञों का मत है, हैरिस के प्लान में नवाचार और बुनियादी ढांचे पर फोकस किया गया है और प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के लिए इन क्षेत्रों में निवेश महत्वपूर्ण है।
- विशेषज्ञों का मत है कि हैरिस का आर्थिक प्लान ठोस है और अमेरिकन अर्थव्यवस्था के लिए बेहद फायदेमंद है। इससे दुनियाभर में अमेरिकन सामान व सेवाओं की मांग बढ़ेगी।

कर्नाटक में कन्नड़ भाषा का मजाक उड़ाने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक के राज्योत्सव में यह चेतावनी देते हुए बाहर से आने वालों को कन्नड़ सीखने क सलाह दी

- लक्ष्मण वैंकट कुची -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। शुक्रवार को पूरे कर्नाटक में "कन्नड गौरव" छाया रहा क्योंकि इस दिन कर्नाटक स्थापना दिवस के रूप में "राज्योत्सव डे" मनाया गया। मुख्यमंत्री ने भाषा विवाद को और हवा देते हुए चेतावनी दी कि कर्नाटक में जो भी कन्नड भाषा का मज़ाक उड़ाते पाया गया उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब बैंगलूर शहर ओर सोशल मीडिया पर ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जिनमें कन्नड़ भाषा व इसे बोलने वालों पर घृणास्पद टिप्पणियों की बाढ़ आई हुई है। उनमें से मुझ पर बंगलूरु पुलिस ने संज्ञान लिया है और कथित आरोपी को ट्रॅप कर उसका माफीनामा भी रिकॉड किया। असल में कन्नड़ लोग इस बात से नाराज है कि यहां रहने वाले बाहरी लोग बेसिक कन्नड़ भी नहीं सीखना चाहते हैं।

यही नहीं बाहरी लोग स्थानीय लोगों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं क्योंकि वे हिंदी नहीं बोलते हैं जो कि राष्ट्रीय भाषा है।

इस बारे में लगता है जानकारी का अभाव है। भारतीय संविधान व अंग्रेजी के साथ हिंदी को सरकारी भाषा का दर्जा दिया है और राज्य हिंदी व अंग्रेजी में से एक भाषा चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके अलावा यह प्रावधान है कि स्थानीय भाषा राज्य की भाषा मानी जाएगी। लेकिन हाल ही में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं। जिनमें बाहरी लोग न केवल कन्नड़ सीखने से मना कर रहे हैं बल्कि हिंसक हो रहे हैं। उनका कहना है कि स्थानीय लोगों को हिन्दी बोलनी चाहिए।

उनकी धारणा है कि हिंदी सभी जगह बोली जाती है अब कर्नाटक में, कांग्रेस ने बड़ी चतुराई के साथ भाषा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- यही नहीं, मुख्यमंत्री ने यह संकेत भी दिया कि अगर किसी ने कर्नाटक में कन्नड़ भाषा का मजाक उड़ाया तो उस पर 'राजद्रोह' का आरोप भी लगाया जा सकता है।
- कर्नाटक स्थापना दिवस पर आयोजित 'राज्योत्सव' में मुख्यमंत्री पूरी तरह से कन्नड़ समर्थक के रुप में नज़र आए और कहा कि कर्नाटक में बनी हरेक वस्तु पर कन्नड़ भाषा में लेबल लगाया जाना चाहिए।
- हाल ही में बैंगलूर में और सोशल मीडिया पर कन्नड़ भाषा व कन्नड़ बोलने वालों को अपमानित करने की घटनाओं में वृद्धि हुई है तथा पुलिस आरोपियों को ट्रैक कर कार्यवाही कर रही है।

लश्कर का टॉप कमांडर मारा गया

श्रीनगर, 02 नवंबर। जम्मू कश्मीर में अलग-अलग मुठभेड़ों में तीन आतंकवादी मारे गये और चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

आधिकारिक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि अनंतनाग जिले में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। मारा गया विदेशी आतंकवादी उस्मान भाई पाकिस्तानी लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर है। जबकि श्रीनगर में एक संदिग्ध विदेशी आतंकवादी मारा गया। आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल ने पुराने श्रीनगर के खानयार इलाके में शुक्रवार की रात संयुक्त घेराबंदी और तलाश अभियान आज शुरू किया। इसी दौरान वहां मौजूद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- श्रीनगर के खनयार क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में लश्कर ए-तैयबा का कमांडर उस्मान भाई पाकिस्तानी मारा गया है।

अडानी का नया प्रेम भूटान

अडानी ग्रुप भूटान में निवेश की नई संभावनाएं तलाश रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। गौतम अडानी भूटान के गेल्फू माइन्डफुलनैस सिटी में निवेश के नए अवसर तलाश रहे हैं। यह एक नया प्रोजैक्ट है, जिसका लक्ष्य भूटान के दक्षिणी क्षेत्र को एक इकोनॉमिक हब बनाता है। गेल्फू गवर्नर लोटास शेरिंग ने ब्लूमबर्ग को बताया कि भूटान अडानी ग्रुप के साथ भारतीय सीमा के करीब स्थित 1000 वर्ग किलोमीटर की महत्वाकांश टाउनशिप में सोलर प्लॉट और हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्लांट्स बनाने की योजना है।

भूटान की निवेश सम्बन्धी योजनाओं से स्पष्ट है भारत का भूटान के साथ पुराना रिश्ता है और भारत भूटान की ग्रोथ को क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का जवाब मानता है। अडानी ग्रुप इज़राइल, कीनिया, श्रीलंका, बांग्लादेश व वियनमाम के ग्रीन एनर्जी प्रोजैक्ट चला रहा है।

गवर्नर शेरिंग, जो 2023 तक भूटान के प्रधानमंत्री थे, ने बताया कि गेल्फू क्षेत्र में अक्षय ऊर्जा के लिए सैंकड़ों जगह चिन्हित की गई हैं। इस प्रोजैक्ट में सड़कें, पुल व अन्य सुविधाओं का निर्माण भी शामिल है, ताकि एशिया के अन्य निवेशकों को आकर्षित किया जा सके।

एनर्जी प्रोजैक्ट्स के अलावा इन्टरनैशनल एयर पोर्ट एवं ड्राय पोर्ट के निर्माण के लिए भी अडानी ग्रुप से चर्चा चल रही है। चर्चा है कि अडानी को इसमें दिलचस्पी है। एयरपोर्ट प्रोजैक्ट अभी योजना के स्तर पर है इससे गेल्फू की एयर स्ट्रिप अपग्रेड हो सकेगी। अभी यह सिर्फ एक मात्र टर्बोप्रॉप एयरक्राफ्ट के लिए ही अनुकूल है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत की सीमा पर स्थित भूटान के गेल्फू सिटी के गवर्नर लोटाय शेरिंग ने ब्लूमबर्ग को बताया कि गेल्फू को इकोनॉमिक हब बनाने के लिए अडानी ग्रुप के साथ वार्ता चल चरही है।
- अडानी गेल्फू में सोलर एवं हायड्रोइलैक्ट्रिक प्लांट्स लगाने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- भूटान में अनिल अम्बानी की भी दिलचस्पी बताई जाती है वे भी सोलर प्लांट्स एवं हाइड्रोइलैक्ट्रिक प्लांट्स के क्षेत्र में निवेश करना चाहते हैं।

अपनी "ऑबिचुअरी" लिखने के बाद स्वर्गवासी हुए देबराय

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक काउन्सिल के चेयरमैन, बिबेक देबरॉय का 69 वर्ष की उम्र में 1 नवम्बर को निधन हो गया। उन्होंने ऑल इण्डिया इन्स्टिट्यूट ऑफ मैडिकल साइन्सेज़ में अंतिम सांस ली, वे एक महीने से बीमार थे। एक प्रोफाउण्ड स्तम्भकार के रूप में मृत्यु से चार दिन पहले, 28 अक्टूबर को उन्होंने स्वयं अपनी ऑबिचुल्टी (मृत्युलेख) लिखकर इण्डियन एक्सप्रेम को भेज दी थी, जिसे इस अखबार ने उनकी मृत्यु के दिन प्रकाशित किया।

उनका अंतिम संस्कार 3 नवम्बर को 3 बजे दोपहर को लोधी रोड श्मशान में होगा, अमेरिका से उनके पुत्रों के आने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अपनी मृत्यु से 4 दिन पहले देबरॉय ने अपनी 'ऑबिचुअरी' इण्डियन एक्सप्रेस को भेजी थी।

जैव विविधता नष्ट करने में भारत विश्व में पांचवे नम्बर पर

नेचर कंज़र्वेशन इंडैक्स (2024) के अनुसार 180 देशों की लिस्ट में भारत 176 वें नम्बर पर है

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 2 नवंबर। नेचर कज़र्वेशन इन्डैक्स (एन.सी.आई.) 2024 के नवीनतम निष्कर्षों में भारत को जैवविविधता के नुकसान और संरक्षण प्रयासों की कमी के मामले में सबसे खराब पांच देशों की सूची में रखा है।

जिन 180 देशों का अध्ययन किया गया उनमें भारत का स्कोर 45.5 और रैंक 176 है। केवल किरिबाती, तुर्की, ईराक और माइक्रोनेशिया देशों का स्कोर भारत से खराब है।

अक्टूबर में लाँच किया गया प्रथम एन.सी.आई., भूमि प्रबंधन जैव विविधता के लिए खतरे, क्षमता और शासन और भविष्य के रुझानों, इन चार मार्करों का उपयोग करके संरक्षण प्रयासों का मूल्यांकन करती है।

जबकि, विश्व रिपोर्ट चिंताजनक है, लेकिन मोदी सरकार की प्रतिक्रिया हमेशा जैसी ही होगी। वो इसको पूर्ण रूप में खारिज करके ऐसे वक्तव्य देंगे कि रिपोर्ट का भारत के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया है।

इज़रायल की, बैन-गुरियन युनिवर्सिटी ऑफ नेगेव में गोल्डमैन सोननफैल्ड स्कूल ऑफ सस्टेनिबिलिटी एण्ड क्लाइमेंट चेंज और गैर लाभकारी वैबसाइट बायो डी.बी. द्वारा विकसित सूचकांक के अनुसार जैव विविधता (बायो डायवर्सिटी) के संरक्षण और सुरक्षा के मामले में शीर्ष पांच देश हैं, लग्ज़मबर्ग, एस्टोनिया, डैनमार्क, फिनलैंड और युनाइटेड किंगडम।

एन.सी.आई. 2024 के साइटेशन में कहा गया है कि, "भारत दुनिया के मैगा-विविध देशों में से एक है, जिसमें दुनिया की लगभग 7-8 प्रतिशत डॉक्युमैंटेड प्रजातियां, कुल भूमि क्षेत्र के केवल 2.4 प्रतिशत हिस्से में फैली हुई हैं।"

एन.सी.आई. 2024 का बायोडीबी वेबसाइट पर कहना है, "अभी हाल ही में विश्व का सर्वाधिक घनी आबादी वाला देश बनने जा रहे, भारत में वन्यजीवों तथा उनके ऑश्रय स्थलों का विविधतापूर्ण फैलाव है।

बर्फीले हिमालय से लेकर उष्ण कटिबन्धीय पश्चिमी घाट तथा शुष्क थार मरुस्थल तक, भारत में वन्यजीवों के रहने के ठिकानों के बहुत ज्यादा विविधता वाले क्षेत्र हैं, जो विविध प्रकार के जीवों को आश्रय देते हैं।"

"एशियन हाथी, भारतीय गैंडा तथा बगाली चीते जैसे प्रसिद्ध जानवरों के साथ ही, भारत विभिन्न प्रकार के पक्षियों, रंगने वाले जीवों तथा समुद्री जीव-जन्तुओं का घर है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जाने-पहचाने 36 बायोडायवर्सिटी हॉट स्पॉट्स में से 4 क्षेत्र भारत की सीमा के अंदर हैं-हिमालय, इंडो-बर्मास पश्चिमी घाट तथा सुंडालैंड हैं (जिनमें से 61,375 फीट हैं) तथा 10 बायोज्योग्राफिक क्षेत्रों में 45,500 पौधों की प्रजातियां हैं।"

एन.सी.आई. वेबसाइट के अनुसार, रिपोर्ट में 180 देशों की बायोडायवर्सिटी के विश्लेषण के लिए 25 इन्डिकेटर्स का विश्लेषण किया गया है। इस जैव-विविधता तथा संरक्षण (बायोडायवर्सिटी एंड कन्जर्वेशन) अध्ययन के चार प्राथमिक आधार बिन्दु हैं - लैंड मैनेजमेंट, थ्रैट्स टु डायवर्सिटी, कैपेसिटी एंड गवर्नेंस, तथा फ्यूचर ट्रैन्ड्स।

एन.सी.आई. के अनुसार, सबसे निकृष्ट रैंकिंग का अर्थ है कि भारत में इन जीवों के रहने के ठिकाने कम हो रहे हैं, इनकी संख्या कम हो रही है, तथा वाइल्ड लाइफ एवं प्लांट पॉपुलेशन अभूतपूर्व गति से कम होती जा रही है। तथा संरक्षण-कानून संतोषजनक नहीं हैं।

भारत के पड़ोसी देशों, बांग्लादेश (173), पाकिस्तान (151), श्रीलंका (90), नेपाल (60), भूटान (15) तथा चीन (164) सभी की रैंकिंग भारत से बेहतर है।

तुलनात्मक अर्थव्यवस्थाओं-मैक्सिको (42), थायलैंड (80), इंडोनेशिया (122) तथा संयुक्त अरब अमीरात (111) की रैंकिंग भी भारत से बेहतर है।

यहां कुछ उदाहरण दिये जा रहे हैं। भारत में,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- किरीबाती, तुर्की, इराक और माइक्रोनेशिया देशों का प्रदर्शन भारत से खराब है।
- इन्डैक्स तैयार करने में लैण्ड मैनेजमैंट, जैव विविधता को खतरा, क्षमता व शासन तथा भावी रूझान जैसे मार्कर्स को ध्यान में रखा गया है।
- इस लिस्ट में लग्ज़मबर्ग, ऐस्टोनिया, डैनमार्क, फिनलैण्ड और यूनाइटेड किंगडम "टॉप फाइव" देश हैं।

'फर्जी क्लेम वालों पर कार्यवाही कर सकती हैं बीमा कम्पनियाँ'

जयपुर, 2 नवंबर। जिले की स्थाई लोक अदालत ने फर्जी व झूठे क्लेम के मामलों को गंभीरता से लेते हुए बीमा कंपनियों को कहा है कि वे ऐसा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोर्ट ने विपक्षी बीमा कंपनी चोलामंडलम एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ 9.16 लाख रुपए की क्लेम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- स्थाई लोक अदालत ने चोला मंडल इंश्योरेंस के खिलाफ क्लेम याचिका को फर्जी मानते हुए खारिज कर दिया तथा बीमा कंपनी को अपराधिक मामला दर्ज करने की अनुमति दी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाला शातिर बदमाश पकड़ा

खुद को आर.एस.एस. का राष्ट्रीय विचारक बताता था आरोपी कुशल चौधरी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करणी विहार पुलिस ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वाले शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तार आरोपी कुशल चौधरी खुद को आर.एस.एस. का राष्ट्रीय विचारक बताता था। पुलिस ने उसके पास से फर्जी व कूटरचित दस्तावेज भी जब्त किए हैं। आरोपी ने स्वयं को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.) का अध्यक्ष मनोनीत करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आर.एस.एस.) के लेटर पैड पर कूटरचित पत्र तैयार कर मुख्यमंत्री राजस्थान को पत्र भी जारी किया था, जिसकी प्रतिलिपि प्रधानमंत्री को भी भिजवाई।

गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह असम निःशक्तजन आयोग गुवाहाटी में आयुक्त मनोनीत करने के लिए मुख्यमंत्री असम को आर.एस.एस. के फर्जी व कूटरचित पत्र जारी कर चुका हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के किसी भी पद पर नहीं है, ना ही किसी शाखा से जुड़ा हुआ हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि करणी विहार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खुद को राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) का राष्ट्रीय विचारक बताने वाले और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने आरोपी कुशल चौधरी (31) निवासी चौधरी कॉलोनी (सैनिक कॉलोनी) बीकानेर रोड, नागौर हाल सत्यं अपार्टमेंट, जीवन विहार कॉलोनी करणी विहार जयपुर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप व एक एंड्रॉयड मोबाइल मिला, जिसे जब्त कर लिया गया हैं।

थानाधिकारी गजेन्द्र सिंह ने बताया कि 31 अक्टूबर को आर.एस.एस. से जुड़े विजय सिंह ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि सोशल मीडिया व अन्य स्त्रोतों से जानकारी प्राप्त हुई कि कुशल चौधरी, जो स्वयं को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का विचारक बताते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लेटर पैड पर कूटरचित फर्जी दस्तावेज तैयार कर स्वयं को असम निःशक्तजन आयोग गुवाहाटी में आयुक्त मनोनीत करने के लिए मुख्यमंत्री असम सरकार को आरएसएस के फर्जी व कूटरचित पत्र जारी किया है।

इसके अलावा आरोपित स्वयं को राजस्थान लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष मनोनित करने के लिए फर्जी पत्र तैयार कर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को जारी कर प्रतिलिपि प्रधानमंत्री को भिजवाई है। कुशल चौधरी, आर.एस.एस. के किसी भी पद पर पदस्थापित नहीं है और ना ही संघ की किसी शाखा से जुड़ा हुआ है। वह फर्जी दस्तावेज तैयार कर स्वयं को लाभ पहुंचाने की नीयत से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की छवि धूमिल कर रहा है। इस सूचना मिलने पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कर आरोपित कुशल चौधरी को चिन्हित करते हुए पकड़ा। पुलिस पूछताछ में कई चौकाने वाले खुलासे होने की संभावना है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के फर्जी दस्तावेज बनाने वाले बदमाश कुशल चौधरी को करणी विहार थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया।

- उसने खुद को आर.पी.एस.सी. का अध्यक्ष मनोनीत करवाने के लिए आर.एस.एस. के फर्जी लेटरपैड पर मुख्यमंत्री राजस्थान को सिफारिश तक भेजी थी
- इसके अलावा खुद को असम निःशक्तजन आयोग गुवाहाटी में आयुक्त मनोनीत करने के लिए मुख्यमंत्री असम को भी फर्जी व कूटरचित पत्र जारी कर चुका हैं।

34 घूमंतु बस्तियों में धूमधाम से मनाई दिवाली

जयपुर। घूमंतु जाति उत्थान न्यास की ओर से राजधानी की विभिन्न 34 घूमंतु बस्तियों में दीपावली धूमधाम से मनाई गई। इसके अंतर्गत बस्तीवासियों ने सामूहिक रूप से मां लक्ष्मी, गणेशजी और सरस्वती का पूजन किया। दीप जलाकर सामूहिक आरती की। इस मौके पर बस्तीवासियों को दीपावली पूजन सामग्री, खाद्य सामग्री, मिठाई, बच्चों को पटाखे-चॉकलेट का वितरण किया गया। घूमंतु जाति उत्थान न्यास के जयपुर महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि विद्याधर भाग में आनंद चौराहा, लोहामंडी लुहार बस्ती, लोहामंडी बंजारा बस्ती, बत्तीस दुकान, आकेड़ा डूंगर की सपेरा बस्ती, विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल, सेंट्रल स्पाइन की बस्तियों में आयोजित कार्यक्रमों में बस्तीवासियों के साथ समाज के अन्य लोग भी शामिल हुए। कई बस्तियों में पहली बार इतने उत्साह के साथ दीपावली मनाई गई। बस्तीवासियों ने उत्साह के साथ दीये जलाए। बच्चों ने रंगीन आतिशबाजी की।

ज्योतिनगर की वाल्मीकि बस्ती में दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। बस्तीवासियों को दीपावली पूजन सामग्री के साथ खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। यहीं पर गाडिया लुहार बस्ती के 21 परिवारों को भी सामग्री वितरित की गई। किशन लाल बंसीवाल ने दीपावली के महत्व एवं सामाजिक समरसता विषय पर प्रबोधन दिया। वीकेआई बत्तीस दुकान, रोड नंबर 12 की लोहार बस्ती में दीपावली किट वितरण किया गया। मालवीयनगर में अपेक्स सर्किल के पास दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। त्रिवेणीनगर पुलिया के पास स्थित लुहार बस्ती में दीपावली किट वितरण के बाद गोपाल नगर के सह नगर कार्यवाह गोपाल ने बौद्धिक दिया।

20 से अधिक ई-मित्र संचालकों को पुलिस ने डिटेन किया

- फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकों के दस्तावेज बनाने का मामला

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकों के सरकारी दस्तावेज बनाने के मामले में पुलिस ने बीस से अधिक ई-मित्र संचालक सहित अन्य लोगों को डिटेन किया है। अब पुलिस इन संचालकों और उनके कर्मचारियों से बांग्लादेशियों के दस्तावेज बनाने के तरीके पूछ रही है। जानकारी में सामने आया है कि पुलिस जल्द इन संचालक और ई-मित्र पर काम करने वाले कर्मचारियों को गिरफ्तार कर सकती हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार के अनुसार भांकरोटा थाना इलाके में बांग्लादेशियों के फर्जी तरीके से आधार कार्ड व पहचान पत्र बनाने के मामले में कुछ ई-मित्र संचालकों की भूमिका सामने आई है। इस संबंध में पकडे गए बांग्लादेशी नागरिक सोहाग खान, नोजू फकीर व सहयोग करने वाले स्थानीय फिरोज कुरैशी से पूछताछ में कई लोगों के नाम सामने आए हैं।

साथ ही इस गिरोह ने बड़ी संख्या में अवैध तरीके से सीमा पार से आए बांग्लादेश के नागरिकों के राजस्थान सहित भारत के कई राज्यों के दस्तावेज बनवाए हैं। पुलिस इस संबंध में पूछताछ कर तस्दीक कर रही है।

वहीं पुलिस की रडार पर आए बांग्लादेशियों से पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि कैसे उन लोगों ने राजस्थान के लोगों की आईडी का सहारा लेकर अपने फर्जी दस्तावेज एजेंसी के सहारे बनाए। एक फर्जी परिचय पत्र बनाने के लिए कई सेंटर के लोगों ने पांच सौ से एक हजार रुपए लिए हैं। ई-मित्र संचालकों ने पुलिस की सख्ती के बाद से गायब रहना शुरू कर दिया है। अलग-अलग थाना पुलिस अभी तक 20 से अधिक ई-मित्र संचालक और सेंटर पर काम करने वाले अन्य लोगों को डिटेन कर पूछताछ कर चुकी है। इसी पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं। वहीं इन बदमाशों से पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया है कि इन लोगों ने राजस्थान में रह रहे बांग्लादेशियों का ही नहीं अन्य राज्यों में बैठे बांग्लादेशियों के भी सरकारी दस्तावेज बना रखे हैं। इसे लेकर पश्चिम जिला पुलिस एक बड़ा खुलासा करने की तैयारी कर रही है।

दीपोत्सव मनाया

जयपुर। राजस्थान में ब्रह्माकुमारीज पीस पैलेस जयपुर सेवा केंद्र पर दीपावली त्योहार सतयुगी अंदाज में मनाया गया। सेवा केंद्र संचालिका हेमलता बहन ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने राम महिमा, महाभारत तथा मोटिवेशनल सोंग्स पर अपनी विशेष प्रस्तुति दी। सभी आगंतुकों को ताज, तिलक एवं चुनरी पहनाकर सम्मान किया गया।

गोविंद देवजी को लगाया साढ़े 3 क्विंटल अन्नकूट प्रसादी का भोग

जयपुर। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को छोटीकाशी में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। ठाकुरजी को नवीन अन्न से तैयार पकवानों सहित अन्य व्यंजनों का भोग लगाया गया।

जयपुर के आराध्यदेव ठाकुर श्री गोविंद देवजी के मंदिर में अन्नकूट उत्सव पर शनिवार को मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में दोपहर 12 बजे से 12.30 बजे तक विशेष अन्नकूट झांकी के दर्शन हुए। ठाकुर श्रीजी को मूली, गाजर, आलू, मटर, पालक, मैथी, धनिया, मिर्च, फली सहित दो दर्जन से अधिक सब्जियां, 25 प्रकार के कच्चे भोग के व्यंजन एवं छप्पन भोग अर्पित किए गए।

- मंदिर परिसर में गोवर्धन पर्वत और गाय के बछड़े का पूजन भी किया

विशेष झांकी दौरान मंदिर पश्चिम द्वार पर महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने गोवर्धन पर्वत और गाय के बछडे की पूजा की। ठाकुरजी को अर्पित की गई करीब साढ़े तीन सौ किलो प्रसादी बाद में भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित की गई। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि इससे पूर्व सुबह ठाकुर श्रीजी का मंगला आरती के बाद पंचामृत से वेद मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक किया गया। ठाकुर श्रीजी को प्राचीन सुनहरी पोशाक धारण कराई गई।

इसके साथ ही कनक घाटी स्थित ठाकुर श्री राधा माधव जी, ठाकुर श्री गणेश जी, मंदिर श्री काला महादेव जी, देवी मनसा माता, मंदिर श्री कुंज बिहारी, ठाकुर श्री महादेव जी, राजामल का तालाब स्थित मंदिर श्री हनुमानगढ़ी, अमानिया चौक स्थित मंदिर श्री गिरधारी जी, मंदिर श्री गोपेश्वर महादेवजी, मंदिर श्री गोपाल जी तालाब, मंदिर श्री मुरली मनोहर जी, मंदिर श्री नटवर जी, मंदिर श्री गोपाल जी रोपाड़ा गोने रोड सहित अन्य सभी मातहत मंदिरों में भी शनिवार को अन्नकूट महोत्सव मनाया गया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपावली पर नेताओं ने की विशेष पूजा-अर्चना

जयपुर । भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी प्रदेशवासियों को दिपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं दी। मदन राठौड़ ने पूजा अर्चना करके प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर पाली के कार्यकर्त्ताओं, व्यापारियों और स्थानियों नेताओं ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड को दिपावली की हार्दिक शुभकमानाएं दी साथ ही प्रदेश में होने वाले उपचुनाव में जीत की अग्रीम शुभकामनाएं दी।

- 500 वर्ष के इंतजार के बाद प्रभु श्रीराम अयोध्या में विराजे, सनातनियों में है खुशी : मदन राठौड़

मदन राठौड़ ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्त्ता त्यौहार के अवसर पर भी उपचुनाव की तैयारी में लगे हुए है और इन सभी कार्यकर्त्ताओं के त्याग और अथक परिश्रम से ही राजस्थान में भाजपा की सरकार बनी है और आगामी उपचुनाव में भी सभी 7 सीटों पर भाजपा के प्रत्याशी विजय हासिल करेंगे।

मदन राठौड़ ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार किसानों, गरीबों, युवाओं और महिलाओं के लिए योजनाएं लागू कर प्रदेश को विकास, सुरक्षा और स्थिरता की नयी राह पर ले जा रही है।

दीपावली के शुभ अवसर पर जयपुर में भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रतिवर्ष के भांति पूजा अर्चना का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, हवा महल विधायक बाल मुकुंदाचार्य, जयपुर ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर, धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता, पूर्व राज्यसभा सांसद रामकुमार वर्मा, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सह प्रभारी भवानी शंकर शर्मा, राजस्थान भाजपा के मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत शामिल रहे। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आगामी उपचुनाव में भाजपा की जीत के लिए और प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

भाजपा कार्यालय में पूजा-अर्चना के दौरान प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद मंजू शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, विधायक बाल मुकुंदाचार्य, महापौर सौम्या गुर्जर समेत कई नेता मौजूद रहे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। शर्मा ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आजादी के बाद सरदार पटेल ने अपनी जिस दृढ़शक्ति के बल पर देश को एकता के सूत्र में पिरोया, वह हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की एकता का विजन साझा करने वाले सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने की ऐतिहासिक पहल की और उनके कुशल नेतृत्व में देश में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को मजबूती प्रदान की जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

दीपावली उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व : मुख्यमंत्री

'राइजिंग राजस्थान' को देश-विदेश से मिल रहा समर्थन, प्रदेश के युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे : भजनलाल शर्मा

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सांगानेर पहुंचकर प्रधान वाटिका में दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत की। भाजपा सांगानेर की ओर से आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को पंचदिवसीय दीपोत्सव पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह त्योहार व्यक्ति के मन में उमंग, उल्लास और खुशी लेकर आता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 500 वर्षों के इंतजार के बाद अयोध्या में रामलला का दिव्य और भव्य मन्दिर बना है, इसलिए इस वर्ष की दीपावली खास है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बने 10 महीने हो चुके हैं, इस दौरान जो परिवर्तन आया है वो सभी ने देखा है। पानी की आवश्यकता की पूर्ति के लिए ईआरसीपी, यमुना जल समझौता हुआ। मानसून में अच्छी वर्षा से प्रदेश के बांध भी भरे हैं। किसान खुशहाल है, क्योंकि फसलों का अच्छा दाम मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश की 8 करोड़ जनता के लिए काम करते हैं। इस वर्ष जो बजट पेश किया गया, उसमें सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए बजट दिया गया है। उन्होंने कहा कि बजट खर्च से लेकर विकास कार्यों के लिए जमीन अलॉटमेंट के कार्य किए गए हैं। 5 साल में 4 लाख सरकारी नौकरी एवं इस वर्ष 1 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देंगे। युवा तैयारी करें, क्योंकि 2 वर्ष का भर्ती कलेण्डर भी निकाला गया है। कैबिनेट में 90 हजार भर्तियां निकालने का मार्ग प्रशस्त हुआ है, आने वाले समय में इनकी भी विज्ञिप्तियां आएंगी। 60 हजार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती होने से युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। निजी क्षेत्र में भी 6 लाख से अधिक नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 9 से 11 दिसम्बर तक राइजिंग राजस्थान होने जा रहा है। विदेशों से, प्रवासी राजस्थानियों एवं उद्योगपतियों से हमें समर्थन मिल रहा है। प्रदेश में निवेश आकर्षित किया जा रहा है। निवेश करने वाले हर व्यक्ति की मदद के लिए सरकार तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें कार्य करने की ताकत सांगानेर विधानसभा क्षेत्र से मिलती है। समारोह में जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्णावट, संत प्रकाशदास महाराज, विधानसभा संयोजक प्रकाश तिवाड़ी, मण्डल अध्यक्ष अशोक सहित भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व आमजन मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सांगानेर पहुंचकर प्रधान वाटिका में दीपावली स्नेह मिलन समारोह में शिरकत की। इस दौरान उनके साथ महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर व उपमहापौर पुनीत कर्णावट भी मौजूद थे।

श्री कृष्ण बलराम मंदिर में बनाया 21 फीट ऊंचा गोवर्धन पर्वत

जयपुर। कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा महोत्सव भक्तिभाव से मनाया गया। टोंक रोड सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गोशाला में गोबर से गोवर्धन पर्वत की स्वरूप झांकी सजाई गई। गोवर्धन पर्वत के साथ अन्य झांकियां भी सजाई गई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने गोवर्धन पर्वत की पूजा कर परिक्रमा की। हरे कृष्ण मूवमेंट, जयपुर की ओर से जगतपुरा स्थित श्री कृष्ण बलराम मंदिर में गोवर्धन पूजा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने श्रद्धापूर्वक श्री गिरिराज गोवर्धन भगवान की पूजा-अर्चना कर संकीर्तन किया। दीपदान कर जयकारों के साथ गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की। 21 फीट ऊंचा गोवर्धन पर्वत रहा। इसे पवित्र नदियों और तीर्थों के जल और गाय के गोबर से बनाया गया। श्री कृष्ण बलराम को अनाज की विशेष पोशाक धारण कराई गई। भक्तों ने 108 प्रकार के पकवान तैयार करके भोग लगाया। मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने श्री कृष्ण बलराम की दीपों से विशेष आरती कर दीपदान किया। मंदिर के अध्यक्ष अमितासना दास ने स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन अन्नकूट महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ। वहीं दिल्ली रोड स्थित मंदिर श्री गीता गायत्री में पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। माता गीता- गायत्री की पूजा-अर्चना कर फूल बंगला झांकी सजाई। महिलाओं ने गोबर का गोवर्धन बनाकर पूजन कर परिक्रमा की। गोवर्धन पर्वत को अन्नकूट का भोग लगाया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री भुवनेश्वर प्रसाद गौड पुत्र श्री दामोदर प्रसाद गौड, उम्र 66 वर्ष, निवासी- प्लाट संख्या एस-27, संजय कॉलोनी, आर.पी.ए. रोड, पानीपेंच, जयपुर, राजस्थान का निवासी है। मेरे अभिभाष्य का पुत्र विवेक गौड उम्र 38 वर्ष जिसका आचरण ठीक नहीं है वह अपने माता पिता के कहने में नहीं है तथा उसके द्वारा अपने परिजन के साथ दुर्व्यवहार, रोजमर्रा के झगडो के कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियों से बेदखल कर दिया है एवं समस्त आमजनो/ रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य के पुत्र के साथ किसी भी प्रकार का संव्यवहार व लेनदेन किया जाता है तो इसके लिये मेरे अभिभाष्य का यह पुत्र स्वयं जिम्मेदार होगा तथा इसमें मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे

भवदीय (जयवर्धन शर्मा) एडवोकेट- 9828674042

आम सूचना

मेरे अभिभाष्या शीला गुप्ता पुत्री श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता पत्नी श्री संजीव गुप्ता निवासी मकान नम्बर सी-60, सचिवालय विहार, कल्याणपुरा, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर-302020, राजस्थान के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्या का पति संजीव गुप्ता पुत्र श्री नरेश कुमार गुप्ता से वर्ष 2015 से विवाद हो गया था जिसके कारण मेरे अभिभाष्या वर्ष 2015 से अपने पति से उपरोक्त पते पर निवास कर रही है मेरे अभिभाष्या के नाम से जो भी चल-अचल सम्पत्ति है उसमें मेरे अभिभाष्या के पति का कोई लेना देना नहीं है अगर अभिभाष्या के पति द्वारा किसी प्रकार का कोई लेन देन, बकाया, सरकारी, अर्द्धसरकार से ऋण आदि करता है तो वह मेरे अभिभाष्या का पति संजीव गुप्ता स्वयं जिम्मेदार रहेगा। जिसमें मेरे अभिभाष्या की जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।

दिनांक- 30.10.2024 जयपुर

(चिमनाराम पूनियाँ) एडवोकेट मो. 9829053302

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक-जविप्रा/उपा/जोन-4/2024/डी-2051 दिनांक-29.10.2024

सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री आलोक हल्दिया पुत्र श्री ज्ञानेश हल्दिया द्वारा न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना सिद्धार्थ नगर-एच के भूखण्ड संख्या एच-344 का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टे हेतु ऑनलाईन आवेदन किया गया है।

पूर्व में इस कार्यालय द्वारा न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना सिद्धार्थ नगर-एच, के भूखण्ड संख्या एच-344, क्षेत्रफल 372.39 वर्गगज का पट्टा श्री आलोक हल्दिया पुत्र श्री ज्ञानेश हल्दिया के पक्ष में क्रमांक 1743 दिनांक 14.12.2012 को जारी किया गया, जिसे उप पंजीयक जयपुर-प्रथम के यहां दिनांक 22.02.2013 को पंजीबद्ध करवाया गया। आवेदक द्वारा उप पंजीयक जयपुर-प्रथम के यहां से प्रमाणित प्रति प्राप्त कर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा गुमशुदगी रिपोर्ट की प्रति भी प्रस्तुत की गयी है।

उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टा जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देंवे। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-4, जविप्रा, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत - तृतीय,

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर 0141-490185[illegible]

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-2/3[illegible] मालवीय नगर जयपुर, क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री मनोहर श्याम गोयल पुत्र श्री मुरली श्याम गोयल को किया गया था जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 19675 दिनांक 07.02.1983 जारी किया गया। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 23.03.2000 को करवाया गया। श्री मनोहर श्याम मोहन की मृत्यु दिनांक 28.09.200[illegible] को जाने के कारण श्री धनेन्द्र गोयल पुत्र स्व. श्री मनोहर श्याम गोयल श्री जितेन्द्र गोयल पुत्र स्व. श्री मनोहर श्याम गोयल के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, पंजीकृत हकत्याग पत्र की छाया प्रति एवं मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री धनेन्द्र गोयल पुत्र स्व. श्री मनोहर श्याम गोयल श्री जितेन्द्र गोयल पुत्र स्व.श्री मनोहर श्याम गोयल के नाम से उक्त आवास की प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक वृत तृतीय रा.आ. मण्डल जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 34/2024 (उत्तराधिकार)

विषय: उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना पत्र।

प्रार्थी: नाम प्रहर्ष कुमार गौड पुत्र श्री प्रदीप गौड जाति ब्राह्मण विवाद स्थान मकान नम्बर 72/281, परमहंस मार्ग, मानसरोवर, जयपुर (राज.)

मृतक श्रीमति कमला देवी की सम्पत्ति के विषय में पेशी दिनांक: 03.12.2024। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/ प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना- पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम श्रीमति कमला देवी पत्नि स्व. श्री प्रेम बिहारी गौर जाति ब्राह्मण निवासी 72/281, परमहंस मार्ग, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकारी प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्रदान किया जावे। अतः उक्त प्रार्थना- पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 03 माह 12 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। आज दिनांक 21 माह 10 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

आज्ञा से
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश, संख्या 10 जयपुर महानगर, प्रथम सांगानेर

(मुहर)

संख्यांक 2

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

नाम न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश महा. मजि. क्रम सं. 18 ॥ आमेर जयपुर

निसार अहमद विरूद्ध शांति नगर गृह निर्माण वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा वाद सं. 22 सन् 2024

नाम कुलदीप सोनी पुत्र नामालूम जाति ... स्थान ओमप्रकाश चौधरी पुलिसकर्मी पुलिस थाना, जयसिंहपुरा खोर, जयपुर वादी ने आपके विरूद्ध अस्थाई निषेधाज्ञा लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 12 माह 11 सन् 2024 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जायेगा। यह आज दिनांक 25 माह 09 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।

रीडर/शरिस्तेदार
अपर सिविल न्यायालय एवं महानगर मजिस्ट्रेट क्रम सं. 18 जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय, आमेर

(मुहर)

खोया-पाया

मेरा प्लॉट नं. 32/ए/711 आर्शीवाद अपार्टमेन्ट, प्रतापनगर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, मूल सीड़मनी लैटर कहीं गुम हो गया है मिलने पर सम्पर्क करें-9358731499

निजी खातेदारी की योजना-सिल्वर सिटी डी ब्लॉक फागी रोड के भूखंड संख्या-39 की दिनांक 15.07.2024 को निष्पादित मूल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गया है सूचित करें-विपिन कुमार जैन मो.9929091729

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 284/2024

चूंकि श्री मनोज अजमेरा पुत्र श्री किशोर सिंह अजमेरा निवासी 229, कमला नेहरू नगर, हसनपुरा सी, गोपीमार्ग खातीपुरा रोड, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा रजि. कार्यालय पता 229, कमला नेहरू नगर, हसनपुरा सी, गोपीमार्ग खातीपुरा रोड, जयपुर राजस्थान प्रन्यास के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास- जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 24.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 29.11.2024

सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग, जयपुर

नाम परिवर्तन

मैंने अपनी पुत्री का नाम Advika से बदलकर Advika Vajpai पुत्री आकाश वाजपेयी रख लिया है भविष्य में इसे इसी नाम से जाना जाए। पता- मकान नं. 84/220 चेतन मार्ग, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान)।

I Sata Ram S/o Mobata Ram R/o Sesawa, Po-Duthwa, Dist-Jalor, Rajasthan-343041, have changed my name to Satish Kumar.

I have changed My Name Harsha Mehta to Harsha N Mehta for All future purposes. R/o 421-A, Vardhaman Nagar, Shobhawato Ki Dhani, Jodhpur

I have changed my name Name from Mohammed Shafik To Mo. Shafiq In future, 06, Kali Ka Bhatta Dargam Ke Samne Char Darwaza Jaipur.

I Army No. 15671936W Rank Hav. Bahadur Singh S/o Pokhar Mal R/o A-23A, Pratap Vihar, Niwaru Link Road, Govindpura, Jhotwara, Jaipur Raj. 302012. In army service record my wife's name Indira Devi Sihag wrong recorded. Correct wife's name is Indira Devi. Vide Affidavit Jaipur Dated 30.10.2024

महालक्ष्मी के स्वागत में रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठी छोटीकाशी

शुभ मुहुर्त में मां लक्ष्मी की पूजा के बाद लोगों ने की रामा-श्यामा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । महालक्ष्मी के स्वागत में दीपावली पर छोटीकाशी प्रकाशमय हो उठी। कोना-कोना जगमग दिखा। बांदरवाल, रंगोली, मांडणों से सजे घर दीये और रंगीन लाइटिंग सतरंगी उजास बिखेर रहे थे। घरों में परिवार के सदस्यों ने नए पकड़े पहनकर धन की देवी का शुभ मुहूर्त में पूजन किया। दाल, चावल, मूंग, मिठाई का भोग लगाया। घर के सदस्यों के पैर छूकर आस-पड़ोस में रामा श्यामा की।

दिवाली पर राजधानी के सभी

- **पूरे शहर की रोशनी एकसाथ देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग नाहरगढ़, जयगढ़ और गढ़ गणेश मंदिर पहुंचे**

बाजारों से लेकर हर कॉलोनी के घर रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा उठे। चारों ओर दीपों की जगमगाहट और रंग बिरंगी सजावट लोगों के उत्साह का प्रतीक बनी हुई थी। चारदीवारी की छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, चांदपोल, किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, हवामहल बाजार, एमआई रोड पर भी रंग बिरंगी रोशनी से नहला उठे। आतिशबाजी से आसमान सतरंगी हो उठा। सांझ ढलने के साथ ही रंग-बिरंगी रोशनी बिखेरते पटाखे छूटने लगे।

दीपावली पर रंग-बिरंगी रोशनी की सजावट देखने के लिए जयपुर शहर के बाजारों में भीड़ उमड़ी।

हालांकि कानफोडू पटाखों से लोगों को परेशानी भी हुई। पूरा शहर अलग-अलग रंग की रोशनी से सजा नजर आया। रंगीन आतिशबाजी आकर्षण का केन्द्र रही।

जयपुर के आराध्य श्री गोविंददेवजी मंदिर, वैशाली नगर स्थित अक्षरधाम स्वामी नारायण मंदिर समेत शहर के प्रमुख मंदिरों में विशेष सजावट के साथ दीपदान किया गया। दीपावली पर छोटी काशी अयोध्या की थीम पर सजी नजर आई। जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल, चांदपोल, एमआई रोड, राजापार्क सहित सभी प्रमुख बाजारों में भगवान राम और रामायण से जुडी झांकियां सजाई गई। राजधानी का कोना कोना शानदार सजावट और रोशनी से मन मोह रहा था। हवामहल गुलाबी रोशनी से पर्यटकों का सबसे पसंदीदा बना रहा। इस ऐतिहासिक इमारत के आगे लोगों ने देर रात तक सेल्फी ली। परकोटे की विश्व प्रसिद्ध रोशनी देखने के लिए लोग परिवार के साथ घूम रहे थे। परकोटे के सभी प्रमुख बाजारों को इस बार भव्यता से सजाया गया। धनतेरस, रूप चतुर्दशी और दीपावली तीनों दिन देर रात तक रोशनी देखने वालों की भीड लगी रही। पूरे जयपुर की एकसाथ रोशनी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग नाहरगढ़, जयगढ़ और गढ़ गणेश मंदिर पहुंचे।

'वॉकल फोर लॉकल' का भी रुझान दिखा

इस बार दिवाली पर चीनी उत्पाद को नकारते हुए वोकल फोर लोकल का रुझान नजर आया। लोगों ने खरीदारी करते समय भारतीय कारीगरों के हाथों से बने सामानों को प्राथमिकता दी। व्यापारियों ने भारतीय सामानों की बिक्री पर संतोष जताया। दिवाली पर कारोबार में भारी उछाल आने से कारोबारी काफी खुश नजर आए।

शादी का झांसा देकर युवती से देह शोषण

जयपुर। मानसरोवर इलाके में एक प्रेमी द्वारा युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि विरोध करने पर आरोपित प्रेमी ने शादी करने का झांसा दिया और फिर बच्चा होने पर धोखा देकर घर छोड़कर भाग निकला। इस संबंध में थाने में पीड़िता ने आरोपित प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि अजमेर निवासी बाईस वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि साल-2022 में उसकी जान-पहचान आरोपित प्रेमी से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसके प्यार के जाल में फांस लिया। शादी का वादा कर उसे जयपुर ले आया और फिर मानसरोवर इलाके में किराए के मकान में लिव-इन-रिलेशनशिप में रखा। लिव-इन में रहने के दौरान आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का वादा किया। शादी का झांसा देकर देह शोषण करता रहा। देह शोषण के दौरान बच्चे को जन्म दिया। कुछ समय तक आरोपी प्रेमी उनके साथ रहा। उसके बाद धोखा देकर उसे छोडकर भाग निकला। धोखे का पता चलने पर पीडिता ने थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

दीपावली पर सर्वश्रेष्ठ सजावट और रोशनी के पुरस्कार घोषित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पुलिस कमिश्नरेट ने दीपावली पर बाजारों में की जाने वाली विशेष रोशनी, सफाई व्यवस्था, सजावट आदि विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत प्रतिवर्ष दिए जाने वाले पुरस्कारों की घोषणा की है।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि मुख्य बाजार, परकोटे के बड़े बाजार, परकोटे के छोटे बाजार, गलियों के छोटे बाजार, धार्मिक स्थल, सरकारी भवन, निजी भवन, निजी शोरूम, होटल्स एवं मॉल्स आदि विभिन्न श्रेणियों के रखे गए विशेष रोशनी, सजावट में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना आदि पुरस्कार इस प्रकार से घोषित किए गए है।

परकोटे के बड़े बाजार की श्रेणी में जौहरी बाजार प्रथम, चांदपोल बाजार द्वितीय और चौड़ा रास्ता तृतीय स्थान पर रहा, जबकि सांत्वना पुरस्कार किशनपोल बाजार को दिया गया।

इसी प्रकार परकोटे के छोटे बाजारों की श्रेणी में बापू बाजार प्रथम, नेहरू बाजार द्वितीय, इंद्रा बाजार तृतीय

- **जौहरी बाजार, एम.आई.रोड, बापू बाजार, हल्दियों का रास्ता की सजावट प्रथम रही**

रहे, सांत्वना पुरस्कार चांदी की टकसाल बाजार को मिला।

गलियों के छोटे बाजारों की श्रेणी में हल्दियों का रास्ता प्रथम, लालजी सांड का रास्ता द्वितीय, घी वालों का रास्ता तृतीय रहा, जबकि गणगौरी बाजार को सात्वंना पुरस्कार मिला।

परकोटे के बाहर के बड़े बाजारों की श्रेणी में एम.आई.रोड प्रथम, राजापार्क द्वितीय, सर्वानंद मार्ग (मामा की होटल) तृतीय रहे, जबकि सांत्वना पुरस्कार मध्यम मार्ग (मानसरोवर), न्यू सांगानेर रोड (सोडाला) को मिला।

बाजारों के गेट की श्रेणी में जोरावर सिंह गेट (सरकारी) प्रथम रहा। इसके अलावा एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज प्रथम, जयपुर विकास प्राधिकरण द्वितीय, ग्रेटर नगर निगम तृतीय रहा। निजी मॉल्स में गणपति प्लाजा (एम.आई. रोड) प्रथम, गौरव टावर द्वितीय, पिंक स्कवायर तृतीय रहा। निजी भवनों में पत्रिका केसरगढ़ प्रथम रहा। धार्मिक स्थल (मन्दिर) में अक्षरधाम (स्वामीनारायण मन्दिर) वैशालीनगर प्रथम रहा, अमरापुरा (एम.आई.रोड) द्वितीय और बिड़ला मन्दिर तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार खोले के हनुमान मन्दिर को मिला। उन्होंने बताया कि दीपावली पर सजावट, सफाई व्यवस्था, रोशनी आदि के संबंध में घोषित निर्णय 16 सदस्यीय कमेटी द्वारा किया गया था। इस समिति के मनोनीत सदस्य महाराज अलबेलीशरण, शान्ति समिति के सदस्य, प्रभाती लाल बैरवा, प्रवीण बड़े भैया, अनवर शाह, कमला पारीक, विरेन्द्र राणा, नारायण शर्मा, मुनव्वर खान, ताहिर उल्ला, गुलरेज अली, ओमप्रकाश मांचीवाल, प्रकाश चांदवानी, मोहम्मद नायाब खान, तरूण राज पांचाल, गयास अली एवं समिति के समन्वयक अधिकारी दुर्ग सिंह राजपुरोहित अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त उत्तर (प्रथम) पुलिस आयुक्तालय जयपुर सम्मिलित थे।

किन्नर पर जानलेवा हमला करने वाले बदमाश पकड़े

जयपुर। तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर को किन्नर सिमरन बाई गुरु सपना बाई निवासी तुंगा पर जानलेवा हमला करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। गिरफ्तार दोनों ही आरोपी मालपुरा गेट थाना हिस्ट्रीशीटर है और मुस्कान किन्नर ने एरिया के विवाद को लेकर सुपारी देकर वारदात को अंजाम करवाया था। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर को किन्नर सिमरन बाई गुरु सपना बाई निवासी तुंगा पर जानलेवा हमला करने वाले सत्तार उर्फ समीर निवासी मालपुरा गेट जयपुर और मोहम्मद कैफ उर्फ हनी उर्फ रेहान निवासी सांगानेर जयपुर को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि सिमरन बाई किन्नर व मुस्कान उर्फ चिमन किन्नर के बीच बधाई को लेकर एरिया का विवाद था। दोनो के बीच माह फरवरी 2024 में एरिया को लेकर विवाद हुआ था। मुस्कान उर्फ चिमन किन्नर ने सिमरन बाई किन्नर के हाथ पैर तोडने के लिए सुपारी देकर साजिश रचकर पैसे देकर आदमी भेजकर सिमरन बाई किन्नर के साथ जान लेवा हमला करवाया था।

'बी.पी.एल. परिवारों को 450 रु.में मिलेगा रसोई गैस सिलेंडर'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में राज्य सरकार की ओर से 'जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को सम्बल प्रदान करने के लिये प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना और बीपीएल श्रेणी के परिवारों को 450 रूपये में एलपीजी सिलेण्डर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने शनिवार को बताया कि इस योजना का दायरा बढ़ाते हुये राशन का गेहूं प्राप्त करने वाले परिवारों को 450 रुपये में एलपीजी सिलेण्डर उपलब्ध करवाया जायेगा। इसके लिये उचित मूल्य की दुकानों पर स्थित पोस मशीन में विभागीय स्तर पर प्रावधान विकसित किये जा चुके हैं। इसके लिये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थी परिवारों को अपनी एलपीजी पहचान पत्र को राशनकार्ड और आधार कार्ड से उचित मूल्य दुकान के माध्यम से सीडिंग करानी होगी।

उन्होंने बताया कि इसके लिये उचित मूल्य दुकान पर स्थिति पोस मशीन के माध्यम से पांच से 30 नवंबर तक वृहद् स्तर पर अभियान चलाया जायेगा। इसके बाद बाद इस योजना के तहत 450 रुपये में गैस सिलेण्डर प्राप्त होगा।

सार-समाचार

अति.महाधिवक्ता से मिले महेन्द्र शर्मा

जयपुर। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ जलदाय विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा ने दीपावली पर बार काउन्सलिंग राजस्थान के चेयरमैन एवं राजस्थान सरकार में अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर शुभकामनाएं दी। कर्मचारी नेता महेन्द्र शर्मा ने साफा पहनाकर भुवनेश शर्मा का सम्मान किया। इस दौरान उपस्थित राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के विधिक सलाहकार गंगाराम शर्मा एडवोकेट ने भी भुवनेश शर्मा को स्मृति चिन्ह भेटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। मुलाकात के दौरान संघ के सलाहकार सुशील शर्मा और रविन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। शिष्टाचार भेंट के दौरान महेन्द्र शर्मा एवं बीसीसीआई चेयरमैन राजस्थान एवं अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा के बीच में सम सामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। महेन्द्र शर्मा ने उनके द्वारा प्रदेश स्तर पर पर्यावरण सरंक्षण, पेड़ लगाओ-जीवन बचाओ, पानी बचाओ-जीवन बचाओ तथा जल ही जीवन के उद्देश्य से किये जा रहे प्रयासों से अवगत कराया गया। अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा द्वारा इन कार्यो के साथ-साथ महेन्द्र शर्मा द्वारा राजसेवकों के हित में किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए उनके उददेश्यों में सफलता की कामना की गई।

परकोटा गणेश मंदिर में सजी झांकी

जयपुर। चांदपोल के परकोटा गणेश मंदिर में महंत प. अमित शर्मा के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। प्रात: प्रथम पूज्य का पंचामृत अभिषेक कर नवीन चोला धारण करवाया। भगवान गणेश की विशेष पूजा अर्चना कर फूल बंगला झांकी सजाई। गोवर्धन के मौके पर महिलाओं ने गोबर का गोवर्धन बनाकर पूजा अर्चना की। गोवर्धन पर्वत की चारों तरफ परिक्रमा लगाकर सुख समृद्धि की कामना की। प्रथम पूज्य को बेसन के लड्डू और मोती चूर के लड्डू मिक्स गड्डे की सब्जी मूंग मोठ कडी बाजरे चावल की प्रसादी का भोग लगाया। दीपावली के मौके पर पूरे मंदिर परिसर को विशेष लाइटिंग से सजाया गया।

मोबाइल छीनने वाले बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मालपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है, जिसमें एक बाल अपचारी बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटे गए मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मालपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने वाले कृष्ण पाल निवासी फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) हाल मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया है और साथ ही एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। जिनके पास से लूटे गए मोबाइल सहित वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

भारत विकास परिषद ने बांटी मिठाईयां

जयपुर। भारत विकास परिषद् विजयनगर शाखा के पदाधिकारियों ने वीकेआई रोड नंबर नौ स्थित घुमंतू समाज लुहारों की बस्ती में बस्तीवासियों के साथ दीपावली का पर्व मनाया। लक्ष्मीजी और गणेशजी की पूजा-अर्चना कर दीप प्रज्जवलन कर आरती की। घुमंतू समाज के 40 परिवारों को लक्ष्मी पूजन सामग्री, मोम बत्तियां, मिठाई का वितरण किया। बच्चों को चॉकलेट और पटाखे दिए। शाखा अध्यक्ष महेश मित्तल ने पंच पर्व पर प्रकाश डाला। शाखा सचिव सुभाष गुप्ता, वित्त सचिव घनश्याम अग्रवाल, संगठन सचिव नरसिंह स्वर्णकार, प्रकल्प प्रमुख श्याम सुंदर गुप्ता, सुभाष पारीक, महिला संयोजिका, डॉ. रजनी गुप्ता, महेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

श्री राधा सरस बिहारी लगाया भोग

जयपुर। सरस मार्ग, नीलकंठ कॉलोनी, क्विंस रोड अजमेर रोड स्थित श्री शुक संप्रदाय आचार्य पीठ 'बरसाना में शनिवार को अन्नकूट महोत्सव आयोजित किया गया। श्री सरस परिकर के प्रवक्ता प्रवीण बड़े भैया ने बताया कि शुक संप्रदाय पीठाधीश्वर अलबेली माधुरी शरण महाराज के सान्निध्य में श्री राधा सरस बिहारी सरकार को मूंग, मोठ, बाजरा, चौला, गड़मड़ सब्जी, मिठाई सहित कई शारदीय व्यंजनों का भोग लगाया गया। आरती के बाद भक्तों ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्री सरस परिकर की ओर से सभी का स्वागत-सम्मान किया गया।

चोरी की बाइक से राहगीरों के मोबाइल लूटने वाला गिरफ्तार

जयपुर। अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की बाइक से राह चलते लोगों के मोबाइल लूटने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटे गए मोबाइल सहित चोरी की बाइक जब्त भी की है। फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि अशोक नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की बाइक से राह चलते लोगों के मोबाइल लूटने वाले बदमाश चाँद डोली (21) निवासी हसनपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मोबाइल स्नेचर चाँद डोली से लूटा गया एक एप्पल मोबाइल सहित चोरी की एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया।

अशोक नगर पुलिस ने शातिर मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आरोपी सामने आया है कि उसने जयपुर के वीआईपी एरिया में चोरी की बाइक से मोबाइल लूट की पांच वारदातों को अंजाम दिया है। गौरतलब है कि 25 अक्टूबर को थाना इलाके के सी-स्कीम पंचशील मार्ग पर मोबाइल स्नेचिंग की वारदात हुई थी। लूट की सूचना पर पुलिस टीम ने वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालते हुए आरोपित को पकडा है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदाते खुलने की आशंका जताई जा रही है।

अक्षरधाम मंदिर में ठाकुरजी को लगाया 1001 व्यंजनों का भोग

जयपुर। वैशाली नगर स्थित श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर जयपुर में शनिवार को प्राचीन वैष्णव परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का विशेष शृंगार किया गया। इस दौरान ठाकुरजी को 1001 से अधिक प्रकार के सात्विक व्यंजनों का अन्नकूट अर्पित किया गया। इस दौरान दुग्ध पदार्थों, फलों, अनाजों से बने पारंपरिक भारतीय व्यंजनों में राजस्थानी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय एवं अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ-साथ देश-विदेश के व्यंजनों की आकर्षक झांकी सजाई गई। संतों एवं भक्तों ने पुराणोक्त विधि से गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट की मुख्य आरती उतारी। जन सामान्य की सुख-समृद्धि, एवं विश्वशांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सैनिक कल्याण व सूचना एवं प्रसारण मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विधायक सतीश पूनिया समेत कई गणमान्य लोगों ने गोवर्धन पूजा एवं गौ माता की पूजा सम्पन्न की और मनोरम झांकियों के दर्शन लाभ लिया।

अनियंत्रित बाइक दीवार से टकराई, युवक की मौत

एलिवेटेड रोड भारत जोड़ो सेतु पर हुआ हादसा

जयपुर। सोडाला इलाके में स्थित एलिवेटेड रोड "भारत जोड़ो सेतु" पर बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि को एक बाइक अनियंत्रित होकर मोड पर दीवार से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई,जबकि उसका एक साथी घायल हो गया।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) में भर्ती कराया गया। जहां इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने गुरूवार सुबह मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले की जांच पड़ताल सड़क दुर्घटना थाना (दक्षिण) पुलिस कर रही है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में संतोष झा (22) निवासी सुंदर विहार स्वेज फार्म महेश नगर की मौत हो गई। घायल दोस्त मंजेश का सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि दोनों दोस्त बाइक से एलिवेटेड रोड "भारत जोड़ो सेतु" पर जा रहे थे।

इसी दौरान मोड पर अनियंत्रित होकर बाइक दीवार से टकरा गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों दोस्तों को गंभीर हालत में सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान संतोष झा की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक को पुलिस थाना परिसर में खडा करवाया और गुरुवार सुबह मृतक संतोष के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

डाला छठ महापर्व की तैयारी शुरू

जयपुर। कार्तिक मास कई मायनो में खास है पांच दिवसीय दीपोत्सव के साथ ही लोग आस्था, सामाजिक समरसता, साधना आराधना और सूर्योपासना का महापर्व डाला छठ की तैयारी शुरू हो चुकी है। बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुरेश पंडित ने बताया कि मूलत: जयपुर में बिहार के प्रवासियों की बड़ी आबादी निवास करती है हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाजजन जयपुर महानगर में अपनों के बीच जाकर पर्व की खुशियां मनाएंगे।

राजस्थान के राजधानी जयपुर में गलताजी तीर्थ, एनबीसी के पीछे दुर्गा विस्तार कॉलोनी, शास्त्री नगर किशन बाग, दिल्ली रोड, प्रताप नगर, मालवीय नगर, मुरलीपुरा, गणेश वाटिका, आमेर मावटा, निवारू रोड, कटेवा नगर, रॉयल सिटी माचवा, विश्वकर्मा, झोटवाडा, जवाहर नगर, आदर्श नगर, सिरसी रोड व अन्य क्षेत्र में डाला छठ महापर्व को बडी धूमधाम से मनाया जाएगा। बिहार समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन शर्मा ने यह जानकारी दी।

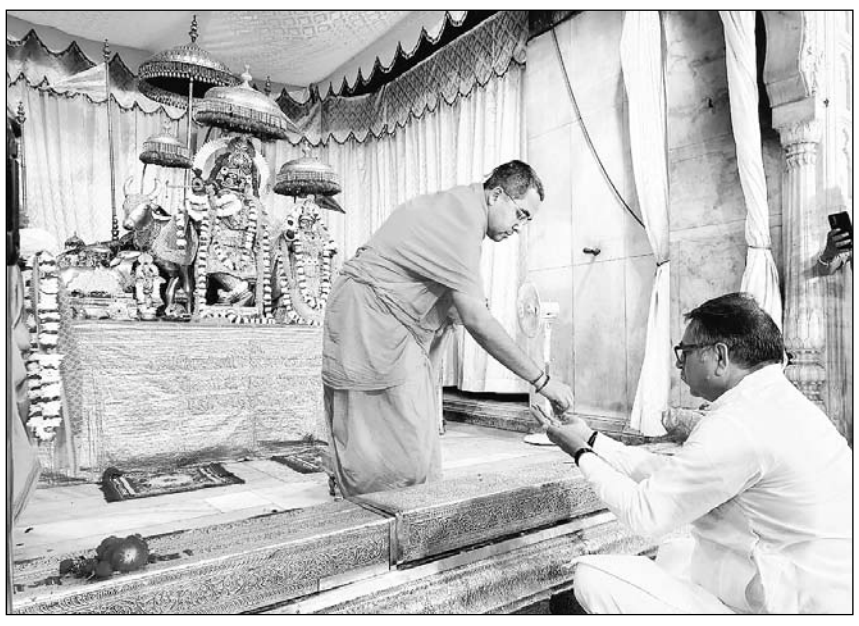

हरियाणा भाजपा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने दीपावली-गोवर्धन पूजा के पर्व पर जयपुर स्थित श्रीराधा-गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेश एवं देश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने मंदिर प्रांगण में सफाई कर स्वच्छता का संदेश देते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के स्वच्छ भारत मिशन को मजबूती से आगे बढ़ाने का पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन से अपील की।

देशभर में खुल रही कांग्रेस के झूठे वादों की पोल : गजेन्द्र सिंह शेखावत

जयपुर(कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि लगता है प्रधानमंत्री के शब्दों से कुछ लोगों को गहरा आहत लगा है। शेखावत ने गहलोत के मुख्यमंत्रीकाल के दौरान बेरोजगारी दर, पेपरलीक की घटनाओं और बढ़ते अपराधों को लेकर कटाक्ष किया। शनिवार को सोशल मीडिया पर शेखावत ने अशोक गहलोत को जवाब देते हुए कहा कि एक नजर आपकी उपलब्धियों पर डाल लेते हैं। देश में सर्वोच्च स्तर पर बेरोजगारी थी। पेपरलीक की घटनाओं ने 50 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ किया। देश में सर्वाधिक दुष्कर्म के केस हुए। महिलाओं के अपहरण की घटनाएं अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई थीं।

गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि धार्मिक यात्राओं पर रोक लगाई जा रही थी, जबकि पीएफआई की रैलियां पूरे वैभव ने निकाली जा रही थीं। अस्पृश्यता के चलते दलित छात्र शिक्षक की पिटाई से मर जाता था। देश में सबसे अधिक साइबर क्राइम होते थे। शेखावत ने कहा कि स्कूलों से शिक्षक और अस्पतालों से डॉक्टर लापता थे। यही कारण था कि आपके झूठ व हमारे खूबसूरत राज्य को अपराधियों का गढ़ बनाने से जनता परेशान हो गई थी और कांग्रेस को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाकर नरेंद्र मोदी जी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि हरियाणा में भी आपके झूठ का भंडाफोड हुआ। देशभर में कांग्रेस के झूठे वादों की पोल खुल रही है और देशभर में कमल खिल रहा है।

नागरिक, प्रशासन और सरकार मिलकर काम करेंगे तो राजस्थान बनेगा विकसित राज्य : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदेश को विकसित करने में सरकार एवं प्रशासन के साथ नागरिकों की भी उतनी ही भागीदारी जरूरी बताते हुए कहा है कि नागरिक, प्रशासन और सरकार मिलकर काम करेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान सबसे विकसित राज्यों में नंबर वन होगा।

दिया कुमारी ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर एवं प्रदेश के लोगों के साथ दिवाली मिलन समारोह के अवसर पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन प्रयास कर रहे हैं कि क्षेत्र एवं प्रदेश को कैसे आगे बढ़ाना एवं विकसित करना है, पर नागरिकों की भी उतनी भागीदारी जरूरी है, वे अपना नागरिक धर्म निभाये और अपनी जिम्मेदारी से काम करें। पर्यटन को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में राजस्थान में पर्यटन की सबसे ज्यादा संभावना है और पर्यटन को आगे बढ़ाने के लिए नए पर्यटन स्थलों को विकसित करना एवं तकनीक से जोड़ना तथा हमारे त्यौहार बड़े-बड़े मंदिर एवं अन्य पर्यटन स्थल एवं वन्य जीव अभ्यारण्यों को आगे बढ़ाना है और मार्केटिंग पर भी ध्यान देना है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के बारे में सोशल मीडिया और मीडिया पर पूरे विश्व में प्रचार होना चाहिए, वह भी अच्छी तरह बडे स्तर पर हो, इस पर हम लोग कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दिसंबर में होने वाले राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन के तहत कई कदम उठाए गए हैं और राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स-2024) शुरू की है तथा ज्यादा से ज्यादा पर्यटक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उसमें बहुत सारे प्रावधान किए गए हैं।

ARBiT it happens here...

World Jellyfish Day

Although *World Jellyfish Day* may sound a bit odd to some, it only makes sense to celebrate an invertebrate that has been on this earth for millions of years longer than humans. So, this event is meant to honour our slightly slimy counterparts that can sometimes cause a bit of consternation at the beach. World Jellyfish Day has been slated to fall in the springtime in the southern hemisphere, as this is the season when jellyfish will begin their migration to the shores of the northern hemisphere.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
03 November 2024
A-B

#RESEARCH

Heart Attack Test in minutes

Heart attacks require immediate medical intervention in order to improve patient outcomes, but while early diagnosis is critical, it can also be very challenging.

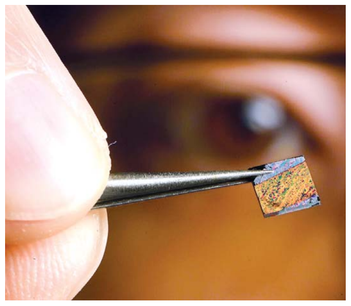

A new blood test diagnoses heart attacks in minutes rather than hours and could be adapted as a tool for first responders and people at home.

"Heart attacks require immediate medical intervention in order to improve patient outcomes, but while early diagnosis is critical, it can also be very challenging, and near impossible outside of a clinical setting," says lead author, Peng Zheng, an assistant Research Scientist at Johns Hopkins University.

"In the future, we hope this could be made into a hand-held instrument like a Star Trek tricorder."

"We were able to invent a new technology that can quickly and accurately establish if someone is having a heart attack."

A paper on the proof-of-concept work, which can be modified to detect infectious diseases and cancer biomarkers, appears in *Advanced Science*.

Zheng and senior author, Ishan Barman, develop diagnostic tools through biophotonics, using laser light to detect biomarkers, which are bodily responses to conditions including disease.

Though an estimated 800,000-plus people have heart attacks every year just in the United States, heart attacks remain one of the trickiest conditions to diagnose, with symptoms that vary widely and biological signals that can be subtle and easy to miss in the early stages of an attack, when medical intervention can do the most good.

People, suspected of having heart attacks, typically are given a combination of tests to confirm the diagnosis, usually starting with electrocardiograms to measure the electrical activity of the heart, a procedure that takes about five minutes, and blood tests to detect the hallmarks of a heart attack, where lab work can take at least an hour and often has to be repeated.

The stand-alone blood test, that the team created, provides results in five to seven minutes. It's also more accurate and more affordable than current methods, the researchers say. Though created for speedy diagnostic work in a clinical setting, the test could be adapted as a handheld tool that first responders could use in the field, or that people might even be able to use themselves at home.

"We're talking about speed, we're talking about accuracy, and we're talking of the ability to perform measurements outside of a hospital," says Barman, a Bioengineer in the Mechanical Engineering department.

"In the future, we hope this could be made into a hand-held instrument like a Star Trek tricorder, where you have a drop of blood and then, voilà, in a few seconds you have detection."

The heart of the invention is a tiny chip with a groundbreaking nanostructured surface on which blood is tested. The chip's 'metasurface' enhances electric and magnetic signals during Raman spectroscopy analysis, making heart attack biomarkers visible in seconds, even in ultra-low concentrations. The tool is sensitive enough to flag heart attack biomarkers that might not be detected at all with current tests, or not detected until much later in an attack.

Though designed to diagnose heart attacks, the tool could be adapted to detect cancer and infectious diseases, the researchers say. "There is enormous commercial potential," Barman says. "There's nothing that limits this platform technology."

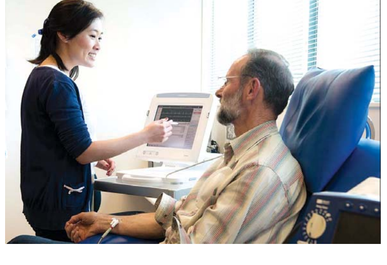

Siachen, Meghdoot, Trishul and Lord Shiva

Balbir had painted the *Naamam* of Lord Shiva on each of the aircraft, three horizontal lines, which he assured us would deter the Pakistani generals more than the weapons the Hunter could carry. When the weather cleared, a few missions would orbit high over the Himalayas, with the aim of 'painting' on both the Pakistani and Chinese radar systems, so as to let them know that 'we are there.' It was during these high altitude orbits that some pilots claimed to have seen the image of *Lord Shiva with his Trishul*, cast over the peaks. Balbir assured us that if we applied the *Shiva Naamam* on our foreheads before getting airborne, we would even be able to see Mount Kailash.

Wg. Cdr. CSV Ramany, VM (G)
The author is a retired IAF fighter pilot

This is a tale of the Siachen Glacier, Operation Meghdoot and Lord Shiva, and how they blended into the Hunter Strike Squadron. The Siachen Glacier has been a bone of contention since the Karachi agreement of 1949 gave a vague demarcation of territories and unspecified authority over them. Indian interpretation was that Pakistani territory, extended till Saltoro Ridge based on the Simla Agreement, where the territorial lines route after the last demarcated point NJ 9842, was 'thenceforth north to the glaciers.' Pakistan's interpretation was that their territory continued northeast from point NJ 9842 to the Karakoram Pass. As a result, both nations claimed the Siachen Glacier.

The Siachen Glacier demarcates Central Asia from the Indian Subcontinent and separates Pakistan from China in that region. This Glacier is also the single largest source of freshwater on the Indian Subcontinent. The Glacier is the source for the Nubra river that eventually feeds into the mighty Indus, that irrigates the Punjab plains in Pakistan. In 1983, Pakistani generals decided to stake their claim through troop deployments in the Siachen Glacier. Islamabad ordered Arctic-weather gear from a London supplier, unaware that the same supplier also provided outfits to the Indian Army. The Indians were informed about this and initiated their own plan, *Operation Meghdoot*. Pre-empting the Pakistan Army by four days, by 13 April, 1984, a battalion of the Kumaon Regiment and the Ladakh Scouts marched through ice-bound Zoji-La pass, and controlled all three major mountain passes of Sia La, Bilafond La and Gyong La. To further deter the Pakistanis, it was decided to base a fighter unit at Leh Airfield, and the Hunter Strike Squadron was tasked with this. At that time, Leh Airfield was on a very undulating surface, transport aircraft with fat low pressure tyres could just about be able to operate. For any fighter aircraft, with slim high pressure tyres, it seemed difficult. The approach to land was also for a single runaway, due to mountain obstacles on the other side. Two types of approaches were possible. One was a direct approach from Khalsi, and the other was a standard circuit. The circuit was behind the mountain range and the approach was along the slope of the mountain. The airfield could not be seen on downwind and base leg, and was visible only when rolling out on finals.

The approach, all along, was just about 100 feet above the slope, and there was a big hump just up after the Indus river, which would give rise to turbulence, erratic winds, speed fluctuations and a mild sink. There was also a big hump in line with the runaway, short of the dumb bell, which gave the feeling that the main wheels would touch it. Thankfully, quite a few of the issues of Leh Airport have been ironed out, and now it is open to civilian aircraft as well. Now known as Kushok Bakula Rimpochee Airport, it is at an altitude of 10,682 feet above mean sea level, and is one of the highest in the world. The airport is named after the 19th Kushok Bakula Rimpochee, a Buddhist monk, whose *Spituk Gompa* is in the vicinity of the airfield. Back to April 1984. A detachment of four Hunter aircraft made an uneventful, though very bumpy and turbulent arrival at Leh. Accompanying us were our technical support staff and equipment, the possible armament we may have to use and our tea club major, Domo Balbir. For the first three days after our landing, that entire Himalayan sub-sector was hit by snow storms, so, our Hunters were grounded. During the time, we were told the importance of our mission by the Army Corps Commander, Lieutenant General Prem Nath Hoon. General Hoon was given clear directives by Prime Minister, Indira Gandhi, to be purely defensive on the Glacier, but nothing could stop him from launching a few surprise pincer attacks and hope that Mrs. Gandhi would not hear of it. Briefing us on the importance and sanctity of our mission was our tea club major Domo Balbir, who would twirl his Rajasthani moustaches and explain to us the real reason for our being there. Weather was bad, there was no flying possible, so, we lived on *chai* all day and *rum paani* in the evening, both of which was provided by Balbir, so, we had no option but to listen to him.

Leh Airfield.

#BAM BHOLE

> General Hoon was given clear directives by Prime Minister, Indira Gandhi, to be purely defensive on the Glacier, but nothing could stop him from launching a few surprise pincer attacks and hope that Mrs. Gandhi would not hear of it. Briefing us on the importance and sanctity of our mission was our tea club major, Domo Balbir.

Balbir felt that we and the Hunter Aircraft were reincarnations of *Lord Shiva's Trishul*, who have emerged in Leh Airfield in the Himalayas, to vanquish the enemy. The *Himalayas*, derived from the Sanskrit word *Him*, meaning 'snow' and *Alaya* meaning 'house of snow,' is also known as the heavenly abode of Lord Shiva, who is believed to stay eternally in *Mount Kailash* in a state of deep meditation. Balbir felt that since Lord Shiva had chosen the Himalayas to meditate and let his mind be in total control, we, Hunter Pilots, or the *Trishuls of Lord Shiva* should be ever vigilant and meditate on Lord Shiva, when not flying. Balbir had painted the *Naamam* of Lord Shiva on each of the aircraft, three horizontal lines, which he assured us would deter the Pakistani generals more than the weapons the Hunter could carry. When the weather cleared, a few missions would orbit high over the Himalayas, with the aim of 'painting' on both the Pakistani and Chinese radar systems, so as to let them know that 'we are there.' It was during these high altitude orbits that some pilots claimed to have seen the image of Lord Shiva with his Trishul, cast over the peaks. Balbir assured us that if we applied the *Shiva Naamam* on our foreheads before getting airborne, we would even be able to see Mount Kailash, or otherwise any of the five holy peaks. The most holy is the Celestial Abode of Lord Shiva, the Mount Kailash in Tibet, a symmetrically cone-shaped peak, at an altitude of 21,778 feet. This abode is revered by four religions, Hinduism, Buddhism, Jainism, and Bon.

Overlooking Lake Mansarover, the highest freshwater lake, a walk around this mountain is said to clear away a lifetime of sins. Next, in the Kinnaur valley of devbhoomi, Himachal Pradesh, is *Kinnaur Kailash* at an altitude of 19,850 feet. This is considered the meeting place of Lord Shiva and Goddess Parvati. Another Himalayan Abode of Lord Shiva is *Shrikhand Mahadeo* at an altitude of 16,913 feet. Lord Shiva took the form of a 70 feet stone *Shivling*. Snow falls thick here all year round, but does not touch the Shivling. Also, in Devbhoomi is *Manimahesh*, also known as *Chamba Kailash*. At an elevation of 13,000 feet, this Manimahesh lake is highly revered, as it is believed that this sacred spot in the Himalayas is very close to Lord Shiva and Goddess Parvati. The last of the five holy peaks is *Chota Kailash*, which is blessed with breathtaking natural beauty and divinity. Located close to the Indo-Tibetan border in Uttarakhand, this is surrounded by the Annapurna peak, the Kali river and lush forest area. The last two holy peaks mentioned are entirely do-able and should be on any Indian traveller's bucket list. Balbir felt that when orbiting at high altitudes over the Himalayas, we would be able to see all the five holy peaks, provided we meditated on Lord Shiva.

Deepak, after one of these missions, claimed to have seen the iconographical attributes of Lord Shiva, with the serpent king, *Vasuki*, around his neck, the adorning crescent moon, the holy river *Ganga* flowing from his matted hair, the *Trishula* and the *Damaru*. Balbir flatly stated, that with our fondness for *Rum paani*, we would never be able to see the third eye of Lord Shiva in this incarnation. But almost all of us, at one point or other, had seen the ragged, jagged Himalayas aligning themselves in the minds eye, to form a perfect *Trishul*. We were educated further by the Unit *Panditji* of No. 3 Mountain Division based at Leh. This division has the *Trishul* as their formation sign and is tasked with defending the Leh area. Pandit Ji told us that the word *Shiva* is used in the *Rigveda* as an epithet for several deities, including Rudra. The term *Shiva* connotes 'liberation, final emancipation' and 'the auspicious one.' Panditji also presented another etymology with the Sanskrit word *Sarv*, which means 'to injure' or 'to kill,' interpreting the name to connote, 'one who can kill the forces of darkness.' Shiva's aspects, Panditji said, are both benevolent as well as fearsome, depending on which side of the border you belong to. In his benevolent aspect, Shiva is an omniscient *yogi*, who lives an ascetic life on Mount Kailash, with his wife, *Parvati*, and his two children, Ganesha and *Kartikeya*. In his fierce aspects, he is depicted as slaying demons. Panditji assured us that we were messengers of the fierce aspect of Lord Shiva.

Be that as it may, the Siachen Glacier is now firmly under the control of the Indian Army and the Indian Air Force. Camps set up on the glacier have been converted to permanent posts. India now controls the 70 kilometers long Siachen Glacier, and all its tributary glaciers, as well as the three main passes of the Saltoro Ridge, immediately west of the glacier, Sia La, Bilafond La and Gyong La, thus giving India total tactical advantage.

rajeshsharma1049@gmail.com

Circuit Approach for landing at Leh.

#TRIED & TASTED

Yummy Tales Of Tummy

There's nothing quite like biting into a light, moist cake with a tender crumb.

If you have been having a bad day, then you know what can instantly cheer you up. Yes, a piece of cake holds the power to make everything right. Wouldn't you agree? There's nothing quite like biting into a light, moist cake with a tender crumb. And if you love baking, then you will know the joy it brings to create sinful treats and make everyone droll over it.

Almond and Cashew Cake

Ingredients

- 1/2 Cup Maida
- 1/4 cup Cashew powder (grind cashews in a mixer)
- 1/4 cup Almond powder
- 1/4 cup Sugar
- 3 tsp Ghee
- A pinch of Cardamom powder
- 1/2 cup Milk
- A pinch of Coconut (dry), grated
- 1/4 tsp Baking soda
- 1/2 tsp Baking powder

Preparation

1. Preheat the oven to 350 degree F.
2. Grease the baking pan and apply some ghee. Use parchment or wax paper to cover the bottom and sides of the pan and keep it aside.
3. Take a bowl and mix cashew powder, almond powder, maida, baking soda, baking powder and cardamom powder.
4. In another bowl, add ghee and whisk till its fluffy (should take less than a minute). Add sugar and blend again.
5. Mix the contents of the two bowls and transfer them to a pan. Add a pinch of maida to grated coconut and sprinkle it on top.
6. Bake for 20 to 25 minutes and broil for less than a minute.
7. Serve.

Marble Cake

Ingredients

- 150 gms Butter
- 150 gms Castor sugar
- 3/4 cup Milk
- 3 tsp Vinegar
- 150 gms Flour
- 1 tsp Vanilla essence
- 1 tbsp Cocoa
- 1 1/2 tsp Baking powder

For Icing:

- 50 gms Butter
- 100 gms Icing sugar
- 50 gms Chocolate, melted
- 2 tsp Cocoa
- Sweets (to decorate)

Preparation

1. Beat butter and sugar together until light and fluffy.
2. Gradually beat in the milk and vinegar. Fold in all the flour except 1 tbsp.
3. Divide batter in half. Fold 1 tbsp flour in 1 half and cocoa in the other.
4. Place in alternate spoonfuls in a greased and lined 8" cake tin.
5. Bake at 180 degrees centigrade for 20-25 minutes.
6. Turn out and cool.
7. For icing, beat the ingredients together.
8. Spread over cake.
9. Decorate and serve.

Truffle Cake

Ingredients For Sponge:

- 150 ml Oil
- 275 gram Sugar
- 185 gram Milkmaid
- 375 gram Curd
- 375 Flour
- 9 gram Baking soda
- 9 gram Baking powder

For Sugar Syrup:

- 200 gram Sugar
- 200 ml Water

For Truffle:

- 500 gram Dark chocolate
- 250 gram Fresh cream

Preparation

Prepare the Sponge:

1. Whisk all the ingredients together except oil. Lastly, add the oil.
2. Pour in a mould and bake at 180 degrees for 35-40 min. Allow the sponge to cool.

Prepare Truffle:

1. Chop dark chocolate and keep in a bowl.
2. Boil cream in a saucepan and pour over the chocolate. Whisk till all the chocolate dissolves.
3. Allow to cool.

Prepare Sugar Syrup:

1. Boil water and sugar to make a sugar syrup. Strain and keep aside to cool.

Assemble Cake:

2. Cut the cooled sponge in three layers.
3. Take one layer on a cake board. Brush it with sugar syrup. Apply the truffle. Repeat the process with the remaining layers of sponge. Finally, finish the top and sides of the cake with truffle. Allow the truffle to set.
4. Finally, melt the truffle and pour over the cake. Refrigerate and serve thereafter.

THE WALL

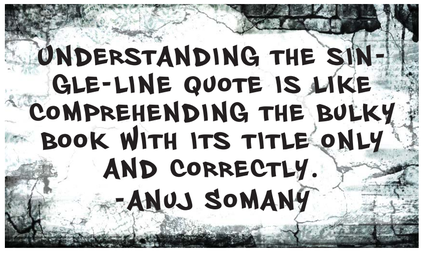

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

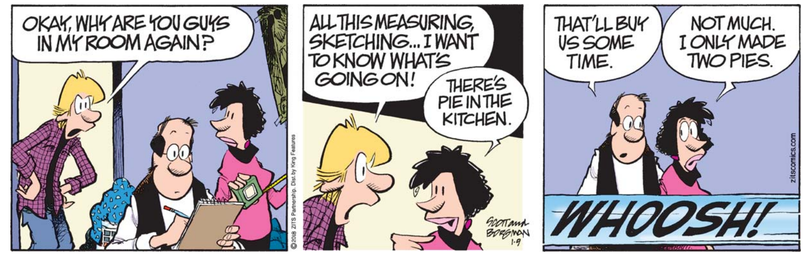

महिला की निर्मम हत्या, शव के छह टुकड़े कर जमीन में गाड़े

हत्या का आरोपी पुलिस की पकड़ में नहीं आया, जाट समाज में हत्या को लेकर आक्रोश

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में 50 साल की महिला अनीता चौधरी के दोनों हाथ, पैर और गर्दन को काटकर जमीन में गाड़ने की घटना के बाद शहर में दहशत का माहौल है। दूसरी तरफ इस निर्मम हत्या का आरोपी आज भी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। जाट समाज में इस हत्या को लेकर रोष व्याप्त है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि महिला की हत्या प्लानिंग करके की गई। हत्या से पहले घर के बाहर जेसीबी से गड्ढा खुदवाया गया। हत्या के आरोपी गुलामुद्दीन (42) की पत्नी पुलिस हिरासत में है। उससे पूछताछ की जा रही है।

गुलामुद्दीन की पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर के आगे से ही अनीता के शरीर के टुकड़ों को गड्ढे से बरामद किया तो मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी दंग रह गए। आरोपी की पत्नी ने बताया उसके पति गुलामुद्दीन ने यह गड्ढा 3 दिन पहले ही खुदवा दिया था। मर्डर के बाद अनीता की बॉडी के टुकड़े कर बोरे में भरकर उसी गड्ढे में गाड़ दिया था।

सरदारपुरा थानाधिकारी दिलीप सिंह के अनुसार मृतक अनीता की गुमशुदगी की रिपोर्ट उनके पति मनमोहन चौधरी ने 27 अक्टूबर को दर्ज करवाई थी। इसके बाद से ही पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने मृतका के ब्यूटी पार्लर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो वह 26 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे एक टैक्सी में अकेली बैठकर जाते नजर आई थी। पुलिस ने उस टैक्सी ड्राइवर का पता लगाकर जानकारी ली। टैक्सी ड्राइवर पुलिस को गंगाना के

- **हत्या के आरोपी गुलामुद्दीन की पत्नी पुलिस हिरासत में, पुलिस उससे पूछताछ कर रही है**

उस घर के आगे ले गया, जहां उसने अनीता को छोड़ा था। वह घर अनीता की दुकान के सामने दुकान चलाने वाले गुलामुद्दीन का था। उसकी पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस ने गुलामुद्दीन की पत्नी और उसके परिवार के लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो शव का पता चल गया। गुलामुद्दीन की पत्नी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर के सामने ही जेसीबी से गड्ढा खोदकर अनीता के शव को बाहर निकाला। अनीता के दोनों हाथ, पैर और गर्दन को काट कर धड़ से अलग किया था।

मनमोहन ने बताया कि 26 अक्टूबर को उनकी पत्नी अनीता से दोपहर 12 बजे अंतिम बार बात हुई थी। अनीता ने पति से गाड़ी की जरूरत के बारे में पूछा था। दोपहर दो बजे अनीता ने जोधपुर के सरदारपुरा बी रोड पर स्थित ब्यूटी पार्लर की दुकान खोली थी। इसके 10 मिनट बाद ही वह दुकान बंद कर कहीं निकल गई थी। इसके बाद उसका कोई पता नहीं चल पाया था। दूसरे दिन 27 अक्टूबर को पति ने थाने में उसकी मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। मनमोहन ने बताया कि गुलामुद्दीन की दुकान और उनकी पत्नी का ब्यूटी पार्लर सरदारपुरा बी रोड पर आमने-सामने हैं। करीब 25 सालों से वह लोग दुकान चला रहे हैं। अनीता को गुलामुद्दीन बहन मानता था और बहन कहकर ही बुलाता था।

पुलिस ने आज नया खुलासा किया है। फरार आरोपी ने पत्नी के साथ मिलकर प्री-प्लान तरीके से वारदात को अंजाम दिया था। साजिश के तहत महिला को अपने घर बुलाया। इसके बाद बेहोशी की दवा मिलाकर शर्बत पिलाया। बेहोश होने के बाद हत्या की और मीट काटने वाले चाकू से शव के टुकड़े-टुकड़े कर बोरे में भर दिए। इसके बाद अपने घर के बाहर खोदे गए करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में बोरों को दबा दिया। बदबू नहीं आए इसके लिए गड्ढे में इत्र भी छिड़का। फिलहाल आरोपी पकड़ा नहीं जा सका है। उसकी पत्नी से पूछताछ की जा रही है।

बोलेरो ने बाइक को टक्कर मारी, चाचा-भतीजे की मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले के कालू थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में चाचा-भतीजे की मौत हो गई। वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बाइक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर से हुआ। बाइक पर सवार तीन जने घायल हुए, जिनमें दो को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया।

कालू पुलिस को लूणकरनसर निवासी राकेश बाजीगर ने बताया कि उसके बेटे रोहित, संदीप और भतीजे सहीराम का बेटा विक्की बाइक पर पूनरासर बालाजी मंदिर गए थे। ढाणी से करीब तीन किलोमीटर दूर

- **गंभीर रूप से एक घायल संदीप को पीबीएम अस्पताल रैफर किया, हालत नाजुक बनी हुई है**

सहजरासर गांव की तरफ पहुंचे तो सामने से एक बोलेरो कैम्पर गाड़ी ने जबरदस्त टक्कर मार दी। बोलेरो चालक ने तेज व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए इस हादसे को अंजाम दिया। तीनों को गंभीर हालत में समाजसेवी संस्था टाइगर फोर्स के महिपाल सिंह और उनकी टीम अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल में डॉक्टर ने विक्की व रोहित को मृत घोषित कर दिया।

गंभीर रूप से घायल संदीप को पीबीएम अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जहां ट्रोमा सेंटर में उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना के बाद विक्की और रोहित के शव लूणकरनसर अस्पताल की मोर्चरी में रख दिए गए हैं। राकेश ने हादसे के लिए बोलेरो कैम्पर के चालक को दोषी बताते हुए कार्रवाई की मांग करते हुए कालू थाने में मामला दर्ज कराया है।

जुआ खेलते हुए छह गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। दीपावली पर जुआ खेलते हुए 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनसे 16 हजार रुपए की राशि जब्त की गई है। जसरासर पुलिस ने कार्रवाई कर जुआरियों को गिरफ्तार किया है।

जसरासर थानाधिकारी रामावतार ने बताया कि जसरासर पुलिस दीपावली पर जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार गश्त कर रही थी। इस दौरान जसरासर निवासी सुंदरलाल जाट, कालूराम मेघवाल, दुर्गाराम जाट, पूनमचंद जाट, ब्रजलाल जाट, सुंदरलाल मेघवाल को ताश के पत्तों पर पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है, जिनसे कुल जुआ राशि 16730 को जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। कार्रवाई में जसरासर थानाधिकारी रामावतार, कानि. रामेश्वरलाल, दीपाराम, हरिनाथ, दिनेश, मुकेश शामिल रहे।

गोवंश भरा ट्रेलर पकड़ा, 60 से अधिक गोवंश मुक्त कराये

गोरक्षा दल ने दो गोतस्करों को दबोचकर पुलिस के सुपुर्द किया

मालपुरा, (निसं)। गोरक्षा दल मालपुरा, टोंक व सांगानेर सहित अन्य टीमों ने मुखबीर की सूचना पर 60 किलोमीटर गोतस्करों का पीछा कर फागी थाना क्षेत्र के चकवाडा गांव के पास गोवंश से भरे ट्रेलर को पकड़ा। वहीं दो गोतस्करों को दबोच 60 से अधिक

- **फागी थाना क्षेत्र के चकवाडा गांव के पास सड़क पर नुकेले कांटों का जाल बिछाका ट्रेलर को रोका**
- **गोरक्षा दल मालपुरा, टोंक व सांगानेर सहित अन्य टीमों ने 60 किमी तक गोतस्करों का पीछा किया**

गौवंश को मुक्त कराया।

गोरक्षकों ने बताया कि शुक्रवार की रात डिग्गी थाना क्षेत्र से गौकसी के

गोतस्करी करते दो गोतस्कर को दबोचा।

लिये गोतस्करी होने की मिली सुचना पर उन्होने अपने अन्य साथियो के साथ जाल बिछा तकरीबन 60 किलोमीटर तक पीछाकर गोवंश से भरे ट्रेलर को रोकने का प्रयास किया लेकिन गोतस्करों द्वारा तीव्र गति से ट्रेलर को दौड़ाते हुये कई बार गोरक्षको पर वाहन चढ़ाने का प्रयास किया, लेकिन गोरक्षक ट्रेलर का पीछा करते रहे। अंत में फागी थाना क्षेत्र के चकवाडा गांव के पास सड़क पर नुकेले कांटों का जाल बिछाकी ट्रेलर को रोकने में सफलता हासिल की।

त्वरित कार्रवाई करते हुये ट्रेलर को पकड़कर ट्रेलर में सवार दो गोतस्कर भीलवाडा निवासी इरफान व सोनू खान को दबोच फागी थाना पुलिस को मामले की सूचना दी गई। शनिवार की अलसवेरे तकरीबन तीन बजे के आसपास मौके पर पहुंचे थाना अधिकारी मनोज बेरवाल व उनकी टीम ने दोनों गोतस्करों को व ट्रेलर को पुलिस सुरक्षा में ले दोनों के विरूद्ध गोतस्करी का मामला दर्ज किया। ट्रेलर मे भरे गोवंश को मुक्त कराकर गोशाला में सुरक्षित छोडा गया। थानाधिकारी ने बताया कि ट्रेलर में सवार एक अन्य गोतस्कर मौके से भागने मे सफल रहा, जिसकी तलाश के लिये टीमें जुटी हुई हैं।

लेपर्ड ने हमला कर युवक को घायल किया, ग्रामीणों में दहशत

हमले की वजह से ग्रामीण लाठियां लेकर झुंड में अपनी रक्षा कर रहे हैं

पुष्कर, (निसं)। लेपर्ड ने हमला करके एक युवक को घायल कर दिया। पुलिस, वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हमले की वजह से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है, लोग लाठियां लेकर झुंड में अपनी रक्षा कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पुष्कर के गनाहेड़ा गांव में स्थित शामलों की ढाणी में दोपहर में लेपर्ड ने एक युवक पर अटैक कर दिया। घटना से डेढ़ घंटे

- **सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम लेपर्ड को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है**

पहले गांव के रास्ते में लेपर्ड को देखा गया था जो खेत में बने एक पानी के पौंड में गिरने के बाद निकलकर गांव की तरफ चला गया था। घटना से लोगों में दशहत का माहौल हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा वन विभाग को मामले की सूचना दी गई। गनाहेड़ा गांव के महावीर सिंह रावत ने बताया कि शनिवार दोपहर 1:50 पर लेपर्ड को देखा गया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर लेपर्ड खेत के रास्ते भागता हुआ गनाहेड़ा गांव की तरफ चला गया, जिसका वीडियो भी सामने

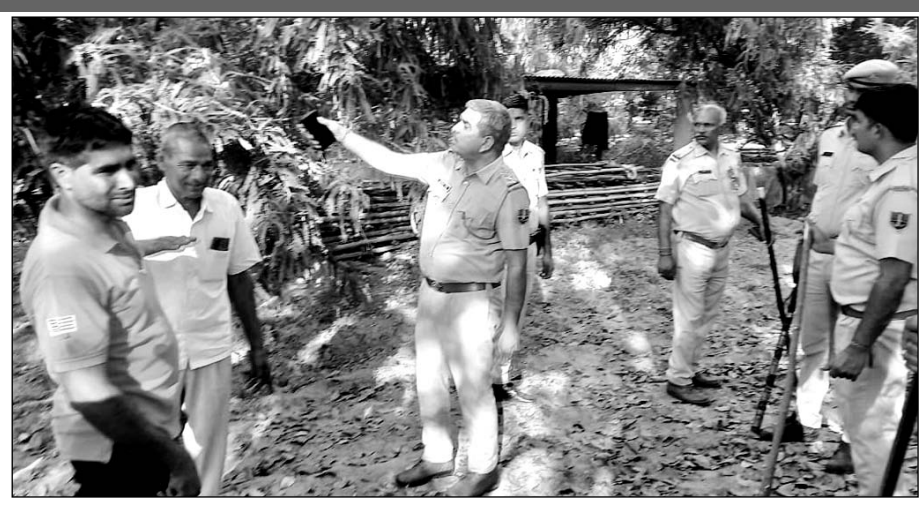

लेपर्ड आने की सूचना पर पुष्कर थाना अधिकारी एवं वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

आया है। लेपर्ड के मूवमेंट के बाद गांव में दहशत का माहौल है। सूचना के बाद ग्रामीण एकजुट होकर लेपर्ड को क्षेत्र से भागने के लिए लाठियां लेकर बाहर आ गए। इस दौरान लेपर्ड ने एक युवक ब्रह्मा सिंह रावत (33) पर हमला दिया। इसके बाद लेपर्ड सामला की ढाणी की तरफ भाग गया। सूचना के बाद पहुंची वन विभाग की टीम रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही है। मौके पर सीआई घनश्याम सिंह राठौड़ मय पुलिस जाप्ता और वन विभाग के सौरभ जैन सहित काफी संख्या में ग्रामीण डंडे लेकर खेतों पर खेतों में लेपर्ड को रेस्क्यू करने में जुट हुए हैं। इससे पहले पुष्कर के गुडंबा पहाड़ी के निकट लेपर्ड का मूवमेंट देखा गया था।

अरावली पर्वतमाला की श्रृंखला से घिरा पुष्कर वन्यजीवों का विचरण रहता है, जिसके चलते पुष्कर की पहाड़ियों में अक्सर लेपर्ड के अलावा अन्य जानवरों का मूवमेंट देखा जाता है। शामला की ढाणी निवासी बीरम रावत पर लेपर्ड ने हमला कर दिया जिसकी वजह से उसके मुंह पर हल्की चोट आई है, बिरम सिंह को पुष्कर के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

हत्या के आरोप में पिता-पुत्र गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ के रीड़ी में अपने ही चाचा की हत्या करने वाले भतीजों और भाई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के इस मामले में पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है।

श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी इंद्रकुमार ने बताया कि गांव रीड़ी में भाई की हत्या करने वाले भाई व दो भतीजों को

- **आपसी विवाद के चलते भाई और भतीजों ने चाचा पर हमला किया था**

गिरफ्तार किया गया है। मंगलवार को रीड़ी में देवाराम की हत्या के आरोप में उसके भाई किशनलाल व उसके दो बेटे 19 वर्षीय जितेन्द्र भार्गव व 21 वर्षीय करण भार्गव को गिरफ्तार कर लिया गया। मृतक के भाई रूपाराम ने भाई और भतीजों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। पुलिस ने उसी समय इनको हिरासत में ले लिया था लेकिन गिरफ्तारी बुधवार रात हो सकी। आपसी विवाद को लेकर मंगलवार को चाचा-भतीजा और भाई-भाई आमने-सामने हो गए थे। आरोप है कि इस दौरान भतीजों ने मिलकर चाचा पर अंधाधुंध वार किए। जिससे देवाराम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया है।

सड़क पर कार का बैलेंस बिगड़ा, महिला की मौत

हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल, पीबीएम हॉस्पिटल रैफर किया

बीकानेर, (निसं)। भारतमाला रोड पर सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कालू थाना क्षेत्र से गुजरने वाली भारतमाला सड़क पर एक वाहन गड्ढे के कारण असंतुलित हो गया। इससे एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में रैफर किया गया है। मृतका का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया। ये परिवार गुजरात के राजकोट से अमृतसर जा रहा था, इसी बीच बीकानेर में हादसा हो गया।

- **परिवार गुजरात के राजकोट से अमृतसर जा रहा था, बीकानेर में हादसा हुआ**
- **घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कालू पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी ली**

राजकोट के मोरबी रोड पर रहने वाले निकुंज भाई ने पुलिस को बताया कि वह राजकोट से अमृतसर जा रहे थे। इस बीच अचानक गड्ढा आने से उनकी कार पलट गई। कार में सवार पायल पत्नी जयदीप की मौत हो गई। कार में पायल के अलावा उसके पति जयदीप भाई ओर पूजा बेन पत्नी निकुंज भाई थे। ये चारों साथ में घूमने के लिए अमृतसर जा रहे थे। कार भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कालू पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। भारतमाला सड़क पर हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। कई बार यहां वाहनों के बीच सड़क पर खड़े होने की स्थिति में हादसा होता है। इस बार सड़क पर गड्ढा होने के कारण कार पलट गई।

हादसे में एक मौत

नोखा, (निसं)। पांचू थाना क्षेत्र के किशनासर गांव की पुलिया के पास एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं एक घायल हो गया।

थानाधिकारी रामकेश मीना ने बताया कि नोखा के हिंयादेसर गांव निवासी भींयाराम मेघवाल (25) और नेमाराम मेघवाल (30) दीपावली के त्योहार पर अपने परिचितों से मिलने बाइक से पांचू गांव जा रहे थे।

इस दौरान किशनासर गांव की पुलिया के पास कार सवार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। जिन्हें आसपास के लोगों ने नोखा के जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पर भींयाराम मेघवाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं नेमाराम मेघवाल को गंभीर हालत में बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर पांचू पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव नोखा की जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया, जहां उसका पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। भींयाराम मेघवाल मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था।

बीमा कंपनी को दावा राशि ब्याज सहित अदा करने का आदेश

जोधपुर, (कासं)। स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने बीमा के एक मामले में परिवाद मंजूर करते हुए कहा है कि छोटी मोटी बीमारी से व्यक्ति के ग्रसित होने और बीमा प्रस्तावना प्रपत्र में इन्हें छिपाने के आरोप में बीमा नहीं करने या दावा खारिज करने से तो बीमा व्यवसाय ही चौपट हो जाएगा।

- **स्थाई लोक अदालत जोधपुर महानगर ने बीमा के एक मामले में परिवाद मंजूर किया**

अदालत के अध्यक्ष सुकेश कुमार जैन और सदस्य जेठमल पुरोहित तथा माणकलाल चांडक ने मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को दावा राशि 51 लाख 23 हजार 574 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज और परिवाद व्यय पांच हजार रूपए दो माह में अदा करने के निर्देश दिए अन्यथा 8 फीसदी अतिरिक्त ब्याज अदा करना होगा। जानकारी के अनुसार रीना राजेश मेहता ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनके पति ने एक्सिस बैंक से अक्टूबर 2020 में आवासीय ऋण लिया, जिसके एवज में मैक्स लाइफ इंश्योरेंस से 56 लाख 72 हजार 353 रुपए की जीवन बीमा पॉलिसी ली। 16 अक्टूबर 2021 को उनके कोकिला बेन अस्पताल में सीने में गांठ का ऑपरेशन हुआ और बाद में एम्स अस्पताल जोधपुर में उनका 18 नवंबर को निधन हो गया। इसके बाद बीमा राशि अदा करने की बात आई तो बीमा कंपनी ने उनका दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि उनके पति वर्ष 2018 में पेट में अल्सर की वजह से एक दिन के लिए भर्ती हुए थे और यह बीमारी उन्हें 2010 से थी, लेकिन बीमा करवाते वक्त उन्होंने प्रस्तावना प्रपत्र में इसे छुपाया था। अधिवक्ता भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि जीवन में सामान्य बीमारियां जैसे रक्तचाप,मधुमेह,पेट संबंधी बीमारी व्यक्ति को अनेक बार होती है और कई छोटी मोटी बीमारी व्यक्ति को याद भी नहीं रहती है। उन्होंने कहा कि बीमाधारी की मृत्यु पेट में अल्सर या गैस की वजह से नहीं हुई है, इसलिए बीमा कंपनी का कथन मान्य योग। नहीं है। अत::परिवाद मंजूर किया जाए। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि मृत्यु चाहे कोई कारण से हो, लेकिन प्रस्तावना प्रपत्र में बीमारी घोषित नहीं करना ही दावा खारिज किए जाने का पर्याप्त आधार है।

स्थाई लोक अदालत ने परिवाद मंजूर करते हुए कहा कि जानलेवा बीमारी जैस कैंसर, किडनी, हृदय रोग या लीवर बीमारी होने पर यह बीमारी छिपाई जाती है तो जानबूझकर या कपटपूर्वक कार्रवाई मानी जाएगी और इस आधार पर दावा खारिज किया जाना समझ में आता है, लेकिन छोटी मोटी बीमारियों से ग्रसित होने से बीमा कंपनी दावा खारिज करने लगी या बीमा करने से इनकार कर देगी तो बीमा व्यवसाय ही चौपट हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बीमाधारी को पेट में गैस या पाचन तंत्र की सामान्य बीमारी पूर्व में थी, जो कि जानलेवा बीमारी नहीं थी बल्कि उनकी मृत्यु अन्य रोग से हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में दावा राशि में 10 फीसदी कटौती हो सकती है। उन्होंने इंश्योरेंस कंपनी को निर्देश दिया कि दो माह में 51 लाख 23 हजार 574 रुपए मय 8 फीसदी ब्याज और परिवाद व्यय पांच हजार रुपए बकाया किस्त के एक्सिस बैंक को अदा करें और शेष राशि परिवादी को भुगतान करें। दो माह में अदा नहीं करने पर बीमा कंपनी को 8 फीसदी अतिरिक्त ब्याज भी देना होगा।

दीपावली पर 72 घंटों में जोधपुर में 130 जगह पर आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर और इसके आसपास के इलाकों में दिवाली के चलते पिछले 72 घंटों में शहर और आसपास 130 जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुई। इस दौरान दमकलें दौड़ती रही। कुछेक स्थानों पर बड़ी आग लगी बाकी स्थानों पर कचरा जलने के साथ खाली प्लॉटों एवं खेतों में आग लगी। दमकल कर्मचारियों ने अपनी सजगता से आग को काबू पाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शहर में गुजरी रात कार बाजार में भीषण आग लगी, दस से ज्यादा दमकल की गाड़ियां आग को काबू पाने जुटी। प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण आतिशबाजी ही सामने आया है। कोई मुकदमा या प्रकरण पुलिस में इस संबंध में आज दोपहर तक दर्ज नहीं कराया गया है।

शहर में 29 अक्टूबर से लेकर 31 अक्टूबर के बीच तीन दिन तक दिवाली की धूम रही। 1 नवंबर को भी शहर में दिवाली मनाई गई। शहर आतिशबाजी से गूंज रहा था तो साथ ही कई स्थानों पर पटाखों की चिंगारियां आग में बदल रही थी। तीन दिनों के बीच में शहर और इसके आसपास 130 जगहों पर आगजनी की घटनाएं दमकल विभाग की तरफ से बताई गई है। हालांकि बड़ी आगजनी की जानकारी कुछेक स्थानों पर ही हुई है। फायर ऑफिसर प्रशांत सिंह के अनुसार पांच सात जगहों पर बड़ी आग थी, जोकि समय रहते काबू कर ली गई। बाकी ज्यादातर स्थानों पर कचरा, खाली प्लाट्स और खेतों खलिहानों में सूखे चारे में आग लगी थी।

पटाखों से रुई की गांठें जली

:- श्रीगंगानगर शहर में शुक्रवार रात हुई आतिशबाजी से इंदिरा चौक के पास एक गोदाम में रखी रुई की गांठें जल गई। आतिशबाजी शुक्रवार देर रात किसी समय गोदाम में गिरी। उस समय गोदाम में कोई भी व्यक्ति नहीं होने से हादसे का पता नहीं लगा। शुक्रवार रात से लगातार गांठे सुलगने से गोदाम में धुआं भर गया। इससे दुकान का प्लास्टर उखड़ गया। इससे हुई आवाज से लोगों को शनिवार को सुबह करीब ग्यारह बजे वारदात का पता लगा। इस पर उन्होंने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

इंदिरा चौक पर बने इस गोदाम की बिल्डिंग काफी जर्जर हालत में है। गोदाम में धानमंडी की फर्म जगन्नाथ श्री भगवान की रुई की गांठें रखी थी। देर रात किसी समय गोदाम के शटर के नीचे से संभवत: कोई आतिशबाजी इन गांठों पर गिर गई। इससे गांठें सुलगने लगी। सुलगती रुई की गांठों से बनी गैस से छत का प्लास्टर उखड़ गया इससे तेज आवाज हुई तो लोगों का ध्यान इस तरफ गया। दुकान से धुआं निकलते देख घटना की जानकारी धानमंडी की फर्म के संचालकों और फायर ब्रिगेड को दी गई। कुछ देर मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया। मौके पर मौजूद संचालक फर्म के कर्मचारी केशव शर्मा ने बताया कि गोदाम धानमंडी की फर्म जगन्नाथ श्री भगवान का है।

बिछड़े बाप-बेटे को मिलवाया

नोखा, (निसं)। अपना घर आश्रम नोखा ने बिछड़े हुए एक व्यक्ति को उनके परिजनों से मिलवाया। जोधपुर स्थित अपना घर आश्रम द्वारा राकेश प्रभु को 14 मार्च को जोधपुर के झालामंड चौराहे से रेस्क्यू कर आश्रम में भर्ती किया गया था और उसी दिन उन्हें नोखा आश्रम में स्थानांतरित किया गया। किरण झंवर ने बताया कि भर्ती के समय ये व्यक्ति अपना नाम बताने में असमर्थ था। डॉक्टर एमडी स्वामी की देखरेख में इलाज के बाद व्यक्ति ने अपना नाम राकेश और घर का पता बताया। इस जानकारी के आधार पर उनके बेटे से संपर्क किया गया। बेटे ने पुष्टि करने के लिए वीडियो कॉल की मांग की और पिताजी को पहचानने के बाद कहा कि वह तुरंत नोखा आश्रम आएगा। कुछ समय बाद राकेश प्रभुजी का बेटा सचिन आश्रम पहुंचा और अपने पिताजी को साथ लेकर घर ले गया।

लिफ्ट के नीचे दबने से युवक की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। फोटो एलबम की दुकान में लिफ्ट गिरने से उसके नीचे दबे एक युवक की मौत हो गई। युवक लिफ्ट में नीचे की तरफ मोबाइल लेने के लिए गया था। इसी दौरान अचानक लिफ्ट उस पर आ गिरी।

एसएचओ पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि सेतिया कॉलोनी निवासी मनोज कुमार (40) की मौत हुई है। युवक के पिता राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह पी ब्लॉक की रॉयल एलबम शॉप पर काम करता था। बुधवार रात 11 बजे युवक दुकान की सफाई कर रहा था। इसी दौरान उसका मोबाइल उस जगह पर गिर गया, जहां दुकान में लगी लिफ्ट आकर ठहरती थी। युवक जैसे ही मोबाइल लेने के लिए वहां पहुंचा, ऊपर से लिफ्ट उस पर गिर गई। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। एसएचओ पृथ्वीपाल सिंह का कहना है कि इस मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, दुकान को सीज भी नहीं किया गया। जांच अधिकारी से रिपोर्ट मिलने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। दुकान के पार्टनर कुंदन धामू ने बताया कि संभवत: युवक सफाई या किसी अन्य काम से उस जगह पर गया था, जहां लिफ्ट जाकर ठहरती है। युवक लिफ्ट की आवाज सुन नहीं पाया। यह एक हादसा है। युवक के परिवार में पिता, पत्नी और 2 बेटे हैं। पिता हेल्थ डिपार्टमेंट के रिटायर्ड कर्मचारी हैं। बड़ा बेटा यश है, जो करीब 13 साल का है और 9वीं कक्षा में पढ़ता है। छोटा बेटा खुशहाल 11 साल का है और कक्षा छठी क्लास में पढ़ता है। मनोज का छोटा भाई भी प्राइवेट जॉब करता है।

10 किलो गांजा सहित युवक गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद थाना पुलिस ने बस स्टैंड क्षेत्र से अवैध मादक पदार्थ गांजा 10 किलो 840 ग्राम सहित एक जने को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोपुरा निवासी वर्धा चंद्र गुर्जर पिता मेवाराम गुर्जर उम्र 37 वर्ष को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी हंसपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आसींद क्षेत्र में देर रात्रि पुलिस गश्त के दौरान सोपुरा बस स्टैंड के पास एक व्यक्ति दो सफेद कट्टे लेकर दिखाई दिया जो पुलिस टीम को देखकर भागने की कोशिश करने लगा तो पुलिस ने पकड़कर पूछताछ की तो कट्टे में अवैध मादक पदार्थ गांजा 10 किलो 840 ग्राम होना पाया। सोपुरा निवासी वर्धा चंद्र गुर्जर पिता मेवाराम गुर्जर को गिरफ्तार किया।

पटेल, पाटीदार, डांगी समाज का टीएसपी में ओबीसी आरक्षण को लेकर शक्ति प्रदर्शन

छह किलोमीटर लंबी महारैली में 50 हज़ार से अधिक समाजजन मौजूद रहे

डूंगरपुर, (निसं)। टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण को लेकर पटेल, पाटीदार, डांगी समाज मुखर हुआ। जिला मुख्यालय पर पटेल पाटीदार डांगी समाज ने गुरुवार को सरदार पटेल जयंती के उपलक्ष में शक्ति प्रदर्शन करते हुए विशाल महारैली निकाली। श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के नेतृत्व में सुबह दस बजे पाटीदार छात्रावास में समग्र पटेल, पटीदार, डांगी समाजजन एकजुट हुए। सैकड़ों की तादाद में चौपहिया, दुपहिया व ट्रैक्टर वाहनों को लेकर महारैली में भाग लेने के लिए समाजजन आए। महारैली पाटीदार छात्रावास से रवाना हुई। 50 हज़ार से ज़्यादा की संख्या में सफ़ेद वेशभूषा में युवा व बुजुर्ग शामिल हुए। महारैली पाटीदार छात्रावास से नए बस स्टैंड, पुराने बस स्टैंड व तहसील चौराहा होते हुए कलेक्ट्री से सरदार पटेल चौराहे पर पहुँचे। वहां सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दशहरा मैदान में सभा का आयोजन किया गया।

मांगों को लेकर पटेल, पाटीदार, डांगी समाज ने रैली निकाली।

मां कुलदेवी संस्थान के अध्यक्ष दलीचंद डांगी की अध्यक्षता, पूर्व उपजिला प्रमुख प्रेमकुमार पाटीदार, जिलाध्यक्ष वल्लभराम पाटीदार, फ्लॉवर किड्स पंचवटी के चेयरमैन डायालाल पाटीदार विकासनगर, समाजसेवी उद्योगपति रमेश पाटीदार खूंटवाड़ा, महेंद्र डांगी धताणा, वेलजी भाई, राजेश चीखली, युवा उद्यमी संतोष पाटीदार रणौली, कृष्णा पटेल ओड़ाबड़ा, श्यामसुन्दर पाटीदार, नानालाल पटेल खड़क चौखला, प्रेमजी पटेल धोलागीर खेड़ा, गोकुल दादा, नाथुलाल पाटीदार बेरा डूंगरी, भूरालाल पाटीदार काठडी, हीरालाल इंदौड़ा, महेंद्र पाटीदार ठाकरडा के आतिथ्य में सभा हुई। महेंद्र डांगी ने बताया कि यदि क्षेत्र में वर्ग को आरक्षण नहीं दिया जाएगा तो बहुत बड़ा आंदोलन किया जाएगा। वर्ग अब सहन नहीं करेगा, जो भी दल की माँगों को पूरा करेगा उसे अपना मत देगा। दलीचंद डांगी ने कहा कि आज पटेल पाटीदार डांगी समाज के युवा एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। यह पूरे समाज के लिए ख़ुशी की बात है। हमें युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए उनका मार्गदर्शन करना होगा।

■ 'जो पटेल, पाटीदार, डांगी समाज का साथ देगा, समाज उसका ही साथ देगा'

डायालाल पाटीदार विकासनगर ने बताया कि युवाओं को अनुशासित होकर कार्य करना होगा। प्रेमकुमार पाटीदार ने कहा कि समाज के संगठन को मज़बूत करने के लिए कार्य करना होगा। वल्लभराम पाटीदार ने कहा कि बुजुर्ग ही हमारे समाज की सबसे बड़ी पूँजी हैं। सभी का डूंगरपुर की धरा पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हैं।

रमेश खूंटवाडा ने बताया कि सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं को हमेशा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रयास करना होगा। महापुरूषों का जीवन हमें लक्ष्य तक ले जाने में स्वदेश सफल बनाता हैं। कवि सुनील पटेल नेजपुर ने कहा कि जो पटेल पाटीदार डांगी समाज का साथ देगा समाज उसका ही साथ देगा। 50 हज़ार से अधिक पटेल पटीदार डांगी समाजजन की उपस्थिति ने महारैली को डूंगरपुर की सबसे बड़ी महारैली के रूप में परिवर्तित किया है। क्षेत्र में हक़ की लड़ाई को हम लड़ेंगे और जीतेंगे। डायालाल पाटीदार नवाडेरा ने कहा कि हमारा नेता हम तय करेंगे कोई और नहीं, जो हमारी माँगों को अपने घोषणा पत्र में शामिल करेगा उपचुनावों में उसकी विजय होगी। श्यामसुंदर पाटीदार ने कहा कि जो समाज संगठित होता है वहीं राज करता है। खड़क चौखला के सुनील पटेल ने बताया कि आज समाज पूर्ण रूप से संगठित हो गया है अब हम हमारी माँगों को लेकर रुकने वाले नहीं हैं। कार्यक्रम का संचालन कवि सुनील पटेल नेजपुर ने किया। आभार भगवानलाल धावड़िया ने जताया।

टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण को लेकर पटेल पाटीदार डांगी समाज मुखर हुआ। टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी के आरक्षण को लेकर पटेल पाटीदार डांगी समाज लंबे अरसे से संघर्षरत हैं। इस बार महारैली में शक्ति प्रदर्शन कर समाज ने टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण का लाभ दिलाने वाले दल को खुलकर समर्थन करने का दावा किया। उपचुनाव से ठीक पहले इस महारैली को कई महीनो में खास माना जा रहा हैं। पटेल पाटीदार डांगी समाज ने महारैली व सभा कर 12 सूत्रीय मांग रखी। मुख्य रूप से 31 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती पर राजकीय अवकाश, केंद्र की सूची में पटेल पाटीदार डांगी समाज को ओबीसी में सम्मिलित करने, टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी आरक्षण शीघ्र लागू करने, प्रेम विवाह में माता-पिता की स्वीकृति अनिवार्य करने जैसी मांगों को रखा।

बारुद के पटाखे से विस्फोट, पिता-पुत्री झुलसे

■ पिता की आंखों के पास पहुंचा बारुद का विस्फोट, बेटी भी झुलसी

बीकानेर, (निसं)। जिले के लूणकरणसर कस्बे में दीपावली पर बारूद के अवैध रूप से बने पटाखे चलाते समय विस्फोट हो गया। इस दौरान पिता-पुत्री झुलस गए। गंभीर अवस्था में दोनों को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से डॉक्टर्स ने पीबीएम अस्पताल के लिए रैफर कर दिया।

टाइगर फोर्स प्रदेश अध्यक्ष महिपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि कस्बे के वार्ड 28 निवासी सूरेंद्र पुत्र लिखमाराम कुम्हार (30) गुरुवार रात नौ बजे अपने घर पर पटाखे चला रहे थे। इस दौरान विस्फोट होने से सुरेंद्र गंभीर घायल हो गया। उसके पास में ही खेल रही उसकी तीन वर्षीय बेटी मंजू पटाखे के बारूद से गंभीर घायल हो गई। बारूद से सुरेंद्र की दोनों आंखें व चेहरे पर चोट आई है। हाथ की एक अंगुली भी जल गई। घटना के बाद परिजनों ने घायलों अस्पताल पहुंचाया, वहां से प्राथमिक उपचार के बाद बीकानेर ट्रॉमा सेंटर भर्ती करवाया है।

दीपावली से पहले दुकान लगाने को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गए। इस दौरान एक युवक ने दूसरे पर चाकू से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां अभी इलाज चल रहा है। घटना की एफआईआर सदर थाने में दर्ज हुई है। पुलिस के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के चौखूंटी एरिया में विवाद हुआ है। जहां खुशबू जनरल स्टोर के पास रात करीब आठ से नौ बजे के बीच दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दो युवकों में हाथापाई हो गई। इसी दौरान आसिफ पुत्र नजीर खान के चाकू लगा। जिसमें वह घायल हो गया। उसे तुरंत पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसे भर्ती करके इलाज किया जा रहा है। बयान के आधार पर सदर पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की है। बयान में आसिफ ने पुलिस को बताया कि दुकान लगाने के विवाद के चलते गैरसरिया क्षेत्र में रहने वाले सिकंदर लोदरा पुत्र सलीम ने उस पर चाकू से वार कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए है।

गैस रीफिलिंग करते ब्लास्ट, छह जने झुलसे

■ बेसमेंट में अवैध तरीके से गैस भर रहा था दुकानदार, ऑटोरिक्शा में बैठे लोग चपेट में आए

■ आसपास के लोगों ने रेत डालकर आग बुझाने की कोशिश की और दमकल को सूचना दी

नोखा, (निसं)। जिले में अवैध गैस रिफिलिंग करते समय ब्लास्ट होने से 6 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना नोखा के पट्टी पैड़ा रोड पर गुरुवार रात की है। जानकारी के अनुसार, यहां ऑटोरिक्शा रिपेयरिंग की एक दुकान के बेसमेंट में गैस रिफिलिंग का अवैध सेंटर चलाया जा रहा था। एक व्यक्ति का जलते हुए वीडियो भी सामने आया है। पार्षद अंकित तोषनीवाल और देवकिशन चांडक ने फौरन घायलों को नोखा के जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें बीकानेर रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही नोखा के सीओ हिमांशु शर्मा और थानाधिकारी हंसराज लूणा मौके पर पहुंचे।

थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया कि हादसे में कुशाल, आनंद, धनराज, किशन, ओमप्रकाश और खिंदासर निवासी मुकेश घायल हुए हैं। घटना के कारण की जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि नोखा के पट्टी पैड़ा रोड पर एक बेसमेंट में अवैध गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था। बाहर पांच लोग ऑटो रिक्शा में बैठे हुए थे और एक व्यक्ति बेसमेंट में रिफिलिंग कर रहा था। उसी दौरान अचानक गैस रिसाव के चलते तेज धमाका हुआ। बेसमेंट में गैस रिफिलिंग करता व्यक्ति बुरी तरह झुलस गया। वहीं, ऑटो रिक्शा में बैठे सभी लोग भी आग की चपेट में आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने रेत डालकर आग बुझाने की कोशिश की और दमकल को सूचना दी।

नाग पहाड़ी पर 100 बीघा क्षेत्र में आग लगी

■ आग की चपेट में वन्य जीव व औषधीय पौधे आए

अजमेर, (कासं)। दीपावली पर्व पर शहर के कई क्षेत्रों में आगजनी की घटनाएं सामने आई। प्रमुख रूप से ऐतिहासिक नाग पहाड़ी पर आग लगने से वन्य जीव सहित औषधीय पेड़ पौधे चपेट में आए तो वहीं मिठाई तथा रंग की दुकान में आग लगने से लाखों का माल जल गया। दरगाह क्षेत्र में फूल बावड़ी में आग लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस व अग्निशमन विभाग के दमकल ने आग पर काबू पाया।

अजमेर के पुष्कर की ऐतिहासिक नाग पहाड़ी पर शुक्रवार देर रात अचानक आग लग गई। सूखी झाड़ियों में लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और करीब 100 बीघा क्षेत्र में फैल गई। पहाड़ी पर लगी आग की लपटें दूर-दूर से दिखाई दे रही थी। दीपावली पर दीपों की रोशनी देख रहे लोगों का ध्यान पहाड़ी की तरफ गया तो वे हैरान रह गए। वन विभाग की टीम ने करीब पांच छह घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया, आग से पहाड़ के जंगल और जीव जंतुओं का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार नाग पहाड़ पर आग शुक्रवार देर रात करीब 8 बजे लगी थी, आग अल सुबह करीब 3 बजे तक धधकती रही, हवा के साथ पूरी पहाड़ी पर फैली आग को देखकर वन विभाग की टीमों के हाथ पांव फूल गए। वन विभाग की टीम ने स्थानीय लोगों व पुष्कर की कोबरा टीम की मदद लेकर 5 से 6 घंटे की कड़ी मशक्कत की बाद आग पर काबू पाया। नाग पहाड़ी पर अक्सर असामाजिक तत्वों का डेरा जमा रहता है। जानकारों ने फेंकी गई बीड़ी या सिगरेट के कारण लगने की आशंका जताई है। वन विभाग भी जांच में जुटा है। आग इतनी भीषण थी कि इसे कई किलोमीटर दूर से भी देखा गया। कई लोगों ने आग के वीडियो अपने कमरे में कैद किया, वहीं ड्रोन कैमरे से भी आग के इस भयानक दृश्य को कैद किया गया। भीषण आग से कई वन्य जीवन आग की चपेट में आ गए। नाग पहाड़ आग की चपेट में आने से सूखी झाड़ियों और पेड़ पौधों के साथ ही औषधीय जड़ी बूटियां भी जलकर खाक हो गई, आग के कारण कई जीव जंतु, सांप और पशु पक्षी भी मारे गए।

अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में शॉर्ट सर्किट से एक मिठाई की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। अचानक लगी इस आग से लाखों का सामान जल कर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार दमकलकर्मी अर्जुन महावर ने बताया कि प्रगति नगर स्थित पंडित मोहनलाल माधोलाल दूध वाला की मिठाई की दुकान में सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग से दुकान का फर्नीचर डिफ्रिज एसीए फॉल सिलिंग सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया।

इसी प्रकार दरगाह थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 12 स्थित फुल बावड़ी में अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसी प्रकार आगरा गेट स्थित एक पेंट्स की दुकान में आग लग गई। आग लगने से दुकान में रखा सामान जलकर स्वाह हो गया। सरवाड़ कस्बे में शहर के लिंक मार्ग स्थित सुमित अजमेरा की दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर सरवाड़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की दमकल को बुलवाकर आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों का सामान जलकर स्वाहा हो गया।

युवक की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के रोही डबलीराठान में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतक के शव को जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया है। इस मामले में सदर थाना पुलिस युवक की पहचान के प्रयास में जुटी है।

सदर पुलिस के अनुसार डबलीराठान रेलवे स्टेशन अधीक्षक राजेश सिंह (55) पुत्र नागदेव सिंह निवासी सेक्टर नम्बर नौ, हनुमानगढ़ जंक्शन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शुक्रवार दोपहर एक बजे रोही डबलीराठान में रेलवे लाइन पर युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव पहचान के लिए हनुमानगढ़ टाउन के जिला अस्पताल की मॉर्चुरी कक्ष में रखवाया है।

बाजार में जाली नोट चलाते दो युवकों को ग्रामीणों ने दबोचा

■ दोनों युवकों से 21 हजार 500 रूपये के नकली नोट जप्त

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बे में जाली नोट बाजार में चलाते दो युवकों को ग्रामीणों के सहयोग से थाना पुलिस ने दबोच 21 हजार 500 रूपये के नकली नोट जप्त किये।

लाम्बाहरिसिंह कस्बे के बस स्टैण्ड पर दो युवक नकली नोट बाजार में सप्लाई व चलाने का प्रयास कर रहे थे। व्यापारी व आमजन को दोनों युवको पर संदेह होने पर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच लाम्बाहरिसिंह से मोरला रोड पर बाइक सवार श्यामलाल पुत्र जगदीश माली व ओमप्रकाश पुत्र बद्रीप्रसाद खाती निवासी मोरला को पकड तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से 21 हजार 500 रूपये के जाली नोट बरामद किये गये। पुलिस द्वारा पूछताछ कर नकली नोट लाने की जानकारी जुटाई तो दोनों युवकों ने यह नोट मोरला निवासी गजानन्द प्रजापत से लेने की जानकारी दी। युवकों ने बताया कि उनके साथ-साथ अन्य लोगों को भी ऐसे नोट बाजार मे चलाने के लिये दिये हैं। नगरपालिका शहरी क्षैत्र मे दिनदहाडे जाली नोट चलाने की मिली सुचना पर लाम्बाहरिसिंह पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक आशीष प्रजापत ने थानाधिकारी मुकेश चौधरी से सम्पूर्ण मामले की जानकारी जुटा पकडे गये दोनों युवकों से गहन पूछताछ कर नोट कहां से आने व कहां तैयार होने तथा अब तक ऐसे नकली नोटों को किस-किस जगह चलाने तथा इस गोरखधंधे में किन लोगों का शामिल होने को लेकर पूछताछ शुरू की है।

लाम्बाहरिसिंह कस्बे में जाली नोट बाजार में चलाते दो युवकों को पुलिस ने दबोचा।

नहर में कूदकर युवक ने आत्महत्या की

हनुमानगढ़, (निसं)। बेची गई भैंस के रुपए नहीं दिए जाने से परेशान एक युवक ने इंदिरा गांधी नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में रावतसर पुलिस थाना में दो व्यक्तियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने नहर से बरामद युवक का शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

पुलिस के अनुसार शेरसिंह (22) पुत्र ओमप्रकाश बिश्नोई निवासी वार्ड 33, रावतसर ने लिखित रिपोर्ट पेश करते हुए बताया कि उसका भाई विनोद कुमार पुत्र पृथ्वीराज पशु खरीदने-बेचने का कार्य करता है। 16 अक्टूबर को रमेश कुमार दईया पुत्र रामप्रताप जाट निवासी चक 10 केडब्लूयूडी, चक भाखरांवाला ने उसके भाई विनोद से एक भैंस 72 हजार रुपए में खरीदी और कहा कि वह एक सप्ताह में भैंस बेचकर उसके रुपए अदा कर देगा, लेकिन एक सप्ताह बाद उसके भाई विनोद ने दौलतराम नाई के साथ रमेश दइ्या से मिलकर रुपए मांगे तो रमेश दइया आवेश में आ गया और कहने लगा कि उसने तो उससे ठगी मारकर भैंस लेनी थी। उसने भैंस को आगे बेचान कर दिया है। अब न तो वह भैंस देगा और न ही भैंस के रुपए। इस पर उसके भाई विनोद कुमार ने 29 अक्टूबर को रावतसर पुलिस थाना में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। विनोद कुमार नोखवाल पुत्र शेरसिंह कुम्हार निवासी वार्ड 12, रावतसर की कॉल आई और कहा कि उसका भाई विनोद कुमार इंदिरा गांधी नहर की 84 आरडी नम्बर पुलिया के पास कूद गया है। साथ ही विनोद नोखवाल ने उसे बताया कि उसके भाई विनोद कुमार ने नहर में कूदने से पहले उससे फोन पर बात की और कहा कि रमेश दईया उसके रुपए नहीं दे रहा। वह रमेश दइ्या से बात करे। अगर रमेश दइ्या उसके पैसे नहीं देगा तो वह इंदिरा गांधी नहर में कूदकर जान दे देगा।

साथ ही विनोद कुमार ने बताया कि जब वह रमेश दईया के खिलाफ रावतसर पुलिस थाना में प्रार्थना पत्र सौंपने गया तो कॉन्स्टेबल महेश कुमार ने कुलदीप गोस्वामी को फोन किया तो कुलदीप गोस्वामी ने कहा कि विनोद बिश्नोई को जूते मारकर बाहर निकाल दो। उसके बाद कॉन्स्टेबल महेश कुमार ने कहा कि दो-तीन दिन बाद ही आना। उसके बाद ही कार्रवाई करेंगे। शेरसिंह के अनुसार उसका भाई विनोद कुमार रुपए न दिए जाने की बात से प्रताड़ित था। इसी वजह से विनोद ने नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली।

प्राइवेट डॉक्टर ने दुकानदार की हत्या की

टोंक, (निसं)। सोप थाना क्षेत्र में गुरुवार को रुपये के लेनदेन के मामले को लेकर प्राइवेट डॉक्टर ने चाकू से हमला कर दुकानदार की हत्या कर दी।

सोप थाना प्रभारी राजेश तिवाड़ी ने बताया कि थाना क्षेत्र के छाण हाल उनियारा निवासी डॉक्टर गजेंद्र सिंह उम्र (40) पुत्र सीताराम मीणा उनियारा में डेंटल क्लीनिक चलाता है। गुरूवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह कार लेकर छाण गया और परचूनी दुकानदार राजेंद्र (43) पुत्र शंकर लाल मीणा पर चाकू से दो तीन वार कर फरार हो गया। चाकू के वार से राजेंद्र गंभीर घायल हो गया, बाद में परिजन व ग्रामीण उसे सवाई माधोपुर के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज शुरु किया गया। सूचना मिलते ही सोप थाना पुलिस सवाई माधोपुर अस्पताल पहुंची और घायल राजेंद्र के बयान लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। उसके बाद घायल की हालत में सुधार नहीं होने पर डॉक्टर ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। जिसने जयपुर पहुंचने से पहले रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाद में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि आरोपी ने करीब 70 हजार रुपये मृतक को उधार दे रखे थे।

दीपावली पर्व उल्लास के साथ मनाया

देर रात तक चली आतिशबाजी, पुष्कर सरोवर पर दीपदान हुआ

■ विदेशी सैलानियों ने भी दीपावली त्यौहार व आतिशबाजी का लुफ्त उठाया

अजमेर, (कासं)।धन और ऐश्वर्य का छह दिवसीय दीपावली पर्व उल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। घर-आंगन दीपोत्सव की रोशनी से जगमगा उठे। शहरवासियों ने मंत्रोच्चार के बीच शुभ मुहूर्त में महालक्ष्मी का पूजन किया। 31 अक्टूबर व 1 नवंबर को दीपावली होने की स्थिति में शहरवासियों ने कईयों ने 31 अक्टूबर को तथा कईयों ने 1 नवंबर को दीपावली पूजन किया। वहीं शनिवार को गोवर्धन पूजा की।

शहरवासियों ने विधि-विधान से धन और ऐश्वर्य की देवी महालक्ष्मी का पूजन किया। महिलाओं-बालिकाओं और युवतियों ने घरों में पारंपरिक मांडना, अल्पना और रंगोली सजाई। गन्ना, लक्ष्मी पाना, खील-फूले, बताशे, कमल के पुष्प, लौंग, इलायची, हरे मूंग, सुगंधित इत्र, अबीर, सीताफल और अन्य सामग्री के साथ घरों व्यापारिक प्रतिष्ठानों में महालक्ष्मी, गणेश, विद्या की देवी सरस्वती व धन के देवता कुबेर जी की पूजा की गई। मिट्टी के दीपक और रंग बिरंगी रोशनी से समूचा शहर जगमगाता नजर आया। गांधी भवन, कलेक्ट्रेट, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न सरकारी विभागों, गौरव पथ, आनासागर चौपाटी, पुष्कर रोड चौपाटी पर भी रंग बिरंगी लाइटें लगाई गई। नया बाजार, केसरगंज, मदार गेट सहित बजरंगगढ़ सर्किल और अन्य स्थानों पर रंग बिरंगी लाइटों से शहर जगमगा उठा। कई दुकानदारों ने व्यक्तिगत स्तर पर दुकानों में सजावट की। लक्ष्मी पूजन के बाद शहरवासी रोशनी देखने के लिए बाजारों में निकले। बजरंगगढ़ चौराहा, आनासागर चौपाटी पर खड़े होकर लोगों ने सेल्फी लेने के साथ-साथ वीडियो बनाए। देर रात तक आतिशबाजी का दौर चला। लोगों ने जमकर पटाखे चलाए तथा राम राम वाले दिन एक-दूसरे को दीपावली शुभकामनाएं दी। दीपावली पर पुलिस-प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलर्ट रही। सुरक्षा के सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर में चौराहों और बाजारों में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई थी। दिन और बाजारों में पुलिसकर्मी वर्दी और सादे कपड़ों में पैदल गश्त कर रहे थे।

अजमेर में दीपावली की सजावट देखने के लिये बाजारों में भीड़ उमड़ी।

पुष्कर में दो दिवसीय दीपावली त्यौहार हर्षोल्लास व श्रद्धा से मनाया गया। लोगों ने सुख समृद्धि के लक्ष्मी गणेश की पूजा-अर्चना की। इस मौके पर रात जमकर पटाखे छोड़े गए, जिससे तीर्थ नगरी देर रात तक फटाके की आवाज से गूंजती रही। इस मौके पर विदेशी सैलानियों ने भी दीपावली त्यौहार व आतिशबाजी का जमकर लुफ्त उठाया।

श्रद्धालुओं द्वारा किए गए दीपदान से ब्रह्म सरोवर के घाट जगमगा उठे, वही नगर परिषद द्वारा मुख्य बाजार व विशेष स्थलो पर भव्य सजावट की गई। वही अजमेर रोड पर नवनिर्मित ब्रह्मा प्रवेश द्वार पहली बार रोशनी से जगमगा उठा। इस मौके पर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर में भव्य सजावट कर ब्रह्मा गायत्री का मनमोहक श्रृंगार किया गया।

तीन बच्चों को कार ने चपेट में लिया, दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के अरणा फांटा के समीप भाट बस्ती के सामने एक कार चालक ने लापरवाही दिखाई और सड़क पार कर रहे तीन बच्चों को चपेट में ले लिया। इसमें दो की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजीव गांधी नगर पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन को सुपुर्द किया। मृतक बच्चें की मामा की तरफ से कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। कार चालक का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि धर्मपुरा भील बस्ती मोकलावास निवासी मनोज भील पुत्र गोविंद गार्ड की नौकरी करता है। 30 अक्टूबर की रात को उसका भांजा 10 वर्षीय गणपत पुत्र भोमाराम, दो बच्चियां दस साल की संगीता पुत्री राजूराम भील एवं राखी वहां आई हुई थी। यह लोग रात को वापस लौट रहे थे। तब अरणा फांटा भाट बस्ती के सामने उसकी टैक्सी पंचर हो गई। तब वह गाड़ी लेकर खड़ा था और पंचर वाले की दुकान का पता लगाने का प्रयास कर रहा था। इस बीच बच्चे सामने एक दुकान पर नमकीन लेने चले गए। फिर लौटते वक्त वे सड़क पार करने के लिए किनारे खड़े थे। तब एक कार का चालक तेजी से आया और तीनों गणपत, संगीता और राखी को चपेट में ले लिया। तीनों बुरी तरह घायल हो गए। जहां से उन्हें तत्काल एमडीएम अस्पताल ले जाया गया। मगर यहां अस्पताल लाए जाने पर गणपत और संगीता की मौत हो गई। राखी का अस्पताल में उपचार जारी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN

File No. 2658-2665 **Notice Inviting Bid** Date-25.10.2024

Bid (E-NIT No. 13/2024-25) for "Road Safety Work, Protection Wall & Building Maintenance Work" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 07.11.2024. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 51.03 lacs.

NIB NO.: PWD2425A2409

UBN NO. 1. PWD2425WSOB08918, 2. PWD2425WSOB08919, 3. PWD2425WSOB08920, 4 PWD2425WSOB08921, 5. PWD2425WSOB08923

(Hari Narayan Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun

DIPR/C/10700/2024

शव मिलने से सनसनी फैली

पावटा । कस्बा पावटा स्थित बावडी के पास दिल्ली जयपुर रोड पर एक कचरे के ढेर में अज्ञात शव मिलने से हडकंप मच गया। युवक के शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। जानकारी के मुताबिक प्रागपुरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि कस्बा पावटा स्थित बावडी के पास दिल्ली जयपुर रोड पर एक कचरे के ढेर में किसी युवक का शव पडा है। सूचना मिलने के बाद प्रागपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और वहां आसपास मौजूद लोगों की मदद से शव को कचरे के ढेर से निकलवाया। बताया जा रहा है कि शव किसी 26-28 साल के युवक का है, उक्त व्यक्ति के दाहिने हाथ पर शोहिल कोहनुर विनास राज खन्ना भुजा पर संजना लिखा हुआ है। वही आसपास के लोगों ने बताया कि उसे एक हरियाणा रोड वेज से उतरते देखा था व उसके बाद वह इधर उधर घूम रहा था। वही कचरे के ढेर में शव पडे होने की जानकारी फैलते ही आसपास के बहुत से लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी शस की शिनात टमाटर पुत्र रामसुख उम्र 26 साल निवासी खण्डेला के रूप मे हुई।

जलदाय मंत्री ने बाजार में डोर टू डोर पहुंच कर दी दीपावली की शुभकामनाएं

मालपुरा (निस) पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व के अर्न्तत लक्ष्मी पूजन के दूसरे दिन शुक्रवार को केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने मालपुरा व टोडारायसिंह मे डोर टू डोर पहुंच लोगो को दी दीपावली की शुभकामनाऐं। पुरानी तहसील बारादरी बालाजी मंदिर मे केबिनेट मंत्री ने विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियो व क्षैत्रवासियो की खुशहाली की कामना कर हिन्दु समरसत्ता मंच एवं सभी समाजो के अध्यक्ष व गणमान्य लोगो के साथ शहर मे डोर टू डोर पैदल चलते हुये लोगो से रामा श्यामा कर दीपावली की शुभकामनाऐं दी।

पालिका अध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी सहित मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चन्द जैन, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार जैन,डॉ. अंकित कुमार जैन,सहित बडी संख्या मे भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहै। गांधी पार्क पर अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज के लोगो ने मानव श्रंखला बना केबिनेट मंत्री का स्वागत अभिनन्दन किया। तो मंत्री ने बुजुर्गो के पांव छुकर आर्शीवाद लिया। सुभाष सर्किल पर पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी द्वारा परिवारजनो के साथ मंत्री का भावभिना अभिनन्दन किया गया।

केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी मालपुरा मे पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी सहित गणमान्य लोगो के साथ की रामा श्यामा।

धूमधाम से मनाया श्री गोवर्धन पूजन का पर्व

- हजारों की संख्या में लोगों ने पाई पंगत प्रसादी

कोटपूतली। कस्बे सहित जिले भर में शनिवार को श्री गोवर्धन पूजन का पर्व बडे ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस वर्ष कार्तिक अमावस्या 31 अक्टुबर व 01 नवम्बर को रहने के कारण 02 नवम्बर को एक दिन छोडकर गोवर्धन पूजन का पर्व आयोजित हुआ। इस मौके पर क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में कढी, बाजरा, मूंग, चावल, सब्जी आदि का भोग बनाकर ठाकुर जी को लगाया गया। जिसके बाद पंगत प्रसादी का वितरण भी हुआ। मुख्य रूप से नागाजी कि गौर स्थित श्री नागाजी मन्दिर में महन्त श्री श्री 1008 मक्खन दास महाराज के सान्धिय में अन्कुट महोत्सव मनाया गया, अवध बिहारी मन्दिर में श्री श्री 1008 श्री डॉ. बालेश्वर दास महाराज के सानिध्य में,श्रीराम भवन, तालाब वाले शिव मंदिर, श्री दुर्गा माता मंदिर, गंगा कॉलोनी स्थित श्री शिव मंदिर, श्री नृसिंह जी मंदिर, कल्याण राय जी मंदिर, केशव जी मंदिर, बडाबास स्थित अखाडा वाले शिव मंदिर, जयसिंह गौशाला, कृषि उपज मंडी स्थित श्री शिव मंदिर, मोरीजावाला धर्मशाला स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, मौहल्ला बड़ाबास स्थित श्री डुंगा वाला हनुमान मंदिर सहित कस्बे के विभिन्न मंदिरों एवं आसपास के गांव-ढाणियों में भी अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। कस्बा स्थित बड़ा मंदिर में महंत नृसिंहदास जी महाराज के सानिध्य में अन्नकूट प्रसादी का आयोजन हुआ। जहाँ कंवरपुरा, गोरधनपुरा, मोहनपुरा, जोधपुरा आदि गांवों से पधारी सैकड़ों महिला श्रद्धालूओं ने मंदिर परिसर में भजन कीर्तन कर अन्नकूट प्रसादी ठाहण की।

विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

- पिता ने ससुराल पक्ष पर लगाया हत्या का आरोप

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के सुजातनगर गांव में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पुलिस के द्वारा विवाहिता के मरने व उसका शव कोटपुतली बीडीएम अस्पताल की मोर्चरी मे होने की सूचना पर जब महिला के मायके वाले अस्पताल पहुंचे तो बेटी मृतका साक्षी के गले पर निशान, पेट पर नीला निशान, पीठ व दाये हाथ निशान थे। वही एक दिन विवाहिता ने पहले मिलने आये अपने भाई को सास ससुर व पति अंकित द्वारा लगातार शारीरिक व मानसिक रुप से प्रताडित करने व मारपीट की जानकारी दी थी।

वही भाई द्वारा उनको समझाने की कोशिश करने पर पति ने बहन को सुबह मरी हुई ले जाने की धमकी दी थी। मृतका के पिता सेडुराम यादव ने उसके पति व ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामल दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। ककराना निवासी सेडुराम यादव ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि उसने अपनी बेटी साक्षी की शादी 11 माह पूर्व 29 अक्टूबर 2023 को अंकित पुत्र कैलाश चन्द यादव निवासी सुजातनगर पावटा के साथ की थी। शादी में उन्होंने अपनी बेटी को सोने, चांदी के गहने व नकदी पैसे सहित जरूरत का सारा सामान देकर विदा किया था।आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद से ही पति अंकित, ससुर कैलाशचन्द यादव व सास भगवती देवी पैसे व आभूषण की मांग को लेकर उसकी बेटी साक्षी से मारपीट कर प्रताडित करने लगे। पति, सास, ससुर ने कई बार उससे मारपीट की।

बेटी को परेशानी से बचाने के लिए उनके द्वारा मांगे गए सोने चांदी के आभूषण व पैसे भी दे दिये गए। लेकिन फिर कुछ समय बाद फिर से उसके ससुराल वाले उसकी बेटी को पैसे व आभूषण लाने के लिए परेशान करने लगे। लेकिन बेटी साक्षी द्वारा इसका विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर प्रताडित किया गया। वही 30 अक्टूबर बुधवार को उसका भाई प्रवीण उससे मिलने गया तो उसने अपने भाई को मारपीट कर प्रताडित करने की जानकारी दी। वही भाई प्रवीण द्वारा समझाने पर बहन को साथ ले जाने या अगले दिन उसे मरी हुई ले जाने की धमकी दी गई। अगले ही दिन गुरुवार की सुबह 5 बजे मेरे बेटे प्रवीण को पुलिस के द्वारा मेरी बेटी साक्षी के मरने व उसका शव कोटपुतली बीडीएम अस्पताल की मोर्चरी मे रखे होने की सुचना दी गई। सूचना पर अस्पताल मे पहुँचे परिजनो को मृतका साक्षी के गले पर निशान, पेट पर नीला निशान, पीठ व दाये हाथ निशान मिले। जिस पर मृतका साक्षी के पिता सेडुराम यादव ने आरोप लगाया है कि पैसे व आभूषणों की मांग को लेकर उसकी बेटी साक्षी की उसके पति अंकित, ससुर कैलाशचन्द यादव व सास भगवती देवी ने मारपीट करते हुए उसकी हत्या की है। उधर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार का कहना है कि मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवा दिया गया है। मामले में मृतका के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। जिस पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान जारी कर दिया। गुरुवार को ग्राम सुजातनगर मौके पर वृत्त विराटनगर वृत्ताधिकारी शिप्रा राजावत, थानाधिकारी राजेश मीणा ने घटना स्थल पर पहुंचकर घटना से साक्ष्य उठाए हैं। फिलहाल पुलिस मामले को लेकर जांच में जुटी है। जैसे ही परिजनों को बेटे साक्षी की मृत्यु का पता चला वैसे ही मृतका साक्षी की मां व भाभी, भाई, पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। इस घटना को लेकर खुशियां मातम में बदल गई।

1लाख 48 हजार 100रुपये व ताश के पत्ते किए बरामद

सिकराय,(निसं) छोटी दीपावली पर बुधवार को अचलपुरा गांव में देर रात को जिला पुलिस की विशेष टीम व सिकंदरा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जुआ खेलते 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 48 हजार100 रुपये की नगदी व ताश के पत्ते जब्त किए हैं। सिकंदरा थानाधिकारी सुणीलाल मीना ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली की अचलपुरा स्कूल की बाउंड्री के पास खाली जगह में 10-12 लोग ताश पत्तों पर दाव लगाकर हार-जीत का खेल खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और मौके से 12 लोगों को पकडकर उनकी तलाशी ली, जिनके पास एक लाख 48 हजार 100 रुपये की नगदी व ताश के पत्ते बरामद हुए।

फुलेरा में पांच दिवसीय दीपोत्सव मनाया

फुलेरा । फुलेरा में पांच दिवसीय दीपोत्सव मनाया। इस दौरान सर्वप्रथम मंगलवार को आयुर्वेद एवं धन के देवता धनवंतरी की पूजा की गई। साथ ही लोगों ने नये वाहन व सोने व चांदी के आभूषणों की खरीद की गई। इसके चलते बाजारों में भीडभाड का माहौल बना हुआ रहा। वहीं दूसरे दिन बुधवार को नरक चतुर्दशी व रूप चौदस का पर्व मनाया। इसके बाद गुरुवार को दिपावली का पर्व मनाया इस दौरान लोगों ने अपने घर व प्रतिष्ठानों और दुकानों पर दीपक जलाकर और विभिन्न प्रकार की लाईटें लगाकर सजाया। इसके अलावा सभी ने पटाखे फोडकर मनोरंजन किया। साथ ही धन की देवी माता लक्ष्मी,भगवान गणेश व माता सरस्वती की विशेष पूजा अर्चना की। साथ ही विभिन्न मिष्ठानों का भोग लगाया। वहीं अगले दिन गोवर्धन पूजा की गई। हालांकि तिथि परिवर्तन के चलते लोग पूजा अर्चना को लेकर गुमराह रहे। इसी क्रम में शनिवार को कस्बे के विभिन्न मन्दिरों में भगवान का पुष्प मालाओं से भव्य श्रृंगार कर झांकी सजाई गई। इसके बाद भगवान को अन्नकूट प्रसादी का भोग लगाया तथा प्रसाद का वितरण किया गया।

फुलेरा में पांच दिवसीय दीपोत्सव के दौरान भक्तों ने शनिवार को गोवर्धन पूजा की।

पिच्छिका परिवर्तन समारोह आज

निवाई । सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान मे मुनि अनुसरणसागर महाराज के सानिध्य में 3 नवंबर को दोपहर में अठावाल जैन मंदिर में पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित किया जाएगा। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष सुनील भाणजा एवं मीडिया प्रभारी विमल जौला ने बताया कि पिच्छिका परिवर्तन समारोह में दीप प्रज्जवलन, लोकार्पण, सांस्कृतिक मंगलाचरण, शास्त्र भेंट, वस्त्र भेंट, पिच्छिका भेंट, कमण्डलु भेंट व संगीतमय आचार्य पूजन के साथ अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 का चातुर्मास मुनि अनुसरण सागर महाराज संघ चार पिच्छिका का निवाई जैन समाज द्वारा सानन्द सम्पन्न करवाया गया। इस उपलक्ष्य पर रविवार को पिच्छिका परिवर्तन समारोह में मुनि अनुसरण सागर महाराज द्वारा जैन समाज को आशीर्वचन देंगे।

भाई दूज पर बहनों को भाई से महिलाओं की रक्षा करने का वचन ले : ममता जांगिड

चौंमू / कालाडेरा (निंस)। कालाडेरा निवासी ममता जांगिडं ने बताया कि भाई दूज के पावन पर्व पर सभी बहनों को भाई से महिलाओं की रक्षा करने का वचन लेना चाहिए। जिस प्रकार वर्तमान स्थिति में महिलाएं अपनें आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रही है प्रदेश की सभी बहनों से निवेदन करते हुए कहना चाहती हूं कि आप सभी बहनें अपने अपने भाइयों से महिलाओं का सम्मान व रक्षा करने का वचन ले। ममता जांगिड ने बताया कि भाई दूज का त्योहार कार्तिक महीने की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन मनाई जाती है। इस साल भाई दूज का त्योहार 3 नवंबर 2024 को मनाया जाएगा। इस पर्व को यम द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन बहने अपने भाई को तिलक लगाती हैं और उनको नारियल देती हैं। इस पर्व को हर जगह पर अलग- अलग तरीके से मनाया जाता है। भाई दूज का पर्व भाई बहन के प्रेम का पर्व माना जाता है। इस दिन बहने भाई को को तिलक लगाती है और उनकी लंबी उम्र के लिए भगवान से कामना करती हैं। भाई दूज का पर्व भाई बहन के अटूट प्रेम को दर्शाता है। इस दिन बहने अपने भाई को तिलक लगाती हैं और उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करती हैं। भाई को तिलक करने के बाद भाई अपनी बहनों को अपनी क्षमतानुसार उपहार देते हैं। भाई दूज के दिन बहने अपने भाई को निमंत्रण देकर उन्हें भोजन भी करवाती हैं। सनातन धर्म में भाई दूज के त्योहार का बहुत ही विशेष महत्व है। इस पर्व को मनाने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। पौराणिक कथा के अनुसार कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन ही यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने गए थे। तब यमुना ने उनको आदर सत्कार से साथ बिठाया और तिलक लगाया था। उसके बाद यमुना ने यम को भोजन बनाकर बहुत ही प्रेम से खिलाया था। ये सब देखकर यम बहुत प्रसन्न हुए और अपनी बहन से वरदान मांगने के लिए कहा। तब यमुना ने कहा कि जो भी भाई इस तिथि के दिन अपनी बहन से मिलने आएगा और बहने अपने भाई का तिलक करेंगी। उनके भाई की आयु में वृद्धि होगी और उनको तरक्की मिलेगी। तब से भाई दूज का त्योहार मनाया जाने लगा। साथ ही हिन्दू पौराणिक कथाओं के अनुसार, राक्षस नरकासुर को मारने के बाद, भगवान कृष्ण अपनी बहन सुभद्रा से मिलने गए, जिन्होंने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने भगवान कृष्ण के माथे पर तिलक भी लगाया और तब से यह दिन भाई दूज के रूप में मनाया जाता है।

भाई दूज पर बहने अपने भाई के निमंत्रण देकर बुलाती हैं और उनको श्रीफल देती हैं। ऐसी मान्यता है कि नारियल का श्रीफल देने से भाई को सुख, समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही इस दिन तिलक भी लगाया जाता है। तिलक लगाने के लिए थाली में फूल, तिलक, सुपारी, पान और मिठाई रखती हैं। उसके बाद दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके दीपक जलाती हैं और आरती करके भाई को तिलक लगाती हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

निवाई- जयपुर सवाईमाधोपुर रेलवे ट्रेक पर स्थित बड की ढाणी अण्डर पास के समीप मुम्बई बान्द्रा बिकानेर ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर रेलवे पुलिस व निवाई पुलिस मय जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को एंबुलेंस की मदद से राजकीय सामुदायिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी हरिराम वर्मा ने बताया कि जयपुर सवाईमाधोपुर रेलवे ट्रेक पर स्थित बड की ढाणी अण्डर पास के समीप मुम्बई बान्द्रा बिकानेर ट्रेन की चपेट में आने से अजय बैरवा 18 पुत्र बाबूलाल बैरवा निवासी संठामपुरा की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्ट मार्टम करवाकर शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की तलाश मे जुटी है।

झुलसने से गाय की हुई मौत

निवाई। शुक्रवार की रात दीपावली पर्व पर कीर कॉलोनी में पटखों की आतिशबाजी से आग लग गई। जिसमें झुलसने से एक गाय की मौत हो गई। गौ सेवक राहुल जाट व आशु अग्रवाल ने बताया कि दीपावली पर्व पर कीर कॉलोनी में पटखों की आतिशबाजी से चारे में आग लग गई। आग में झुलसने से एक गाय की मौत हो गई।

गोवर्धन पूजा कर लोगों ने की सुख-शांति की कामना

भगवान गोवर्धन की पूजा के लिए भक्तों ने अन्नकूट की प्रसादी बनाई।

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में दीपावली का पर्व गुरुवार को हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया गया। रात भर क्षेत्र में आतिशबाजी होती रही। गुरुवार को रात दीपावली पर्व को लोगों ने परंपरागत रूप से मनाया। देर रात तक बाजारों में चहल-पहल रही। लोगों ने खूब खरीदारी की तथा शुभचितकों, मित्रों को उपहार भी भेंट किए। पूजा का सामान बेचने वालों, खेल-बताशे व मिठाई विक्रेताओं के यहां ग्राहकों की भारी भीड रही।

मिट्टी के दिये बेचने वालों के यहां भी खरीदारों की भीड रही। मिठाई विक्रेता भी खुश दिखे। रात में घर-घर में लक्ष्मी-गणेश का पूजन किया गया। पूजन करने के बाद बच्चों ने आतिशबाजी की।जहां प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार के नेतृत्व में नगर व क्षेत्र में अतिरिक्त गश्त बढाई गई, वहीं पावटा प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा विशेष अभियान चलवाकर नगर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखी। उधर शनिवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर कस्बे के मंदिरों में अन्नकूट का आयोजन कर गोवर्धन पूजा का पर्व धूम-धाम से मनाया गया। शहर ओर ग्रामीण क्षेत्रों मे गोवर्धन पूजा के गोबर का गोवर्धन भगवान बनाया गया और खुशाली के लिए पूजा अर्चना की गई। दरअसल, दीपावली के अगले दिन गोवर्द्धन पूजा की जाती है, लेकिन दिपावली के दूसरे दिन ग्रह पडने के कारण शनिवार को मंदिरों, घरों और गोशालाओं में गोबर का गोवर्धन बनाकर शाम को विशेष पूजा-अर्चना कर अन्नधन और सुख समृद्धि की कामना की गई। यह अन्नकूट गोवर्धन पूजा घर में अन्नधन और सुख समृद्धि बने रहने के लिए लोग करते हैं। इस पूजा में भगवान श्री कृष्ण की अराधना व पूजा की जाती है। पूजा में मंदिरों मे अन्नकूट का भोग लगाया जाता है और श्रद्धालुओं द्वारा गौ पूजन किया जाता है। पूजा में शामिल सैकडों की संया में पहुंचे श्रद्धालु भगवान को चढाए गए भोग का प्रसाद जमीन पर पंक्तियों में बैठ कर श्रद्धापूर्वक ग्रहण करते हैं और अपने घर में अन्न-धन बने रहने की भगवान कृष्ण से कामना करते हैं।जगह-जगह अन्नकूट के भंडारे आयोजित करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

सार-समाचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाई सरदार पटेल की जयंती

टोंक। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि तथा स्वतंत्रता सेनानी देश के प्रथम गृहमंत्री वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर जिला कांठोस कमेटी जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा सहित कांग्रेस पदाधिकारियों ने देश के दोनों महान सपूतों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। छावनी स्थित इंदिरा सर्किल पर इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये तत्पश्चात पटेल सर्किल स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हरि प्रसाद बैरवा ने कहा कि देश के दोनों महान सपूतो को नमन करते हुए कहा कि भारत की एकता व अखण्डता को संजोये रखने के लिए व सशक्त एवं प्रगतिशील भारत के निर्माण में दृढ़ इच्छा शक्ति, कुशल नेतृत्व व दूरदर्शिता के लिए स्व. इंदिरा गांधी जी को हमेशा याद किया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत को सम्पूर्ण देश बनाने वाले भारत के लोह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का व्यक्तित्व विचार सदैव आने वाली पीढियों को राज सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि पूर्व विधायक कमल बैरवा, संगठन महासचिव दिनेश चौरासिया, महावीर तोगड़ा, सलीमुद्दीन खान, शिवजीराम मीणा, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, मिर्जा इरशाद बेग, सेवादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, रामलाल संडीला महामंत्री, अशोक महावर महामंत्री, कमलेश चावला, शबाना बी सेवादल महिला अध्यक्ष, आमिर फारूक, नजीर हसन, इरशाद खान, पार्षद शब्बीर अहमद, हंसराज गाता, मोहन लाल चौधरी, वसीउल्ला बेग, शोकत हुसेन कायमखानी, पूर्व पार्षद शकील मियां, सुरेन्द्र रेगर, सुभाष मिश्रा, मोती लाल बैरवा, सलीम दुर्रानी, मुराद गांधी आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद रहे।

पटाखों की चिंगारी से चारा जला

मालपुरा (निस) दीपावली पर्व पर की गई आतिशबाजी कई परिवारों की खुशियों में बाधित बन गई। पटाखों की चिंगारी से अलग-अलग गांवों में लगी आग से दस ट्रोली चारा आग में समा गया। लाम्बाहरिसिंह गांव मे सकराम गुर्जर के बाडे मे लगी आग से चार ट्रोली चारा जल गया। तो सदरपुरा गांव में नन्दलाल कुमावत के बाडे मे लगी आग से तीन ट्रोली चारा जल गया। वही टोडारायहिसंह क्षैत्र के गोपालपुरा गांव मे रामस्वरूप जाट के बाडे मे लगी आग से तीन ट्रोली चारा जल गया। सुचना पर पहुंची मालपुरा टोडारायसिंह नगरपालिका दमकलो की सहायता से आग पर पाया गया काबू।

पानी में डुबने से युवक की मौत

मालपुरा (निस) मालपुरा टोडारायसिंह सडक मार्ग पर मैहरू खेडा गांव के पास पानी मे डुबने से युवक की हुई मौत। मिली जानकारी के अनुसार मालपुरा 5डूहार के ट्रक स्टेण्ड निवासी युवक किशन नायक पुत्र कालू नायक जो कि मैहरू खेडा गांव से मालपुरा की और आ रहा था। बांध के पास तालाब की पाल पर बाईक अनियंत्रित हो पानी मे पलटी खा गई। हादसे मे युवक के उपर बाईक गिर जाने व पानी मे डुब जाने से युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पास से गुजर रहै राहगीरो की सुचना पर पहुंचे ग्रामीणो ने बाईक व युवक को निकाल मालपुरा थाना पुलिस की सहायता से मालपुरा जिला अस्पताल पहुंचाया। शनिवार की सवेरे पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौंपा गया।

युवक ने की आत्महत्या

टोंक। कोतवाली थाना क्षेत्र के शोरंगरान मोहल्ले में एक युवक ने फांसी का फंदा लगाकर की जीवन लीला समाप्त थानाधिकारी भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि थाने पर सूचना मिली कि शोरगरान मोहल्ले में विनोद पुत्र लडूराम रैगर जाती रैगर उम्र 30 साल ने अपने घर में शर्ट से फंदा लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली जहा उसे परिजनों द्वारा सआदत हॉस्पिटल लाया गया जिसे डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सुपुर्द किया कारणो का खुलासा नहीं हुआ मृतक बेलदारी का कार्य करता परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया मामले को। लेकर अनुसंधान जारी है।

आयुषी गोयल का स्वागत किया

पावटा। आयुषी गोयल पुत्री बृजमोहन गोयल निवासी पावटा ने राजस्थान न्यायिक सेवा में 51रैंक हासिल की है। शनिवार को ब्राह्मण महासभा पावटा तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा के नेतृत्व मे ब्राह्मण समाज के लोगों द्वारा उनका स्वागत समान करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान राजेश शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि यह न्यायिक परिवार व कस्बे के लिए गौरव का अवसर है जब हमारे किसी बच्चों का न्यायिक सेवा में उचित रैंक में चयन हुआ है। स्वागत समान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बृजमोहन गोयल, महेंद्र गोयल, ब्राह्मण महासभा पावटा तहसील अध्यक्ष राजेश शर्मा, पावटा बार एशोसिएशन अध्यक्ष विष्णु शर्मा, गजानंद टीलावत, सुनील गौड, विमलेश शर्मा, भरतमल शर्मा, दीपक पटेल, गिरिराज बोहरा सहित ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

दीपावली स्नेह मिलन 5 को

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती धार्मिक स्थल भन्दे बालाजी परिसर स्थित प्रजापति समाज धर्मशाला परिसर में आगामी 5 नवम्बर को श्री ब्रह्मा प्रजापति विवाह एवं विकास समिति की आवश्यक मीटिंग एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन समिति के अध्यक्ष हुक्माराम दम्बीवाल की अध्यक्षता में किया जायेगा। इस दौरान समिति के पदाधिकारी और प्रजापति समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहेंगे। उपरोक्त जानकारी समिति के कोषाध्यक्ष बाबुलाल प्रजापति के द्वारा दी गई। साथ ही सामाज के लोगों से उक्त दीपावली स्नेह मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

भाई बहन के प्यार का प्रतिक भाई दूज पर्व आज

निवाई- भाई बहन के प्यार का प्रतिक भाई दूज का पर्व रविवार को मनाया जाएगा। भाई बहन के प्यार का प्रतिक भाई दूज का पर्व कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। पंचांग के आधार पर इस साल भाई दूज का त्योहार 3 नवंबर को मनाया जाएगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार भाई दूज पर्व यानी द्वितीय तिथि का आरंभ 2 नवंबर की रात 8:22 बजे से द्वितीया तिथि की समाप्ति पर 3 नवंबर की रात 11: 6 बजे तक शुभ मुहूर्त है। भाई बहन के स्नेह, सौहार्द व प्रीति का प्रतीक भाई दूज का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर पूजा करती है और उनके लिए भोजन तैयार करके अपना प्यार प्रकट करती हैं। वहीं भाई भी बहनों को उपहार देकर उनकी रक्षा करने का अमिट वादा करते हैं।

गोवर्धन की हुई पूजा

निवाई- शहर सहित ठामीण क्षेत्र में दीपावली पर्व श्रद्धा पूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीप महोत्सव के चलते हर आंगन में खुशी व उमंग का माहौल था। हर कोई बाजार से सामान लाने में व्यस्थ था तो कोई लक्ष्मी पूजन की तैयारियों में व्यस्थ थे। सभी रंग बिरंगे परिधान पहनकर दीपावली पर्व पर उत्साह पूर्वक काम कर रहे थे। वही लोगों ने मोबाईल, व्हाटसप एवं फेसबुक द्वारा लोगों को एक दूसरे को दीपावली की बधाईयां दी। शुक्रवार को शुभ मुहुर्त के अनुसार लोगों ने मां लक्ष्मीजी की विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना कर सुख समृद्वि की मनोकामना की। वहीं महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सजकर मंदिरों व घर-घर दीप दान किया। तो बच्चों एवं युवाओं ने जमकर आतिशबाजी का लुप्त उठाया।

मेरे हिसाब से इस स्थान को भरने का एकमात्र दावेदार नाथन मैकस्वीनी है, जो क्वींसलैंड में जन्मे हैं और अब दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ए की तरफ से भी अच्छा प्रदर्शन किया है। - **रिकी पोंटिंग**

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर रिकी पोंटिंग, नाथन मैकस्वीनी की वकालत करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित राजपाल

भारत के गैर खिलाड़ी डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उन्होंने 'शट अप' उन्हें एजेंडे के तहत लगातार निशाना बना रहे कुछ लोगों के लिये कहा था , देश के टेनिस समुदाय के लिये नहीं जैसा कि पेश किया जा रहा है। राजपाल ने पीटीआई को दिये इंटरव्यू में कहा कि डेविस कप कप्तान के रूप में उनकी योग्यता पर सवाल उठाने वाले लोगों को रिसर्च करना चाहिये और वह उन लोगों में से नहीं है जो खिलाड़ियों के नहीं चाहने पर पद पर बने रहेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... मैक्सिको में 1970 में हुए विश्व कप फुटबॉल में पहली बार लाल व पीले कार्ड का उपयोग शुरू किया गया, पर इस विश्वकप में एक भी खिलाड़ी को लाल कार्ड नहीं दिखाया गया।

पैराग्लाइडिंग करते समय गिरने से विदेशी पायलट की मौत

शिमला, 2 नवम्बर। हिमाचल प्रदेश की पर्यटन नगरी मनाली के प्रमुख पर्यटन स्थल मढ़ी में पैराग्लाइडिंग करते हुए गिरने से विदेशी महिला की मौत हो गई है। देर से प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक यह हादसा गत बुधवार को पेश आया। पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार चेक गणराज्य की नागरिक मिसुर्सवा डिटा केसका मढ़ी में पैराग्लाडिंग कर रही थीं। मिसुर्सवा खुद ही पैराग्लाइडर को उड़ा रही थीं। अचानक उसका ग्लाइडर क्रेश हो गया। चोट लगने के कारण महिला को मिशन अस्पताल में लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मनाली के पुलिस उपाधीक्षक केडी शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला के परिजनों को दूतावास के माध्यम से सूचना भेजी गई है। हादसे की वजह का पता नहीं चल पाया है। वहीं, कुल्लू जिला मुख्यालय के साथ लगती लगघाटी के भुट्टी में एक पैराग्लाइडर ने आपात लैंडिंग की है। विदेशी पायलट ने मनाली से उड़ान भरी थी, लेकिन मौसम अनुकूल न होने के चलते उसे आपात लैंडिंग ही करनी पड़ी। गनीमत यह रही कि इस दौरान कोई हादसा पेश नहीं आया। आपात लैंडिंग करने वाला पायलट रूस का नागरिक है। इसका एक सोशल मीडिया भी वीडियो वायरल हो रहा है।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में शाकिब, लिटन बांग्लादेश टीम से बाहर

ढाका, 2 नवम्बर। अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिये बांग्लादेश की टीम में शाकिब अल हसन और लिटन दास को जगह नहीं मिली है। नजमुल हुसैन शान्तो 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करते रहेंगे, जबकि मेहदी हसन मिराज उप कप्तान होंगे।दिलचस्प बात यह है कि अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के स्वेच्छा से श्रृंखला से हटने के बाद उनके नाम पर विचार नहीं किया गया है। इसके अलावा सूची से एक और बड़ा नाम लिटन दास का नहीं है। लिटन बुखार से उबर रहे हैं। इसके अलावा कंधे की चोट से जूझ रहे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हसन महमूद को टीम में शामिल नहीं किया गया है।अनामुल हक और तैजुल इस्लाम को भी टीम में जगह नहीं मिली है। बांग्लादेश ने 22 वर्षीय अनकैप्ड पेसर नाहिद राणा को शामिल किया है, जिन्होंने अब तक पांच टेस्ट खेले हैं। सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और बाएं हाथ के स्पिनर नसुम अहमद को भी वापस बुला लिया है। जाकिर, जिन्होंने पिछले साल सितंबर में अपना वनडे डेब्यू किया था, ने प्रारूप में सिर्फ एक मैच खेला है और नसुम ने आखिरी बार नवंबर 2023 में एकदिवसीय मैच खेला था।

ईस्ट बंगाल ने नेजमेह को हराकर क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

थिम्पू, 2 नवम्बर। भारत की ईस्ट बंगाल एफसी ने शुक्रवार को अपने अंतिम ठाुप ए मैच में लेबनान की नेजमेह एससी को 3-2 से हराकर एएफसी चैलेंज लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। भूटान के थिम्पू के चांगलीमथांग स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ईस्ट बंगाल को गोल बाबा मुसाह के (आठवें मिनट में) किये गये आत्मघाती गोल से बढ़त मिली। उसके बाद दिमित्रियोस डायमंताकोस ने (15वें मिनट) में गोल कर भारतीय फुटबॉल क्लब की बढ़त दोगुना कर दी। नेजमेह एससी ने कोलिन्स ओपारे के (18वें मिनट) और हुसैन मोनथर के (42वें मिनट) में किये गये गोलों के जरिए वापसी की, लेकिन डायमंताकोस की (77वें मिनट) में पेनल्टी किक ने ईस्ट बंगाल के लिए जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत ने ईबीएफसी को मार्च में होने वाले एएफसी चैलेंज लीग के क्वार्टरफाइनल में सीधे प्रवेश दिलाया। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्लब ने अपने पहले मैच में पारो एफसी के साथ 2-2 से ड्रा खेला और फिर अपने पिछले मैच में बशुंधरा किंग्स को 4-0 से हराया।

यू मुंबा ने रोमांचक मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स को दो अंक से हराया

हैदराबाद, 2 नवम्बर। अजित चव्हाण (14 अंक) के दम पर यू मुंबा ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी दूसरी जीत दर्ज कर ली है। मुंबा ने गुरुवार को गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में सीजन के 28वें मैच में जयपुर पिंक पैंथर्श को 39-37 से हरा दिया। यू मुंबा के लिए अजित चव्हाण ने सबसे ज्यादा 14 अंक लिए जबकि आमिरमोहम्मद जफरदानिश ने चार अंक चुराए। वहीं, जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए नीरज नरवाल (12 अंक) ने सुपर-10 लगाया जबकि कप्तान अर्जुन देशवाल और अंकुश राठी ने चार-चार अंक लिए। यू मुंबा की चार मैचों में यह दूसरी जीत है। टीम के अब 13 अंक हो गए हैं। वहीं, पूर्व चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स को पांच मैचों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमें अपना पिछला मैच टाई खेलकर इस मुकाबले में जीत के लिए उतरी। सधी शुरुआत के बाद दोनों ने पहले कुछ मिनटों तक अपनी रणनीतियों को अमल में लाना शुरू कर दिया। लेकिन यू मुंबा आज एक अलग प्लान के साथ उतरी और वो अजित चव्हाण को लगातार रेडिंग में भेज रही थी। अजित आज शानदार फॉर्म में थे और इसी बदौलत पहले पांच मिनट तक यू मुंबा एक प्वॉइंट से आगे थी और उसका स्कोर 4-3 का था। जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए कप्तान अर्जुन पहले 10 मिनट में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए।

शुभमन गिल ने किया कमाल, शतक से चूके फिर भी बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। शुभमन गिल ने मुंबई टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 90 रन की पारी खेली लेकिन शतक से चूक गए। उन्होंने बावजूद इसके एक खास मुकाम अपने नाम किया है। दरअसल, गिल ने साल 2024 में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। भारती और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है।

बता दें कि, गिल भारत की पहली पारी के दौरान नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने इस दौरान 146 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए। गिल ने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। उन्होंने इस पारी की बदौलत इस कैलेंडर ईयर में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए। शुभमन ऐसा करने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के छठे बल्लेबाज हैं। इस मामले में यशस्वी जायसवाल ने भी 2024 में 800 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए हैं।

फिलहाल, टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को पहली पारी में 235 रनों के स्कोर पर ऑल आउट कर दिया था। वहीं दूसरी पारी में टीम संघर्ष कर रही है। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में 263 रन बनाए। भारत के लिए गिल और पंत ने फिफ्टी जड़ी। पंत ने 60 रनों की पारी खेली।

3 साल के अनीश सरकार ने रचा इतिहास

शतरंज की दुनिया में सबसे कम उम्र में फिडे रेटिंग हासिल करने वाले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। जिस उम्र में आम बच्चे ठीक से बोल भी नहीं पाते हैं उस उम्र में अनीश सरकार ने शतरंज की दुनिया में इतिहास रच दिया है। दरअसल, 3.5 साल के अनीश ने पहले ही टूर्नामेंट में डेब्यू कर लिया था। लगभग महीने बाद, अनीश ने अपना पहला रैपिड रेटिंग टूर्नामेंट खेला। अनीश भाग्यशाली रहे कि उन्हें सिमुल में भारत के नंबर 1 और दुनिया के नंबर 4 ग्रैंड मास्टर अर्जुन इरिगैसी के खिलाफ खेलने का मौका मिला। अनीश ने एक हफ्ते बाद 2 रेटेड खिलाड़ियों को हराया और उसके अगले सफ्ताह में फिडे में रेटिंग हासिल की। एक नवंबर 2024 को उनकी एलो रेटिंग आधिकारिक हो गई और उनका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया।

26 जनवरी 2021 को जन्में अनीश सरकार ने 3 साल 8 महीने 19 दिन की उम्र में अपनी पहली रेटिंग 1555 हासिल की। उनका पहला रेटिंग टूर्नामेंट 1 ऑल बंगाल रैपिड रेटिंग ओपन 2024 था। उन्होंने वहां 5/11 का प्रभावशाली स्कोर बनाया। इसके बाद उत्तरी कोलकाता में रहने वाले अनीश महज 3 साल 8 महीने और 19 दिन की उम्र में फिडे रेटिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। अनीश ने भारत के ही तेजस तिवारी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। तेजस तिवारी ने 5 साल से कम उम्र में ये उपलब्धि हासिल की थी।

अनीश ने अक्टूबर में पश्चिम बंगाल राज्य अंडर-9 ओपन प्रतियोगिता से प्रतिस्पर्धा शतरंज में डेब्यू किया। इस युवा खिलाड़ी ने अपनी पहली प्रतियोगिता में ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए संभावित 8 में से 5.5 अंक हासिल किए। इस बीच उन्होंने दो रेटेड खिलाड़ियों अरव चटर्जी और अहिलान बैश्य को हराया। वह कुल मिलाकर 24वें स्थान पर रहे।

इस बीच, उन्हें ग्रैंडमास्टर अर्जुन इरिगैसी के खिलाफ खेलने का भी मौका मिला। अनीश सरकार को इसके बाद पश्चिम बंगाल राज्य अंडर-13 ओपन में खेलने का मौका मिला। उस टूर्नामेंट में उन्होंने पांच रेटेड खिलाड़ियों का सामना करने की अर्हता पूरी की। इस तरह से उन्हें फिडे रेटिंग में 1555 की प्रारंभिक रेटिंग मिली।

पंजाब किंग्स ने महज दो खिलाड़ियों को किया रिटेन, अर्शदीप और शिखर को दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। आईपीएल के 18वें सीजन से पहले सभी फ्रैंचाइजी ने रिटेंसन लिस्ट से पर्दा उठा दिया है। जिसमें सभी टीमों ने आज यानी 31 अक्टूबर की डेडलाइन के मुताबिक अपनी-अपनी रिटेंशन लिस्ट बीसीसीआई को सौंप दी है। इसमें पंजाब किंग्स ने महज 2 खिलाड़ी रिटेन किए हैं। पंजाब कि फ्रेंचाइजी ने युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी शशांक सिंह और प्रभसिमरन सिंह को टीम में रोका है। आईपीएल इतिहास के 17 सालों में एक बार भी खिताब ना जीत पाने वाली पंजाब किंग्स एक बार फिर से अपनी टीम में बदलाव कर रही है। उन्होंने बड़े नामों को किनारे कर पिछले साल बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शशांक सिंह और पंजाब के लोकल बॉय विकेटकीपर बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को रिटेन किया है। पंजाब ने इन दोनों ही युवा खिलाड़ियों को करोड़ रुपये में रिटने किया है। जहां शशांक सिंह को 5.5 करोड़ तो प्रभसिमरन सिंह को 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया। वहीं अब उनके पर्स में 110.5 करोड़ की भारी रकम बची है। वो अब अगले महीने संभावित दिख रहे मेगा ऑक्शन में एक बड़े पर्स वैल्यू के साथ नीलामी में उतरेगी।वहीं पंजाब ने अर्शदीप सिंह जैसे बड़े तेज गेंदबाज को अपने साथ नहीं लिया। अर्शदीप सिंह को रिटन प्लेयर की लिस्ट में माना जा रहा था। वहीं सैम कर्रन को भी पंजाब ने दूर कर दिया तो कगिसो रबाडा और जितेश शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी छोड़ने का फैसला किया।

रविचंद्रन अश्विन की शानदार गेंदबाजी, ग्लेन-यंग को अश्विन ने दिया अनोखे तरीके से चकमा

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन एक बार फिर वापसी की। दूसरी पारी में जडेजा और अश्विन की गेंदबाजी के सामने कीवी बल्लेबाज फेल रहे। भारत ने पहली पारी में 28 रन की बढ़त हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड के अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन 9 विकेट झटक लिए हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स दूसरी पारी में ताबड़तोड़ बल्लेबाज करते हुए नजर आए और भारत के लिए खतरा बन गए थे। हालांकि, अश्विन ने उन्हें ज्यादा देर तक क्रीज पर टिकने नहीं दिया। न्यूजीलैंड की पारी के 33वें ओवर की पहली और तीसरे गेंद पर अश्विन के खिलाफ ग्लेन ने दमदार छक्के जड़े। हालांकि चौथी गेंद पर ग्लेन फिलिप्स चकमा खा गए। अश्विन ने कैरम बॉल करके उनको चारों खाने चित कर दिया। ग्लेन क्लीन बोल्ड होने के बाद कुछ देर तक क्रीज पर रहे पिच को निहारते रहे। ग्लेन फिलिप्स ने 14 गेंद में 26 गेंद में 26 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में एक चौका और तीन छक्के लगाए । इसके बाद

अश्विन ने विल यंग को भी अपने कैरम बॉल में फंसाया। विल यंग अर्धशतक बनाकर खेल रहे थे। 39वें ओवर की आखिरी गेंद पर वह कॉट एंड बोल्ड हुए। विल यंग ने 100 गेंद में 51 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भारत के लिए अश्विन ने तीन और जडेजा ने 4 विकेट अपने नाम किए।

पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी को 14 अंक से हराया

हैदराबाद, 2 नवम्बर। तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में गुरुवार खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 27वें मैच में दबंग दिल्ली केसी को 44-30 के स्कोर से हरा दिया। चार मैचों में पटना की यह दूसरी जीत है जबकि दिल्ली को छह मैचों में चौथी हार मिली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में पटना की जीत में अयान (12) और दंवाक (12) की अहम भूमिका रही। इसके अलावा डिफेंस में शुभम शिंदे (3) और आलराउंडर अंकित (3) ने अच्छा योगदान दिया। दिल्ली के लिए आशू मलिक (10) और विनय (10) ने सराहनीय खेल दिखाया लेकिन डिफेंस की नाकामी ने उनके प्रयासों पर पानी फेर दिया।

कोहली ने 2027 तक आरसीबी के साथ 20 साल पूरे करने के संकेत दिए

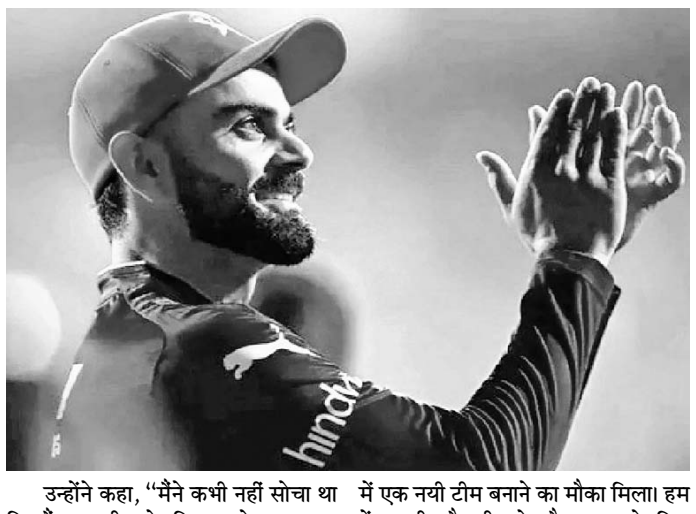

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। विराट कोहली को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 21 करोड़ रुपये की फीस पर रिटेन किया है और भारत के स्टार क्रिकेटर ने संकेत दिए कि वह 2027 तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहेंगे जिसमें उनका लक्ष्य आरसीबी के साथ 20 साल पूरे करना है।

कोहली के शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के समय को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि यह 36 वर्षीय खिलाड़ी कोविड-19 की शुरुआत के बाद से पिछले चार वर्षों से ज्यादा धमाल नहीं कर पाया है। वह 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से ही आरसीबी के लिए खेल रहे हैं और प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ियों में शुमार रहे हैं।

उन्होंने 131.97 के शानदार स्ट्राइक रेट से 8,000 से अधिक रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 55 अर्द्धशतक शामिल हैं। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' में संकेत दिया कि उनका लक्ष्य 2027 तक कम से कम तीन साल और खेलना है। उन्होंने इसमें कहा, "इस चक्र के अंत में मुझे आरसीबी के लिए खेलते हुए 20 साल हो जायेंगे और यह मेरे लिए बहुत ही खास अहसास है।"

उन्होंने कहा, "मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक टीम के लिए इतने साल तक खेलूंगा, लेकिन इतने वर्षों में रिश्ता सही में बहुत विशेष हो गया है।" उन्होंने फिर कहा कि वह खुद को किसी अन्य फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए नहीं देखते। उन्होंने कहा, "मैं आरसीबी के अलावा कहीं और खुद को खेलते हुए नहीं देखता। मैं बहुत खुश हूं कि ऐसा हुआ। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मुझे इस नीलामी में एक नयी टीम बनाने का मौका मिला। हम फ्रेंचाइजी और टीम के तौर पर इसके लिए उत्साहित हैं।"

कोहली ने साथ ही फ्रेंचाइजी और इसके प्रशंसकों से करीबी रिश्ते की बात की और कहा कि उनका लक्ष्य टीम को खिताब दिलाना होगा। उन्होंने कहा, "हर कोई जानता है कि आरसीबी मेरे लिए कितनी अहमियत रखती है। इतने वर्षों का यह विशेष रिश्ता लगातार मजबूत होता जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि प्रशंसक और फ्रेंचाइजी से जुड़े सभी लोग भी ऐसा ही महसूस करेंगे।"

कोहली ने कहा, "मैं भी इस चक्र का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। और निश्चित रूप से लक्ष्य अगले चक्र में कम से कम एक बार आईपीएल खिताब जीतना है।" उन्होंने वादा किया कि आरसीबी आईपीएल खिताब जीतने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। कोहली ने कहा, "हम हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे और सभी को गर्व महसूस कराने की कोशिश करेंगे। प्रशंसकों के समर्थन के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। मैं आभारी हूं।"

वहीं आरसीबी के कोहली को रिटेन करने के बाद फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने स्वीकार किया कि उन्हें टीम में बरकरार रखना हैरानी भरा नहीं है क्योंकि वह आगामी वर्षों ममें आरसीबी की सफलता के लिए अहम होंगे। फ्लावर ने 'जियोसिनेमा' से कहा, "भारत में विराट को रिटेन करना किसी के लिए भी हैरानी भरा नहीं होगा। वह भविष्य में आरसीबी की सफलता के लिए अहम हैं और अहम रहेंगे। पिछले साल उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने हमें प्लेऑफ में पहुंचाया।"

आरपीसी और कानोता पोलो के बीच आरपीसी पोलो कप टूर्नामेंट का फाइनल

कानोता पोलो एडवांटेज अंक से जीती

जयपुर, 2 नवंबर। कानोता पोलो खिलाड़ी प्रताप सिंह कानोता ने दूसरे और तीसरे चक्कर में तीन गोल दागते हुए अपनी टीम को 2 गोल के आरपीसी कप पोलो टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा दिया। शनिवार को आरपीसी मैदान पर कानोता पोलो ने कृष्णा पोलो को रोमांचक मुकाबले में 6.5-6 गोल से हराया।

आज सुबह 11 बजे खेले गए मैच में कानोता पोलो बनाम कृष्णा पोलो के मध्य खेला गया जिसमें कानोता पोलो ने 6.5-6 से कृष्णा पोलो को हराया। कानोता पोलो की ओर से केवल प्रताप सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किये, साथ ही विजेता टीम के लिए मयूरध्वज सिंह ओर अनिरुद्ध ने एक-एक गोल किया जबकि कानोता पोलो को 1/2 का एडवांटेज मिला हुआ था।

कृष्णा पोलो टीम के लिए ऐलन माइकल ने अपनी टीम को जीताने के लिए 3 गोल भी किये उम्दा खेल प्रदर्शन करए हुए विरोधी टीम पर कई अटैक भी किये लेकिन उन अटैक्स को ऐलन गोल में नही बदल पाए ओर कानोता टीम को मिले 1/2 गोल के एडवांटेज से कृष्णा पोलो हार गई। टीम के साथी खिलाड़ी अश्वनी शर्मा, शुभम गुप्ता ओर रणशेय ने एक-एक गोल किये। आज के मैच के एंपायर ज़ीशान अली मर्चेन्ट और आर्यन सिंह, रेफ्री लांस वाट्सन थे।

कूच बिहार ट्रॉफी राजस्थान अंडर 19 टीम घोषित

जयपुर 2 नवम्बर। बीसीसीआई द्वारा आगामी 6 नवम्बर से खेली जाने वाली राष्ट्रीय अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी (मल्टी डेज) में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर टीम का चयन राजस्थान जूनियर चयन समिति ने किया। राजस्थान जूनियर चयन समिति से राजस्थान अंडर 19 टीम का चयन कूच बिहार ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए किया है , राजस्थान का पहला मैच दिनांक 6 से 9 नबम्बर 2024 को झारखण्ड से व दूसरा मैच दिनांक 13 से 16 नवम्बर को महाराष्ट्र के विरुद खेला जायेगा। राजस्थान अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी टीम :-

कार्तिक शर्मा, तोषित भाटिया, पार्थ यादव, सचिन शर्मा, मो अनस, मोहत भगतानी, नावेद खान, तनय थवानी, आकाश मुंडेल, यश यादव, जतिन सैनी, आभास श्रीमाली, ध्रुव सेठी, निर्मल बिश्नोई, गुलाब सिंह, चंद्रपाल।

वर्षा बाधित मुकाबले में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

नॉर्थ साउंड 2 नवंबर। वर्षा प्रभवित मैच में गुडाकेश मोती (चार विकेट) के बाद एविन लुईस (94) की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने डकवर्थ लुईस पद्धित के आधार पर इंग्लैंड को पहले एकदिवसीय मुकाबले में आठ विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली हैं। गुडाकेश मोती को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इंग्लैंड के 209 रनों के जवाब में वेस्टइंडीज की ब्रैंडन किंग और एविन लुईस की सलामी जोडी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट लिये 118 रन जोडे। 20वें ओवर में लियाम लिविंगस्टोन ने ब्रैंडन किंग (30) को आउटकर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। 23वें ओवर में शतक की ओर बढ रहे एविन लुईस को आदिल रशीद ने आउटकर वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दिया। एविन लुईस ने 69 गेंदों में आठ छक्के और पांच चौके लगाते हुए (94) रनों की पारी खेली। बारिश के कारण खेले रोके जाने के समय कीसी कार्टी (नाबाद

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर www.jda.urban.rajasthan.gov.in

क्रमांक: जविप्रा/ जोन-11/ उपा./2024/ डी-3520 **आम सूचना:** दिनांक: 28.10.2024

निम्नलिखित आवेदक द्वारा नाम प्रतिस्थापन हेतु/ लीजडीड हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड का क्षेत्रफल	ग.नि.स.स./निजी खातेदारी योजना /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा, जिसके लिये आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	श्री लोकेन्द्र सिंह कविया पुत्र श्री पीराग दान	मैसर्स सिटी वण्डर डवलपर्स जरिये भागीदार श्री ज्ञानचन्द अग्रवाल	247	155.55	निजी खातेदारी	श्रीनाथ विहार	लीजडीड हेतु	विक्रय पत्र के आधार पर एक से अधिक बार बेचान किये जाने पर

इस संबंध में किसी व्यक्ति/ संस्था/ हितधारी को कोई आपत्ति हो, तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा समय सीमा पश्चात् आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी कर दिया जावेगा। समय सीमा पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। सुचित रहे। उपायुक्त जोन-11, जविप्रा, जयपुर।

कार्यालय ग्राम पंचायत रामडी पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक: ग्रा.पं./24-25/43 दिनांक-21.10.2024

ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2024-25

पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत रामडी में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

NIB NO. PIN2425A0022, UBN NO. PIN2425WSOB00022

योगेन्द्र गोस्वामी- ग्राम विकास अधिकारी — शेरसिंह मीना - सरपंच

ग्राम पंचायत रामडी पं.स. सवाई माधोपुर — ग्राम पंचायत रामडी पं.स. सवाई माधोपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत लोखाड़ा पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक-65 **ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2024-25** दिनांक-29.10.2024

पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत लोखाड़ा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

NIB NO. PIN2425A0023, UBN NO. PIN2425WSOB00023

ग्राम विकास अधिकारी — सरपंच

ग्राम पंचायत लोखाड़ा — ग्राम पंचायत लोखाड़ा

ग्राम पंचायत वार्ड माधोपुर — पं.स. सवाई माधोपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत कुण्डेरा पंचायत समिति स.मा. जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक-1109 **ई-निविदा सूचना संख्या - 02/2024-25** दिनांक-28.10.2024

पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत कुण्डेरा में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

NIB NO. ZSM2425A0457, UBN NO. ZSM2425WSOB00607

ग्राम विकास अधिकारी — सरपंच

ग्राम पंचायत कुण्डेरा — ग्राम पंचायत कुण्डेरा

ठाम पंचायत सवाई माधोपुर — पं.स. सवाई माधोपुर

कार्यालय नगर पालिका किशनगढबास (खैरथल-तिजारा) राज.

क्रमांक/न.पा.कि.बास/2024/4138 दिनांक-29.10.2024

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2024-25 में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के समस्त वार्डो को ODF++ घोषित किया जा रहा है यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन की अन्दर 07 दिवस की समयावधि में नगरपालिका किशनगढबास कार्यालय में लिखित रूप में प्रस्तुत करें बाद में मियाद आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सूचित रहे !

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका किशनगढबास

कार्यालय नगर पालिका किशनगढबास (खैरथल-तिजारा) राज.

क्रमांक/न.पा.कि.बास/2024/4137 दिनांक-29.10.2024

आम सूचना

नगर पालिका किशनगढ़बास (खैरथल-तिजारा) स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अन्तर्गत सरकार की निर्धारित गाईड लाईन के अनुसार ODF+ घोषित है-

1. अगर कोई व्यक्ति खुले में शौच/मूत्र करता हुआ पाया जाता है तो नगरपालिका द्वारा सरकार की निर्धारित गाईड लाईन के अनुसार शास्ती लगाई जायेगी।
2. प्लास्टिक/पॉलिथिन कैरी बैग का उपयोग प्रतिबंधित तथा अपराध है। अत प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग, विक्रय व भण्डारण नहीं करें, जूट कागज व कपडे के थैले का उपयोग करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका किशनगढबास

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी की विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने मुखारविन्द का जल एवं दुग्धाभिषेक किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने पुंछरी ग्राम में गोवर्धन पूजा की

सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत हुआ

- **डीग जिले के पुंछरी ग्राम में श्रीनाथजी मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें 56 प्रकार के पकवान का बाल भोग तैयार किया गया व श्रद्धालुओं में अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित किया गया।**

डीग (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को डीग जिले के ग्राम पूंछरी में श्रीनाथजी मंदिर में विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की।

उन्होंने प्रदेशवासियों को दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और प्रदेश में सुख-समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली के लिए कामना की है। श्रीनाथजी मंदिर के महंतों ने मंदिर परंपरा के अनुसार मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री को देख श्रद्धालुओं में उत्साह एवं प्रसन्नता देखने को मिली । सप्तकोसी परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह पर आमजन ने माला पहनाकर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनों से मुलाकात की, बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया तथा सभी को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश विकसित राज्य बने ऐसी उनकी कामना है। इससे पूर्व पूंछरी हेलीपैड पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ म, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, विधायक बहादुर सिंह कोली, आईजी राहुल प्रकाश, जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा सहित अन्य अधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अगवानी की। गोवर्धन पूजा के अवसर पर श्रीनाथजी मंदिर में धूमधाम के साथ अन्नकूट महोत्सव का भी आयोजन किया गया। छप्पन प्रकार के पकवान बनाकर बाल भोग तैयार किया गया। जिसे श्रद्धालुओं में अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। मंदिर को पुष्पों से भव्य तरीके से सजाया गया और भगवान श्रीनाथजी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर भजन लाल शर्मा ने दुग्धाभिषेक किया।

काँगो से 13 दिन बाद महेन्द्र राठौड़ का शव जोधपुर पहुंचा

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने शव को जोधपुर लाने में अहम भूमिका अदा की

- **जोधपुरवासी महेन्द्र को उसकी कम्पनी ने अपेंडिक्स की परेशानी के कारण अस्पताल में भर्ती कराया था, जहाँ उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी।**
- **कंपनी के संचालक मृतक का दाह संस्कार काँगो में ही कराने के लिए दबाव बना रहे थे, जिसके कारण उसके परिजनों को मौत पर संदेह हो गया।**

जोधपुर, (कासं)। अफ्रीकी देश काँगो में जोधपुर के एक युवक महेंद्र राठौड़ की संदेहपूर्ण परिस्थिति में मौत हो गई थी। उसका शव पिछले 13 दिनों से काँगो में अटका हुआ था। शव जोधपुर नहीं पहुंचने पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर इसका मुद्दा उठाया था।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने प्रयास कर शव को जोधपुर लाने में अहम् भूमिका अदा की, जिसके बाद महेन्द्र राठौड़ का शव आज जोधपुर पहुंचा। महेंद्र काँगो में एक कंपनी में काम करता था।

जहाँ 19 अक्टूबर को संदेहपूर्ण हालात में उसकी मौत हो गई। कंपनी का कहना कि उसकी मौत एपैंडिक्स के कारण हुई थी। कंपनी द्वारा शव को रोके जाने पर परिवार के लोगों को संदेह पैदा हुआ।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इसको गंभीरता से लेते हुए काँगो की एम्बैसी से संपर्क किया। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका के अध्यक्ष प्रेम भंडारी से भी परिवार वालों ने गुहार लगाई थी। तेरह दिन बाद महेंद्र का शव एयर इंडिया की फ्लाइट से मुंबई पहुंचा, फिर आज दोपहर में जोधपुर पहुंचा।

ज्ञातव्य है कि, महेंद्र जिस कंपनी में काम करता था उनकी तरफ से एपैन्डिक्स की समस्या के कारण उसे अस्पताल में भर्ती करवाया बताया गया था, जहां उपचार के बीच उसकी मौत होना बताया गया। घरवालों ने उसकी मौत पर संदेह जताया। महेंद्र की मौत के बाद कंपनी संचालक उसका अंतिम संस्कार वहीं करने के लिए दबाव बना रहा था। इसलिए परिवार वालों को संदेह हुआ।

लश्कर का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी और सेना के जवाबी हमले के बाद, दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गये।

उन्होंने बताया कि अनंतनाग में कछवान के हलकान गली में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ उस समय शुरू हुई, जब संयुक्त बल जंगल क्षेत्र में तलाश अभियान चला रहे थे। इसी दौरान, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये हैं। यहां सुरक्षा बलों का अभियान अभी जारी है।

इस बीच बांदीपोरा जिले में कल रात गोलीबारी के बाद बड़े पैमाने पर तलाश अभियान जारी है।

उन्होंने बताया कि बांदीपोरा के पनार इलाके में संदिग्ध गतिविधियां देखी गयीं। जब आतंकवादियों को ललकारा गया तो उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और जंगल में भाग गये।

बशीर अहमद ने प्रियंका गांधी का समर्थन किया

नयी दिल्ली, 02 नवंबर (वार्ता) इंडियन नेशनल लीग के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष प्रो बसीर अहमद खान ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है और केरल की वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव लड रहीं कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा को समर्थन देने की घोषणा की है।

खान ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में वायनाड क्षेत्र के मतदाताओं से प्रियंका वाड्रा को भारी मतों से जिताने की अपील की है। उन्होंने कहा कि श्रीमती वाड्रा उत्पीडन और अन्याय के खिलाफ तथा वंचितों के हक में हमेशा अपनी आवाज बुलंद करती रही हैं। इसके मद्देनजर उन्होंने श्रीमती वाड्रा का समर्थन करने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि श्रीमती वाड्रा की लोकसभा में मौजूदगी से मौजूदा सरकार की निरंकुशता पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

जनता से 'असम्भव वादे' करना धोखा देना है-मोदी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को समझ आ रहा है कि झूठे वादे लागू करना असंभव होता है

- **प्रधानमंत्री ने कहा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांठोस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आरोप पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता से 'असंभव वादे' करना आम लोगों के साथ 'भयानक धोखा' है।

मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, कांग्रेस पार्टी इस बात को भली-भांति समझ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है। अभियान दर अभियान वे लोगों से ऐसे वादे करते हैं, जिन्हें वे भी जानते हैं कि वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब, वे लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गये हैं। उन्होंने कहा,किसी भी राज्य को देख लें जहाँ आज कांग्रेस की सरकारें हैं - हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। इन राज्यों में विकास गतिविधियां और सरकारी कोष की हालत बद से बदतर होती जा रही है। उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति के शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं होते हैं, जिन्हें न केवल इन वादों के लाभ से वंचित किया जाता है, बल्कि उनके लिए पहले से चलायी जा रहीं योजनाएं भी कमजोर पड़ जाती हैं।

मोदी गारन्टी भारतवासियों से सबसे बड़ा मजाक-खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी की 100 दिवसीय योजना को सस्ता पी.आर. स्टंट बताया

- **खड़गे ने कहा कि मोदी के 2 करोड़ नौकरी के वादे तथा अच्छे दिन लाने के वादे का क्या हुआ। उन्होंने कहा कि रुपया आज तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा है कि उन्होंने झूठे जुमले गढे है और देश की जनता के साथ वादा खिलाफी की है इसलिए उन्हें दूसरों पर उंगली उठाने से पहले बताना चाहिए कि देश की 140 करोड लोगों के साथ क्यों मजाक किया है। खरगे ने कहा कि मोदी की गारंटी भारतीयों के लिए मजाक है। उन्होंने 2 करोड नौकरियां देने का वादा किया था उसका क्या हुआ। उन्होंने अच्छे दिनों को लेकर भी सवाल किया और कहा कि रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, इसको लेकर मोदी के वादे का क्या हुआ। उन्हें बताना चाहिए कि उनके ना खाऊंगा ना खाने दूंगा के नारे का क्या हुआ।

उन्होंने कहा कोई भी पीएम मोदी की तरह झूठ नहीं बोल सकता। झूठ, छल, कपट, लूट, झूठ प्रचार आपकी सरकार की असलियत हैं। सौ दिवसीय योजना के बारे में ढोल पीटना आपका एक सस्ता पीआर स्टंट था। खरगे की यह टिप्पणी श्री मोदी के बयान के जवाब में आयी है। श्री खरगे ने एक दिन पहले कहा था कि पार्टी नेता उतनी ही गारंटी का वादा करें, जितना आप दे सकते हैं। इस पर मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह बात समझ में आ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है, लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना मुश्किल या नामुमकिन है।

अडानी का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस क्षेत्र में अनिल अम्बानी ने भी रूचि है। वे भी भूटान के सोलर व हाइड्रो एनर्जी डवलप करने के लिए बात कर रहे हैं।

भारत ने दी कैनडा को रिश्ते बिगाड़ने की चेतावनी

अमित शाह पर बेतुके आरोप लगाने पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया की

- **विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसे कैनडा सरकार की भारत को बदनाम करने की नीति का भाग बताया।**

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। भारत ने कनाडा के एक उप मंत्री द्वारा भारत सरकार के गृह मंत्री पर बिना सबूत आरोप लगाने और भारतीय राजनयिकों को धमकाने एवं उत्पीडन पर कड़ा विरोध व्यक्त करते हुए कनाडा सरकार को चेतावनी दी कि उसकी इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर होंगे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में कनाडा से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब में कहा, हमने शुक्रवार को कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को तलब किया था। उन्हें 29 अक्टूबर को ओटावा में सार्वजनिक सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा पर स्थायी समिति की कार्यवाही के संदर्भ में एक राजनयिक नोट सौंपा गया है। नोट में बताया गया है कि भारत सरकार, कनाडा सरकार में उप मंत्री डेविड मॉरिसन द्वारा समिति के समक्ष भारत के केंद्रीय गृह मंत्री के बारे में किए गए बेतुके और निराधार संदर्भों का कडे शब्दों में विरोध करती है।

जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह रहस्योद्घाटन केवल उस दृष्टिकोण की पुष्टि करता है जो भारत सरकार लंबे समय से वर्तमान कनाडाई सरकार के राजनीतिक एजेंडे और व्यवहार शैली के बारे में रखती है कि कनाडा के उच्च अधिकारी भारत को बदनाम करने और अन्य देशों को प्रभावित करने की एक सुविचारित रणनीति के तहत जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में निराधार आक्षेप लीक करते हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रतिनिधि को स्पष्ट कर दिया गया है कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर परिणाम होंगे।

कनाडाई साइबर सुरक्षा रिपोर्ट में भारत को एक शत्रु देश के रूप में वर्गीकृत किये जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यह भारत पर हमला करने की कनाडाई रणनीति का एक और उदाहरण प्रतीत होता है। जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया है, उनके वरिष्ठ अधिकारियों ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि वे भारत के खिलाफ वैश्विक धारणा को बदलना चाहते हैं। अन्य अवसरों की तरह, इस रिपोर्ट में भी भारत पर बिना किसी सबूत के आरोप लगाए गए हैं।

कनाडा की सरकार द्वारा भारतीय राजनयिकों एवं अन्य अधिकारियों पर निगरानी रखे जाने के बारे में पूछने पर जायसवाल ने कहा, हमारे कुछ कांसुलर अधिकारियों को हाल ही में कनाडाई सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि वे ऑडियो और वीडियो निगरानी में हैं और बने रहेंगे। उनके संचार को भी इंटरसेप्ट किया गया है।

इस पर हमने औपचारिक रूप से कनाडाई सरकार का विरोध किया है क्योंकि हम इन कार्यों को प्रासंगिक राजनयिक और कांसुलर प्रावधानों का घोर उल्लंघन मानते हैं। तकनीकी बातों का हवाला देकर कनाडाई सरकार इस तथ्य को सही नहीं ठहरा सकती कि वह उत्पीडन और धमकी में लिप्त है। हमारे राजनयिक और कांसुलर कर्मी पहले से ही उठावाद और हिंसा के माहौल में काम कर रहे हैं।

कनाडाई सरकार की यह कार्रवाई स्थिति को खराब करती है और स्थापित राजनयिक मानदंडों और प्रथाओं के साथ असंगत है।

ओटावा में कनाडा में दीपावली समारोह रद्द किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्ट देखी हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनाडा में मौजूदा माहौल असहिष्णुता और उठावाद के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट रूप से भारत के उन छात्रों और अस्थायी श्रमिकों की कुशलक्षेम की निगरानी कर रहे हैं जो इस समय कनाडा में हैं। उनकी सुरक्षा और संरक्षा को लेकर हम बहुत चिंतित हैं।

अपना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद देबरॉय एक थिंकर और बुद्धिजीवी थे तथा अखबारों में नियमित रूप से स्तंभ लिखा करते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी सराहना करते हुए कहा कि, महाभारत, वाल्मीकि रामायण, भगवद् गीता, हरिवंश-पुराण, विष्णु पुराण, शिव पुराण, ब्रह्मांड पुराण जैसे संस्कृत महाकाव्यों का अंग्रेजी में अनुवाद करके देश के युवाओं को मार्गदर्शन दिया है।

भारत-चीन के अधिकारियों की बैठक शीघ्र

नयी दिल्ली, 02 नवंबर। सरकार ने आज कहा कि चीन के साथ आर्थिक संबंधों एवं वीज़ा एवं आवाजाही शुरू करने के लिए दोनों देशों के संबंधित अधिकारियों के बीच जल्द ही एक बैठक होगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अप्रैल 2020 की स्थिति की बहाली को लेकर हुए समझौते के बाद वीज़ा एवं आर्थिक संबंधों की बहाली के बारे में पूछे जाने पर कहा कि कज़ान में नेताओं (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग) की बैठक में यह सहमति भी हुई है कि द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए विदेश मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के स्तर पर प्रासंगिक वार्ता तंत्र का उपयोग किया जाएगा। जल्द ही ये तंत्र एक-दूसरे के हित और चिंता के मुद्दों से निपटने के लिए मिलेंगे। एलएसी पर मौजूदा स्थिति पर स्पष्टीकरण मांगे जाने पर प्रवक्ता ने कहा, आप सभी जानते हैं कि 21 अक्टूबर को भारत और चीन के बीच आखिरी चरण के डिसएंगेजमैंट (सेनाओं को पीछे हटाने) पर सहमति बनी थी।

परिणामस्वरूप, डेमचोक और डेपसांग में पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सत्यापन गश्त शुरू हो गई है। हम आपको ताज़ा स्थिति की जानकारी देते रहेंगे।

जैव विविधता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एशियन हाथियों की संख्या 50,000 से कम है, तथा यह पिछले 75 सालों में 50 प्रतिशत कम हो गई है, घड़ियालों की संख्या मात्र 650 है, जो एक शताब्दी में 98 प्रतिशत कम हो गये हैं, टाइगर्स की संख्या 3,890 है तथा ये एक सदी में 96 प्रतिशत कम हो गये हैं।

इस रिपोर्ट में भारत की नीची रैंकिंग को लेकर, कांग्रेस ने मोदी सरकार पर प्रहार किये हैं।

कांग्रेस महासचिव तथा मीडिया-प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया है, "जब भी, भारत को किसी वैश्विक सूचकांक (ग्लोबल इंडैक्स) में बहुत नीची रैंक मिलती है, देश के नॉन-बायलॉजिकल प्रधानमंत्री के ढोल पीटने वालों तथा चीयरलीडर्स की त्वरित प्रतिक्रिया में, उस इंडेक्स पर ही हमला बोला जाता है तथा उसे एजेंडा-संचालित बिज़ीबॉडी एनजीओ भारत को बदनाम करने का षड्यंत्र बताने लग जाते हैं। लेकिन, देखना यह है कि अभी-अभी जारी हुए "नेचर कन्जर्वेशन इन्डेक्स" पर भारत की प्रतिक्रिया क्या होगी, जिसमें भारत की रैंक 180 देशों में 176 वीं, अर्थात बहुत ही दयनीय रही है।"

'फर्जी क्लेम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका खारिज कर दी। स्थाई लोक अदालत के पीठासीन अधिकारी अनूप कुमार सक्सैना व दीपक चाचान ने यह आदेश सुरेश कुमार गुर्जर की याचिका पर दिया।

लोक अदालत ने कहा कि प्रार्थी ने ऐसा कोई साक्ष्य पेश नहीं किया है जिससे साबित हो कि जिस ट्रॉली का एक्सीडेंट होना बताया गया है, उसकी मरम्मत कब और किससे करवाई व इसकी सूचना विपक्षी बीमा कंपनी को क्यों नहीं दी। ऐसा लगता है कि प्रार्थी ने अपने वाहन में कोई अन्य ट्रॉली जोड़कर यह झूठा क्लेम दायर किया है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता रविन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रार्थी ने याचिका दायर कर कहा कि उसने विपक्षी बीमा कंपनी से अपनी टाटा सिग्ना-लाइन ट्रॉली की पॉलिसी 19 अगस्त 2020 को ली थी। इस दौरान 17 सितंबर 2020 को वाहन का एक्सीडेंट हो गया। उसने बीमा कंपनी को इसकी सूचना दे दी। वाहन को मरम्मत के लिए वर्कशॉप पर दिया और इसका 9.16 लाख रुपए का बिल कंपनी को दिया, लेकिन कंपनी ने उसे क्लेम नहीं दिया। इसलिए स्थाई लोक अदालत में चुनौती देते हुए बीमा कंपनी से क्लेम दिलवाने का आग्रह किया। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि क्लेम याचिका मिलीभगत कर दायर की गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद लोक अदालत ने क्लेम याचिका को खारिज कर दिया है।

कर्नाटक में कन्नड़ भाषा का मजाक उड़ाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस मुद्दे को अपना लिया है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को लेकर यह संकेत दिया है कि अगर सम्भव हुआ तो राज्य एक योजना लायेगा तथा उसमें इस बात पर विचार किया जायेगा कि क्या उन लोगों के खिलाफ राजद्रोह के आरोप लगाये जाये, जो लोग राज्य और राज्य की भाषा की कथित रूप से हँसी उड़ाते हैं। सरकार का यह कदम विभिन्न कन्नड़-समर्थक संगठनों की भावनाओं को ताकत प्रदान करेगा।

कन्नड़-समर्थक "मोड" में आते हुये, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को "कर्नाटक राज्योत्सव" समारोह को सम्बोधित करते हुये, अपने इस निर्णय की घोषणा कर दी कि कर्नाटक में निर्मित सभी उत्पादों पर कन्नड़ में मुद्रित लेबल भी लगे होने चाहिये। विभिन्न कन्नड़ संगठनों एवं प्रतिष्ठानों ने सरकार के इस आदेश का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने सरकारी तथा निजी क्षेत्र से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि कर्नाटक में बने उत्पादों पर कन्नड़ में छपे लेबल भी लगे हों। मुख्यमंत्री का यह बयान सरकार के उन कदमों में एक है, जो सरकार कर्नाटक में कन्नड़ भाषा को प्रचारित-प्रसारित करने के लिये उठा रही है।

सिद्धारमैया ने एक ऐसा वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया, जो कन्नड़ सीखने तथा उसके दैनिक उपयोग को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा "हम कर्नाटक में कन्नड़ का एक ऐसा माहौल बनायेंगे कि लोग इस भाषा को सीखें तथा दैनिक व्यवहार में इसका प्रयोग करें। यह कन्नड़ भाषा को दिया जाने वाला एक प्रकार का सम्मान होगा।"

उन्होंने सलाह दी कि गैर-कन्नड़ भाषी लोगों को कन्नड़ भाषा सीखनी चाहिये ताकि कर्नाटक की ग्रोथ में इसकी भूमिका बलवती हो सकें। सिद्धारमैया ने घोषणा की कि ऐतिहासिक मैसूर जिला आयुक्त के दफ्तर परिसर, जो "अदद्दरा काचेरी" के नाम से प्रसिद्ध है, में कन्नड़ म्यूज़ियम स्थापित किया जायेगा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्रा डी.के. शिवकुमार ने कहा कि हमारा लक्ष्य कन्नड़ को "जीवन की भाषा" बनाने का है। उपस्थित जन समुदाय को सम्बोधित करते हुये, उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य कन्नड़ को जीवन की भाषा बनाना है। हम सबके लिये यह आवश्यक है कि हम अपनी भूमि के झंडे को ऊँचा फहराकर अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान प्रदर्शित करें।" इसके बाद उन्होंने कहा कि राज्य का नाम कर्नाटक रखे हुये 50 साल हो गये हैं। उन्होंने जोर देते हुये कहा, "हमारा मानना है कि हमारी भूमि स्वर्ग है, हमारी भाषा दैवीय है तथा तुंगे, भादरा, कावेरी और कृष्णा (नदियों का) का जल पवित्र है।"

भाषा के इस भावनात्मक मुद्दे पर, भाजपा कुछ असुविधाजनक स्थिति महसूस कर रही है क्योंकि पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में अपने हिन्दी-समर्थक रूख के कारण, वह बड़ी मुश्किल में पड़ गई थी। प्रसंगवश बता दें कि कर्नाटक ऐसे मुद्दों के मामले में, बहुत ही विनम्र राज्य रहा है तथा बैंगलुरू के रहने वाले भाषा के मामले में बड़े सहज तथा समायोजनवादी प्रवृत्ति वाले लोग हैं। वहाँ की संस्कृति वैश्विक संस्कृति है तथा इस शहर में किसी भी व्यक्ति को तब तक कोई परेशानी नहीं होती, जब तक कि अन्य राज्यों से आये हुये अपनी अकड़ न दिखायें तथा ऐसे प्रश्न न करें कि हम कन्नड़ क्यों बोलें। ये प्रवासी लोग आमतौर से यही कहते हैं कि भारत में प्रत्येक स्थान पर काम चलाने के लिये हिन्दी पर्याप्त है।

राजनाथ सिंह ने कानपुर के तोप कारखाने का निरीक्षण किया

लखनऊ 02 नवम्बर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) की इकाई, फील्ड गन कारखाने का दौरा कर महत्वपूर्ण रक्षा क्षमताओं का जायजा लिया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस कारखाने को टैंक टी-90 और धनुष तोप सहित विभिन्न आर्टिलरी गन तथा टैंकों की बैरल और ब्रीच असेंबली बनाने में विशेषज्ञता हासिल है।

सिंह ने महत्वपूर्ण स्वदेशी रक्षा क्षमताओं का जायजा लेने के लिए कारखाने के हीट ट्रीटमेंट और न्यू असेंबली शॉप सहित प्रमुख सुविधाओं का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उनके साथ सचिव (रक्षा उत्पादन) संजीव कुमार और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत भी थे।

शॉप फ्लोर के दौरे के पश्चात रक्षा मंत्री को कानपुर स्थित रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उपक्रमों (डीपीएसयू) - एडब्ल्यूईआईएल, ट्रूप कम्फर्ट्स इंडिया लिमिटेड, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड - के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और कानपुर स्थित डीआरडीओ प्रयोगशाला, रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के निदेशक द्वारा जानकारी दी गयी।

पांच नवम्बर को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपलब्ध करती है। इससे भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात तथा अमेरिका से भारत को होने वाले निर्यात दोनों ही बढ़ सकते हैं। अमेरिका ऐतिहासिक रूप से नवाचार (इनोवेशन) का हब रहा है। मजबूत आर्थिक योजना टेक्नोलॉजी तथा रिसर्च के क्षेत्र में साझेदारी को प्रोत्साहित कर सकती है तथा इससे अमेरिकन तथा भारतीय-दोनों ही बाजारों को लाभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका की आर्थिक स्थिरता वैश्विक स्थिरता में योगदान दे सकती है, जो कि भारत जैसे उन देशों के लिए महत्वपूर्ण है, जो अपनी आर्थिक ग्रोथ तथा भू-राजनैतिक चुनौतियों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908